07 जुलाई, 2025
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, द्वादशी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 257

पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ से सरकारी बंगला जल्द खाली कराने के लिए पत्र

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | Euro Junior (LKG) | Euro Senior (UKG)
AGE GROUP 01.8 TO 06 YEARS
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरूआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट 'गिनी इंडेक्स' का निष्कर्ष

भारत में 'गरीबी की दर' 16.2% से घट कर 2.3% हुई

■ 2011 के बाद 17.1 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये

■ भारत दुनिया में चौथा सबसे समान समाज वाला देश बना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत दुनिया का चौथा सबसे समान समाज वाला देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि देश में जो भी विकास हो रहा है, उसका फायदा अधिकतम लोगों तक पहुंच रहा है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट 'गिनी इंडेक्स' में यह जानकारी सामने आयी है। इस सूची में भारत 167 देशों से ऊपर और स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस से नीचे है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में चौथे नंबर पर है, जहां आमदनी का बंटवारा सबसे बराबर तरीके से होता है। इसका मतलब है कि भारत में अमीर और गरीब के बीच की आर्थिक खाई पहले की तुलना में कम हुई है। भारत का 'गिनी इंडेक्स' 25.5 है। यह दिखाता है कि देश में आर्थिक असमानता कम है। यह स्कोर स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद आता है, लेकिन चीन (35.7), अमेरिका (41.8) और जी-7 और जी-20 देशों से बेहतर है।

बराबरी का आकलन का पैमाना है गिनी इंडेक्स

गिनी इंडेक्स बराबरी के आकलन का एक तरह का पैमाना है, जो यह बताता है कि किसी देश में आमदनी या दौलत कितनी बराबरी से बंटी हुई है। इसका स्कोर शून्य से 100 तक होता है। शून्य का मतलब है कि सबके पास बिल्कुल बराबर आमदनी है और 100 का मतलब है कि सारी आमदनी केवल एक व्यक्ति के पास है। इसमें भारत का स्कोर 25.5 है, जो 'मध्यम रूप से कम' असमानता की श्रेणी में आता है। 2011 में यह 28.8 था, यानी हाल के सालों में भारत ने बराबरी की दिशा में काफी तरक्की की है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत ने यह उपलब्धि कई सरकारी योजनाओं और नीतियों की मदद से हासिल की है। योजनाओं के सही कार्यान्वयन के कारण 2011 से 2023 के बीच 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आये और देश में गरीबी की दर 16.2% से घटकर 2.3% हो गयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अब ज्यादा लोग आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में हैं।

पहले की तुलना में ज्यादा परिवारों को खाना, स्वास्थ्य सेवाएं, बैंकिंग और नौकरी के मौके मिल रहे हैं। इस आंकड़े से पता चलता है कि भारत की आर्थिक तरक्की का फायदा केवल अमीरों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर तबके को मिल रहा है। यह एक तरह से भारत का मॉडल है, जो दुनिया के लिए मिसाल बन सकता है कि आर्थिक विकास और सामाजिक बराबरी एक साथ चल सकते हैं।

ब्रिक्स के 17वें शिखर सम्मेलन का ब्राजील में आगाज

आर्थिक सहयोग और वैश्विक भलाई के लिए अहम शक्ति है ब्रिक्स : मोदी

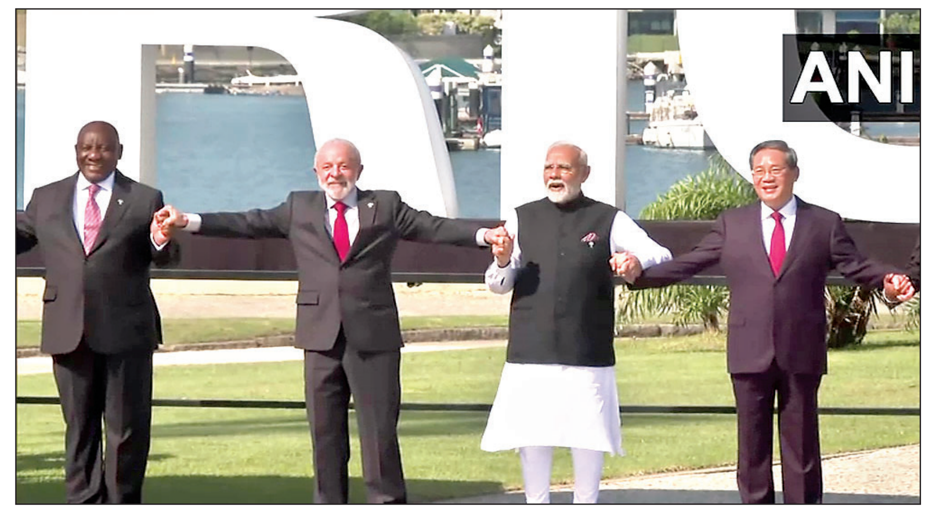

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के आधुनिक कला संग्रहालय पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक दक्षिण के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत-ब्राजील संबंधों में नई ऊर्जा भरने और ब्रिक्स मंच पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

मोदी ने दिया दुनिया को संदेश

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति लूला को गले लगाते हुए पूरी दुनिया को मैसेज दिया, रियो डी जेनेरियो में इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए राष्ट्रपति लूला का आभारी हूं। ब्रिक्स आर्थिक सहयोग और वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली ताकत बना हुआ है।

अनोखे अंदाज में किया गया स्वागत

यहां पहुंचने पर अनोखे अंदाज में गणेश वंदना 'ओम गं गणपतये नमः' के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया गया। इस प्रस्तुति में पारंपरिक भारतीय लय को ब्राजील के संगीत के साथ मिलाया गया, जिसमें महिला और पुरुष कलाकार शामिल थे। इससे पूरी तरह भक्ति और सम्मान का माहौल बन गया। हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए खड़े प्रधानमंत्री मोदी स्पष्ट रूप से भावविभोर नजर आये।

कृषि और व्यापारिक साझेदारी को नयी रफ्तार मिलने की उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों देश के संबंधों में नयी ऊर्जा दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा और महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर से दोनों देशों के बीच 15 अरब डॉलर के वर्तमान व्यापार में और वृद्धि होगी। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीदें बढ़ गयी हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जो भारत-ब्राजील संबंधों को और मजबूत करेगा।

आकाश डिफेंस सिस्टम पर डील की संभावना

ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैक्जिंस्की दा नोब्रेगा ने बताया कि भारत ब्राजील को आकाश डिफेंस सिस्टम, गश्ती जहाज बेचने पर चर्चा कर सकता है। दोनों देशों के बीच स्कॉर्पीन क्लास की पनडुब्बी के प्रबंधन पर एमओयू साइन करने की संभावना है, क्योंकि ब्राजील ने फ्रांसीसी पनडुब्बियां भी खरीदी हैं। ब्राजील के राजदूत ने कहा कि पीएम मोदी की ब्राजील यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में काफी तेजी आयी है।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
M.Sc. Nursing
Post Basic B. Sc. Nursing
B.Sc. Nursing
GNM (General Nursing And Midwifery)
ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
BMLT
DMLT
OT ASSISTANT
ECG
OPHTHALMIC ASST.
CRITICAL CARE (ICU)
RADIO-IMAGING
ANESTHESIA TECH.
DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
D-PHARM
B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

कुछ लोग तिरंगा में चांद चाहते हैं हम चांद पर तिरंगा: धीरेंद्र शास्त्री

- पटना में सनातन महाकुंभ में जगद्गुरु रामभद्राचार्य भी शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पटना के गांधी मैदान में आयोजित सनातन महाकुंभ में बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे। आयोजन के संयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने मंच पर उनका स्वागत किया। जगद्गुरु रामभद्राचार्य भी पधारे हैं। इस दौरान बागेश्वर बाबा ने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की शुरुआत बिहार से ही होगी। उन्होंने कहा कि हम राजनीति नहीं, बल्कि रामनीति के चक्कर में पटना आये हैं। उन्होंने दिल्ली से वृंदावन पदयात्रा में शामिल होने के लिए बिहार वासियों को न्योता दिया।

बाबा बागेश्वर ने कहा कि हिंदुओं को जातिवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के लिए जगायेंगे। हम भारत माता के लिए जियेंगे। जब भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, तो पहला राज्य बिहार होगा। उन्होंने कहा कि सनातन को बांटना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तिरंगा पर चांद देखना चाहते हैं, लेकिन हम चांद पर तिरंगा लहराता देखना चाहते हैं। बिहार आकर बहुत खुशी मिलती है। पटना वाले पागलों अपना ध्यान

रखना। समय कम है और गर्मी ज्यादा है। हम फिर आयेंगे। हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए सात नवंबर से 16 नवंबर तक दिल्ली से वृंदावन की पदयात्रा होने वाली है। इसमें बिहार के लोग चलें। बिहार का कर्ज नहीं भूल सकते।

बागेश्वर बाबा ने कहा कि हमें किसी धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। बिहार की धरती पर किशोरी जी प्रकट हुईं। हमे पूरा भरोसा है। बिहार के पागलों, यह बात गांठ बांध लो। हम सब हिंदू एक हैं। कुछ ताकतें देश को 'गजवा ए हिंद' बनाना चाहती हैं, लेकिन यह 'भगवा ए हिंद' होना चाहिए। हमें मुसलमानों और इसाइयों से दिक्कत नहीं है, बल्कि उन हिंदुओं से दिक्कत है, जो जातिवाद की बात करते हैं। हम किसी पर घात नहीं करना चाहते, लेकिन कोई हम पर घात करेगा, तो हम प्रतिघात से नहीं चूकेंगे। भीषण गर्मी के बावजूद भारी संख्या में लोग गांधी मैदान सनानतन महाकुंभ में पहुंचे।

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I
Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

बालूमाथ की फुलबसिया रेलवे साइडिंग पर अपराधियों का तांडव

- बाइक पर सवार आये अपराधियों ने हाइवा में लगायी आग
- पुलिस ने घटनास्थल से बरामद किया राहुल दुबे गिरोह का पर्चा
- बिना संपर्क काम नहीं करने की दी गयी चेतावनी, जांच शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

बालूमाथ/ बारियातू। बारियातू थाना क्षेत्र में स्थित सीसीएल की फुलबसिया रेलवे साइडिंग पर अपराधियों ने जम कर तांडव मचाया। बाइक सवार अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की और एक हाइवा में आग लगा दी। यह घटना शनिवार देर रात करीब साढ़े नौ बजी घटी। अपराधियों ने घटनास्थल पर एक पर्चा भी छोड़ा, जिसमें राहुल दुबे गिरोह ने घटना की जिम्मेदारी लेते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि गिरोह से संपर्क

और सौदा किये बिना कोयला कारोबार नहीं चलेगा। पर्चा में लिखा गया है कि अगर नियम नहीं माने गये, तो खोपड़ी खोल दी जायेगी। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ के एसडीपीओ बिनोद रवानी, बारियातू थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार, बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार और अमरवाडीह पिकेट प्रभारी अनुभव कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पर्चा को जब्त कर छानबीन शुरू कर दी गयी है। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है।

भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष की कवायद तेज

- केंद्रीय चुनाव समिति का गठन जल्द
- शिवराज-खट्टर समेत छह चेहरे रेस में

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा जल्द ही नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर सकती है। इसके लिए कवायद तेज हो गयी है। नये भाजपा अध्यक्ष के लिए छह नामों पर विचार चल रहा है। इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं।

वहीं भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताये जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ी, तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी।

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 30 जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं। इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और जनवरी 2020 में वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे।

भाजपा के 37 में से 26 प्रदेश अध्यक्ष चुने गये

पार्टी संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50% राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त प्रदेश इकाइयां हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। भाजपा ने जुलाई के पहले दो दिन में नौ राज्यों में नये प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गयी है। इन दो दिनों में हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव किया गया।

नये अध्यक्ष के सामने होंगे 12 अहम चुनाव

पार्टी के नियम के अनुसार अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है। एक व्यक्ति दो बार से अधिक पार्टी का अध्यक्ष नहीं बन सकता। ऐसे में अब पार्टी के नये अध्यक्ष को 12 अहम चुनाव अपने कार्यकाल में कराने होंगे। इनमें से पहला बिहार में होगा, जहां अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होगा।

USHA MARTIN UNIVERSITY
NAAC A GRADE
ISO 9001 : 2015 Certified
Member of Association of Indian Universities (AIU)
Recognized by University Grants Commission (UGC)
Approved by: BCI | PCI | INC | AICTE
The Future Starts Here
ADMISSION OPEN 2025-26
Upto 3 CRORES Worth Scholarships for Meritorious & Deserving Students
EXCELLENT Internships & Placement Opportunities
World Class SPORTS FACILITIES
BBA | MBA
B.COM (Hons.)
B.COM Accountancy & Taxation
BCA | MCA
B.Tech (Electrical & Electronics, Mechanical, Mining, Computer Science, Civil)
B.Tech (Lateral Entry)
Diploma in Engineering (Mining, Civil, Electrical & Electronics, Computer Science, Mechanical)
APPROVED BY AICTE
BA (English) Hons.
MA (Education) | MA (English)
B.Sc Agriculture (Hons.)
M.Sc Agriculture
D.Pharm | B.Pharm
B.Sc Forensic Science
Bachelor in Physiotherapy (BPT)
B.Sc Medical Lab Technology (MLT)
B.Sc Radiography & Imaging Technology
B.Sc Operation Theatre Technology (OT)
B.Sc (Nursing) | B.Sc (PCM) | GNM
B.A. LL.B (Integrated)
B.B.A. LL.B (Integrated) | LL.M
PG Diploma in Tribal LAW
Bachelor in Journalism & Mass Communication (BJMC)
Guru Ji Credit Card Facility Available
PROGRAMMES with Specialization
B. TECH CSE: AI & ML, Data Science, Cyber Security
BBA/MBA: Business Intelligence & Data Analytics, Banking, Finance & Insurance
BCA/MCA: Blockchain, Mobile Computing, Cyber Security Data Science
100% PLACEMENT ASSISTANCE
SALIENT FEATURES
UGC-Approved University
Excellent Placement Record with Top Multinationals.
Excellent sports facility with Coach.
Upto 100% Scholarships for meritorious students
Learning and Joint Certificates from leading Foreign Universities.
Air-conditioned Hostels for Boys & Girls.
University Transportation Facility Available
Academic MoU with a reputed Foreign University.
OUR PLACEMENT ASSOCIATES
APPLY NOW
★★ Ranked NO. 1 UNIVERSITY in Jharkhand by OPEN MAGAZINE ★★
+91 8055 200 400 | +91 9952 923 636
At Village Narayansoso, Near Angara Block Office, Ranchi-Purulia Highway, Ranchi

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
No. 1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

बिहार की सियासी तसवीर बदलेंगी सीमांचल की 24 सीटें

■ महागठबंधन के गढ़ में दबदबा कायम करने की कोशिश में है एनडीए
■ ओवैसी के महागठबंधन में शामिल होने के बाद शक्ति संतुलन बदला
■ वक्फ कानून से अधिक आर्थिक-सामाजिक पिछड़ापन बनेगा गेमचेंजर

आजाद सिपाही विशेष

बिहार की राजनीति में सीमांचल के चार जिलों का अलग महत्व है। इन जिलों की 24 विधानसभा सीटें बिहार की सियासत में अलग महत्व रखती हैं। इनमें मुस्लिम मतदाताओं की बहुलता की वजह से महागठबंधन के लिए यह क्षेत्र हमेशा से मुफीद रहा है, लेकिन इस बार की सियासी तस्वीर कुछ अलग कहानी बयां कर रही है। अक्टूबर-नवंबर तक विधानसभा के चुनाव के मद्देनजर सियासी दल अलग-अलग इलाकों की सियासत साधने की कोशिश में जुटे हैं। सीमांचल में वोट की यह लड़ाई कितनी अहम है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राजनीतिक दल वक्फ जैसे मुद्दों को नेपथ्य में डाल कर सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को केंद्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश में जुटे हैं। इसलिए विपक्षी महागठबंधन की अगुवाई कर रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सीएम फेस तेजस्वी यादव ने सत्ता में आने पर सीमांचल विकास प्राधिकार बनाने का वादा कर दिया है। दूसरी तरफ मुस्लिम बाहुल्य इस इलाके में सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को नये वक्फ कानून के साथ डबल इंजन की सरकारी विकास योजनाओं से एकमुश्त हिंदू वोट और पिछड़े मुस्लिमों के समर्थन की उम्मीद है। वोटों की इस खींचतान के बीच सीमांचल की राजनीति के सबसे अहम फैक्टर हैं असदुद्दीन ओवैसी, जिनकी पार्टी ने 2020 में पांच सीटें जीत कर सबको चौंका दिया था। इस बार वह महागठबंधन में शामिल हो गये हैं, तो लड़ाई रोचक हो गयी है। क्या है सीमांचल की सियासत की तसवीर और क्या हैं संभावनाएं, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बिहार में चुनाव आयोग ने अभी चुनावी कार्यक्रमों का एलान नहीं किया है, लेकिन अलग-अलग सियासी दलों के नेता खुद की जीत को सुनिश्चित करने के लिए 2025 के चुनावी जंग में एक-दूसरे के खिलाफ जमकर आग उगल रहे हैं। फिलहाल बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सबसे दिलचस्प लड़ाई सीमांचल में नजर आ रही है, जहां सबकी नजरें मुस्लिम वोटरों पर हैं। बिहार की राजनीति में सरकार बनाने के लिहाज से सीमांचल के चार जिलों की 24 सीटें बेहद अहम मानी जाती हैं। यहीं से तय होता है कि बिहार की गद्दी पर कौन बैठेगा। इस इलाके में सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस और राजद के सामने है। यही वजह है कि कन्हैया कुमार भी आजकल सीमांचल की गलियों में घूमते नजर आ जाते हैं।

सीमांचल का सामाजिक-भौगोलिक समीकरण

सीमांचल की राजनीति का गणित समझने के लिए इलाके का भूगोल समझना भी जरूरी है। यह इलाका पश्चिम बंगाल के साथ अंतरराज्यीय और नेपाल के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। यह इलाका बांग्लादेश सीमा से भी काफी करीब है। सीमांचल में बिहार के चार जिले आते हैं, कटिहार, पूर्णिया, अररिया और किशनगंज। मुस्लिम बाहुल्य इन चार जिलों में 24 विधानसभा सीटें हैं। जाति जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक बिहार की कुल आबादी में करीब 18 फीसदी मुस्लिम हैं। सीमांचल के इन चार जिलों की आबादी की बात करें, तो किशनगंज में 68, अररिया में 43, कटिहार में 45 और पूर्णिया में 39 फीसदी हिस्सेदारी मुस्लिम समाज की है।

सीमांचल की सीटें अहम क्यों

सीमांचल के चार जिलों में विधानसभा की 24 सीटें हैं। पूर्णिया में सात, कटिहार में सात, किशनगंज में चार और अररिया में छह सीटें हैं। सीमांचल की अहमियत ऐसे भी समझा जा सकता है कि बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठबंधन टूटने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 23 सितंबर 2022 को

पूर्णिया जिले के रंगभूमि मैदान में 'जन भावना रैली' को संबोधित किया था, जहां उन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए हुंकार भरी थी। शाह ने इस रैली में लोगों से बीजेपी को पूर्ण बहुमत देने की अपील की थी। नीतीश कुमार की पार्टी का भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन तोड़ने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ महागठबंधन बनाने के बाद तेजस्वी यादव ने भी पहली बड़ी रैली 25 फरवरी 2023 को पूर्णिया में ही की थी। इस 'एकजुटता रैली' में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया था। दोनों रैलियों का मकसद एक ही था। सीमांचल की 24 सीटों पर कब्जा जमाना।

2020 में कैसा रहा था नतीजा

साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में सीमांचल क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को आठ, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) को पांच, कांग्रेस को चार, जनता दल (यूनाइटेड) को चार, राष्ट्रीय जनता दल को दो और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) को एक सीट मिली थी। 2020 में सीमांचल को राजद और कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, लेकिन पिछले चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन चौंकाने वाला था। तब असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआइएमआइएम ने भी पांच सीटें जीत कर चौंकाया था।

सीमांचल सियासी समीकरण

साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक बिहार में करीब 17 फीसदी (16.87%) मुस्लिम हैं। बिहार की कुल मुस्लिम आबादी का 45 से 75 फीसदी हिस्सा (कहीं कम, कहीं ज्यादा) सिर्फ सीमांचल के चार जिलों में बसा है। अब अगर सीमांचल की मौजूदा राजनीति और वोटों के गणित की बात करें, तो यह सच है कि पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए ने इस इलाके में अपनी स्थिति मजबूत बनायी थी, लेकिन इस बार यहां चुनौती त्रिकोणीय हो चुकी है। इलाके की मुस्लिम बहुल आबादी पर हर पार्टी नजरें गड़ाये हुए है और वोटरों को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटी है। पहले इस इलाके में मुख्य तौर पर दो ध्रुव थे। एक एनडीए और दूसरा महागठबंधन, लेकिन जिस तरह से बीते चुनाव में एआइएमआइएम ने इस इलाके में महागठबंधन को चौंका दिया था, उसका लाभ बीजेपी को फायदा मिला था। उसी तरह इस बार सीमांचल में एक नयी ताकत का उभार हुआ है, जिसका नाम पप्पू यादव है।

राजद के लिए चुनौती सबसे बड़ी क्यों

लोकसभा चुनाव में राजद को पूर्णिया और अररिया जैसे मुस्लिम बहुल इलाके में भी काफी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था, जिसे पहले लालू की पार्टी का कोर वोटर माना जाता था। अररिया में बीजेपी के प्रदीप सिंह ने राजद के शाहनवाज को हराया था। सीमांचल में इस बार सबसे बड़ी चुनौती राजद के लिए ही नजर आ रही है। पूर्णिया में पार्टी की सबसे बड़ी नेता बीमा भारती लगातार दो चुनाव हार चुकी हैं और यादुका हत्याकांड में उनके पति और बेटे की भूमिका ने लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता को रसातल में पहुंचा दिया है। उन्हें मौजूदा विधायक शंकर सिंह से कड़ी टक्कर मिली है, जो इस वक्त जेडीयू के पाले में हैं।

लोकसभा चुनाव नतीजों से महागठबंधन उत्साहित

पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों से महागठबंधन उत्साहित है। आम चुनाव में सीमांचल की चार में से दो सीटों पर महागठबंधन को जीत मिली थी। एक सीट पर कांग्रेस से बगावत कर बतौर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव चुनाव जीतने में सफल रहे थे। एनडीए के खाते में केवल एक सीट आई थी- अररिया। अररिया सीट पर प्रदीप कुमार सिंह ने कमल खिलाया था। पप्पू यादव भी कांग्रेस के ही समर्थन में खड़े नजर आते हैं। कुल मिला कर देखें तो लोकसभा चुनाव में महागठबंधन सीमांचल में एनडीए पर भारी पड़ा था।

वक्फ बिल से बदलेगा सीमांचल का गणित

सीमांचल का वोट गणित देखें, तो औसतन हर सीट पर 36 से 37 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। बीजेपी और एनडीए को वक्फ कानून के बाद पसमांदा और गरीब मुस्लिमों का भी समर्थन मिलने की उम्मीद है। वहीं महागठबंधन के नेता मुस्लिम समाज के साथ ही सेक्यूलर वोटरों के साथ का विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। वक्फ बिल से सीमांचल का गणित कितना बदलता है और अगर बदलाव होता है तो यह किसके पक्ष में जायेगा, यह बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे ही बतायेंगे।

देवघर के श्रावणी मेले में महाकुंभ जैसी तैयारियां

श्रद्धालुओं के लिए 10 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन संचालित करेगा रेलवे

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेले को लेकर जिला प्रशासन के साथ-साथ अन्य विभाग भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी क्रम में रेलवे ने देवघर जिले के जसीडीह रेलवे स्टेशन पर भव्य तैयारियां की हैं। जसीडीह स्टेशन, जो देश के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक है, सामान्य दिनों में प्रतिदिन 190 ट्रेनों का परिचालन करता है।

रेलवे विभाग सावन के महीने में इस स्टेशन से कई विशेष ट्रेनें संचालित करता है। पिछले साल सावन में 14 नयी ट्रेनें शुरू की गयी थीं, जबकि इस वर्ष रेलवे विभाग लगभग 10 नयी ट्रेनों का परिचालन कर सकता है। आसनसोल रेलवे डिवीजन के अनुसार, सोमवार से रविवार तक कुल 500 ट्रेनों का आवागमन होगा। इसके अतिरिक्त, अन्य रेलवे डिवीजनों से 84 अतिरिक्त ट्रेनें विभिन्न राज्यों से होकर जसीडीह स्टेशन तक पहुंचेंगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम

रेलवे विभाग ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है और स्टॉपेज की समयावधि में भी वृद्धि की गयी है। आसनसोल डिवीजन ने बताया कि कई नयी ट्रेनें इस मार्ग पर चलायी जायेंगी, जिनमें कुछ वातानुकूलित ट्रेनें भी शामिल हैं। इसके अलावा, जसीडीह स्टेशन पर श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए पूरे परिसर में टेंट लगाये गये हैं। श्रावणी मेले की तैयारियों से यात्री संतुष्ट नजर आ रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि यदि मेले के दौरान ऐसी ही व्यवस्था बनी रही, तो श्रद्धालुओं को निश्चित रूप से राहत मिलेगी।

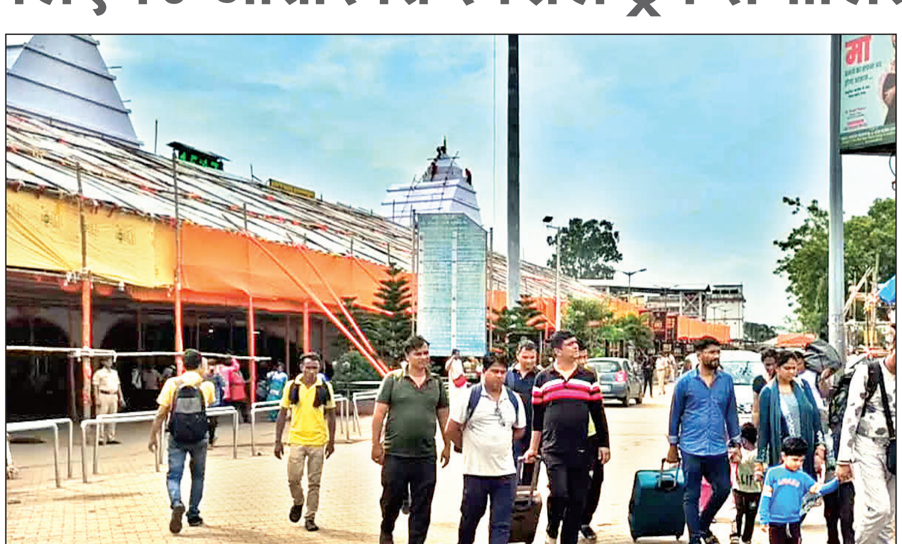

श्रावणी मेला 2025 के दौरान बैद्यनाथ धाम में वीआइपी और वीवीआइपी दर्शन पर रोक

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। देवघर के बैद्यनाथ धाम में श्रावणी मेला 2025 के दौरान वीआइपी और वीवीआइपी दर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम जलार्पण को ध्यान में रखते हुए लिया है। देवघर के डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि सावन के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में लाखों श्रद्धालु जलार्पण के लिए आते हैं। वीआईपी दर्शन की अनुमति से आम श्रद्धालुओं को असुविधा होती थी। इससे भीड़ प्रबंधन में भी कठिनाई आती थी।

आम श्रद्धालु प्राथमिकता में रहेंगे : डीसी ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आम श्रद्धालु हैं। उन्हें देवतुल्य मानते हुए यह फैसला लिया गया है। पुरोहित समाज ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे पूजा-पाठ और जलार्पण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी। श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण माहौल में पूजा करने का अवसर मिलेगा।

जसीडीह स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सुरक्षा के लिहाज से जसीडीह स्टेशन पर व्यापक इंतजाम किये गये हैं. अन्य रेलवे डिवीजनों से अतिरिक्त रेलवे पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की जायेगी। आसनसोल डिवीजन के रेलवे आइजी एएन सिन्हा ने पूरे रेलवे परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा को लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि इस बार श्रावणी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा व्यवस्था की जाये। मैंने स्वयं महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में ड्यूटी की थी, और उस अनुभव का उपयोग मैं जसीडीह स्टेशन पर करना चाहूंगा।

जसीडीह रेलवे स्टेशन और व्यवस्थित होगा

रेलवे स्टेशन की स्वच्छता के लिए सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ायी जायेगी, ताकि श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं को गंदगी का सामना न करना पड़े। जसीडीह स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में स्टेशन की सुविधाओं को और व्यवस्थित किया जायेगा। 11 जुलाई से पहले सभी इंतजाम पूरे कर लिए जायेंगे।

आइइडी ब्लास्ट में गंभीर रूप से घायल हाथी 'गडरु' ने तोड़ा दम

आजाद सिपाही संवाददाता

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए छह साल के जंगली हाथी की इलाज के दौरान मौत हो गई। हाथी का नाम 'गडरु' है। बीते दस दिनों से वह जंगल में घायल हालत में भटक रहा था। वन विभाग की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

वन विभाग और गुजरात के वनतारा की मेडिकल टीम ने शनिवार की देर शाम हाथी को ट्रैंकुलाइज किया। इसके बाद उसे सारंडा के दीघा से जराईकेला लाया गया। रातभर इलाज की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन ज्यादा खून बह जाने और शरीर में अंदरूनी जख्म के कारण उसने दम तोड़ दिया। आज मृत हाथी का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

24 जून को हुआ था हादसा, 27 जून को मिला था ड्रोन से सुराग : घटना 24 जून की बताई जा रही है, जब सारंडा जंगल के दीघा इलाके में एक हाथी आईईडी विस्फोट की चपेट में आ गया। विस्फोट में उसके पिछले बाएं पैर में गंभीर चोट लगी थी। हाथी के शरीर से लगातार खून बह रहा था और वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गया था। वन विभाग ने ड्रोन की मदद से हाथी की लोकेशन ट्रैक की थी। अंतिम बार उसे 27 जून को दीघा गांव के पास देखा गया था। ड्रोन से मिले फुटेज में हाथी के पैर में सूजन और खून के निशान साफ नजर आ रहे थे। उसके बाद हाथी को ट्रैंकुलाइज कर रेस्क्यू करने की योजना बनी।

छह टीमें लगी थीं तलाश में, ओडिशा से भी बुलायी गयी थी मदद : घायल हाथी को खोजने और इलाज देने के लिए झारखंड और ओडिशा के विभिन्न वन क्षेत्रों से टीमें बुलायी गई थीं। जमशेदपुर रीजन की आरसीसीएफ स्मिता पंकज और सारंडा के डीएफओ अभिरूप सिन्हा खुद रेस्क्यू अभियान की निगरानी कर रहे थे। गुजरात के वनतारा आश्रय स्थल से आए डॉ. तेनजिंग भी टीम के साथ मौजूद थे। हाथी की तलाश में कुल छह टीमें लगी थीं, जिनमें ओडिशा की वेटनरी डॉक्टरों की टीम भी शामिल थी। जंगल का इलाका दुर्गम होने और हाथी के लगातार मूवमेंट के कारण रेस्क्यू में काफी दिक्कतें आ रही थीं।

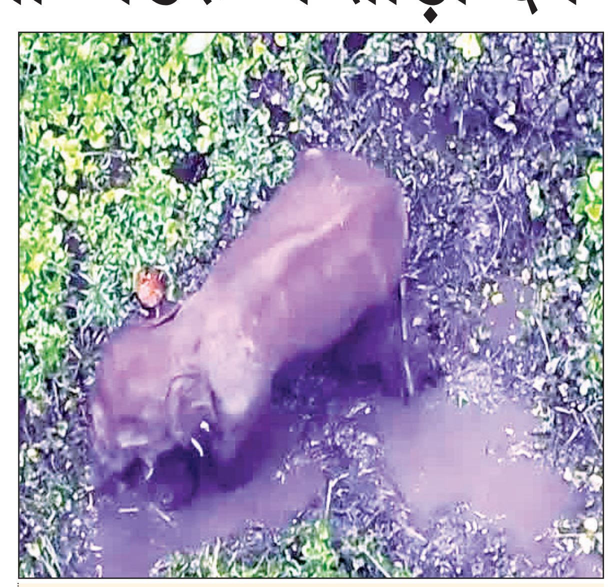

अब वन्यजीवों के लिए खतरा बन रहा है नक्सलियों का आइइडी बम

इस घटना ने एक बार फिर नक्सली हिंसा की भयावहता को उजागर कर दिया है। अब तक इंसानों को निशाना बनाने वाले नक्सली, अब वन्यजीवों के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। हाथी की मौत से वन विभाग ही नहीं, स्थानीय ग्रामीण भी दुखी हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि जंगल में लगे विस्फोटकों को जल्द से जल्द हटाया जाए और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किये जायें। वहीं, वन विभाग अब पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर रहा है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	371.6 °c	28.8 °c
सूर्यास्त (आज) :		19.23 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.29 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 07 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के बीच भगवान लौटे अपने धाम

● बारिश भी नहीं रोक सकी श्रद्धालुओं का उत्साह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची। झारखंड की राजधानी रांची में आस्था और भक्ति का सागर उस समय उमड़ पड़ा, जब भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ नौ दिनों के विश्राम के बाद मौसीबाड़ी से वापसी कर अपने मुख्य मंदिर लौटे। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर परिसर और उसके रास्तों में जय जगन्नाथ की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा। बारिश की फुहारों के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। न भीगने की चिंता, न रास्तों की परवाह झ भक्तों का उत्साह हर मौसम पर भारी पड़ा।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का यह दूसरा चरण, जिसे घूरती यात्रा कहा जाता है, हर साल आषाढ़ शुक्ल दशमी को मनाया जाता है। नौ दिनों तक भगवान तीनों स्वरूपों ने मौसीबाड़ी में विश्राम किया, जहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। इस दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंचे और मनोवांछित फल की कामना की।

रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की वापसी यात्रा के लिए शहर भर से श्रद्धालु जगन्नाथपुर मंदिर परिसर पहुंचे। हजारों की संख्या में भक्त रथ को खींचने के लिए उमड़ पड़े। जैसे ही भगवान का रथ मंदिर के मुख्य द्वार की ओर बढ़ा, लोगों की आंखें श्रद्धा और आनंद से भर आयीं। पूरे आयोजन के दौरान मेले जैसा माहौल बना रहा। मंदिर परिसर और मौसीबाड़ी के आसपास सजे मेले में राज्यभर के साथ-साथ बिहार, ओड़िशा, बंगाल और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से आए स्टाल धारकों ने अपने-अपने उत्पादों की बिक्री की। हस्तशिल्प, मिठाइयां, झूले, खिलौने, पूजा सामग्री, लोक गीतों और झारखंडी व्यंजनों के बीच लोगों ने भक्ति और मेले का भरपूर आनंद लिया।

मौसीबाड़ी से मुख्य मंदिर तक के मार्ग को रंग-बिरंगे पताकाओं, तोरण द्वारों और फूलों से सजाया गया था। चारों ओर गूंजते भजन, ढोल-नगाड़े और चांदनी की तरह चमकती रथ यात्रा ने हर किसी को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। प्रशासन और स्थानीय समिति द्वारा सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता और सुविधा प्रबंधन की विशेष व्यवस्था की गई थी. महिला श्रद्धालुओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए अलग से सुविधा केंद्र बनाए गये थे। बारिश के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आयी। छाते लेकर, रेनकोट पहनकर और कई तो भीगते हुए ही - हर कोई इस दिव्य क्षण का साक्षी बनने को आतुर दिखा। एक श्रद्धालु ने भावुक होकर कहा, बारिश भगवान की कृपा है।

जगन्नाथपुर मंदिर पहुंचने के बाद भगवान तीनों स्वरूपों का विशेष पूजन और आरती की गयी। मंदिर प्रांगण में फूलों और रोशनी से की गई सजावट ने पूरे माहौल को स्वर्गिक बना दिया। भक्तों ने देर रात तक भजन-कीर्तन और भोग वितरण में भाग लिया। जगन्नाथ यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का उत्सव बन चुकी है। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह पर्व श्रद्धा, समर्पण और उल्लास का प्रतीक बना रहा।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष सुख-सुविधा के साधन बनेंगे। नौकरी में उन्नति होगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

वृष सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा होगी। दिमागी परेशानी। परिश्रम-से आवश्यक काम में लाभ।

मिथुन प्रभावशाली व्यक्तियों से सहयोग मिलेगा। उद्योग-व्यापार में सफलता। भौतिक सुख-सुविधा।

कर्क विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास। परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता। स्वजन-मित्रों का सहयोग।

सिंह आजीविका के क्षेत्र में सफलता। आत्मबल एवं कर्मबल में वृद्धि। विपरीत परिस्थितियों में सुधार।

कन्या नई आशाओं का उदय होगा। धैर्य व साहस से सभी कार्य पूरे होंगे। धनागम के अवसर बढ़ेगें।

तुला परिस्थितियों में सुधार। नौकरी में बदलाव। समस्याओं का समाधान। इच्छित सफलता की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक स्वास्थ्य में सतर्कता आवश्यक है। राजनीतिक सम्पर्क प्रभाव बढ़ेगा। चिंतित मनोरथ की सिद्धि।

धनु आत्मविश्वास की वृद्धि। रुके कामों में प्रगति। धार्मिक कार्य में रुचि बढ़ेगी।

मकर आजीविका संबंधी चिंता दूर होगी। साहसिक कार्य में सफलता। संतान पक्ष से शुभ समाचार।

कुंभ लाभकारी प्रयास सफल होगा। स्वजन-मित्रों का सहयोग। आमदनी में वृद्धि होगी।

मीन चिंता से मुक्ति मिलेगी, परिश्रम का फल मिलेगा। प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार देश को एक सूत्र में जोड़नेवाला : अमर बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं कश्मीर में धारा 370 के विरोध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 125वीं जयंती पर भाजपा, रांची महानगर जिला के द्वारा महानगर कार्यालय में उनकी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एकदिवसीय संगोष्ठी महानगर कार्यालय में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर उपाध्यक्ष राजू सिंह एवं मंच संचालन महामंत्री बलराम सिंह एवं ध्यानवाद ज्ञापन जितेंद्र वर्मा ने किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का विचार देश को एक सूत्र में जोड़ने वाला रहा है। उनकी पूरी जीवनी राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि कश्मीर में धारा 370 के मुखर विरोधी रहे डॉ मुखर्जी ने देश की अखंडता एवं संप्रभुता के लिए अपनी प्राणों की आहुति दी। उनकी जीवनी पूरे भारत के लिए प्रेरणा है।

हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान से युगों योगों तक देश के नागरिक प्रेरणा लेते रहेंगे। संगोष्ठी में प्रदेश कार्यालय मंत्री हेमंत दास, सत्यनारायण सिंह, केके गुप्ता, संजय जयसवाल, रमेश सिंह, राजश्री जयंती, ललित ओझा, जितेंद्र वर्मा, बसंत दास, अनीता वर्मा, विनय सिंह, सुरेश प्रसाद, पूनम जयसवाल, बालसाई महतो, देवेंद्र शर्मा, सोनू सिंह, पायल सोनी, राकेश शर्मा, ओम प्रकाश पांडे, इंद्रजीत यादव, अशोक मिश्रा, रामलगन राम, सुजीत शर्मा, विशाल साहू, राम मनोज साहू, रामजी प्रसाद, ऋषभ गखड़, सूर्य प्रताप आदि उपस्थित रहे।

होनहार बच्चे संवारेंगे झारखंड का भविष्य : सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कुरमी महासभा के द्वारा रविवार को अनगड़ा में 11वीं जिलास्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा में टॉप करने वाले कुरमी समाज के 50 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा आज के होनहार बच्चे ही झारखंड का भविष्य संवारेंगे। यही बच्चे शहीदों के सपनों का झारखंड बनायेंगे। हमारे सकारात्मक मार्गदर्शन से इन बच्चों को उनके लक्ष्य की प्राप्ति होगी। बच्चों के सफलता पर पूरा समाज गौरवान्वित होता है। हमें विद्यार्थियों के मार्गदर्शक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मार्गदर्शन के अभाव में प्रतिभाएं भटक जाती हैं। प्रतिभाओं को निखारने के लिए सभी को सकारात्मक मार्गदर्शक के रूप में आगे आना होगा।

सुदेश महतो ने कहा कि आनेवाले समय में हमें काफी परिवर्तन देखने को मिलेगा, हमें अभी से ही उसके लिए तैयार रहना है। श्री महतो ने कहा कि केंद्र सरकार के शिक्षण संबंधी निदेर्शों का अनुपालन राज्य के द्वारा नहीं करने से विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि दृढ इच्छाशक्ति और कठिन मेहनत से ही सफलता मिलती है।

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि समाज के प्रोत्साहन एवं सहयोग से ही प्रतिभाएं निखरती हैं। हमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की दिशा में काम करना है, पढ़ाई के साथ संस्कार भी जरूरी है। समाज में व्याप्त नशाखोरी व दहेज प्रथा से घर परिवार बर्बाद होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योतिष महतो एवं संचालन गोवर्धन महतो व जगन्नाथ महतो ने किया। इस अवसर पर अभाकुम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर गांधी, झाकुम के अध्यक्ष कुमेश्वर महतो, महासचिव काशीनाथ महतो, कुरमी विकास परिषद के अध्यक्ष रणधीर चौधरी, डॉ आरती मेहता, आतिश महतो, गोविंद महतो, कौलेश्वर महतो, डॉ पारसनाथ महतो, विष्णु महतो, दूर्गा महतो, विश्राम महतो, सकलनाथ महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

एसबीयू में मनी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में रविवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने डॉ. मुखर्जी के जीवन, देश के प्रति उनके योगदान और उनके कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उनकी शैक्षणिक विद्वता, जनसेवा के प्रति समर्पण एवं राष्ट्र की विभिन्न समस्याओं के प्रति दूरदर्शिता की भी उन्होंने चर्चा की। हिंदू महासभा से उनके जुड़ाव एवं भारतीय राजनीति में उनके योगदान पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने की वकालत कर और इसके लिए वृहत आंदोलन कर डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का महती प्रयास किया था। कार्यक्रम में एसबीयू के माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन के अलावा विभिन्न शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने डॉ मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

श्री राधा-कृष्ण सेवा धाम मंदिर में 215वां अन्नपूर्णा भंडारा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में देवशयानी एकादशी बहुत श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर 215वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। महाप्रसाद में 101 किलो ग्राम की केसरिया मेवायुक्त खीर का भोग भगवान श्री राज श्यामजी को विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया। इसके बाद पूरे विधि विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की गयी। मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच अन्नापूर्णा महाप्रसाद भोग का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- कीर्तन का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी एवं निर्मल जालान ने अपने मनमोहक सुमधुर भजनों से श्रोताओं को खूब झुमाया।

ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर में रविवार को लगभग 5 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, चिरंजी लाल खंडेलवाल, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ, सुरेश भगत, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, विष्णु सोनी, मनीष सोनी, प्रेम प्रकाश, विधा देवी अग्रवाल, अरविंद पांडे, चन्द्रदीप साहू, हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, धीरज कुमार गुप्ता, अशोक ठाकुर सुधीर कुमार सत्यम कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं-पुरुष उपस्थित थे।

सीआरपीएफ सेंबो कैंप में पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण पर संवाद और वार्षिक स्थापना एवं सम्मान समारोह

झारखंड के रेगिस्तानीकरण पर चिंता और सामूहिक हरित का लिया संकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ द्वारा आयोजित कल्पतरु दिव्य इच्छावृक्ष कार्यक्रम में रविवार को सीआरपीएफ सेंबो कैंप में पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण पर संवाद और वार्षिक स्थापना एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिद्धार्थ त्रिपाठी (आइएफएस), अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखंड ने अपने उद्बोधन में बताया कि झारखंड का 65% भूभाग रेगिस्तानीकरण का शिकार है, जो कि पूरे देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। अगर हमने अभी नहीं संभाला, तो भावी पीढ़ियों को शुद्ध जल, उपजाऊ भूमि और हरियाली नहीं मिलेगी। उन्होंने मानसिकता में बदलाव पर जोर देते हुए कहा कि हमारे पूर्वज हमसे कहीं अधिक वैज्ञानिक थे। उन्होंने प्रकृति को देवता मानकर उसकी रक्षा की नदियों को मां, पेड़ों को पूजनीय और धरती को जीवनदायिनी माना। आज आवश्यकता है कि हम उसी परंपरागत विज्ञान को पुनर्जीवित करें।

पर्यावरण योद्धा के रूप में सीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक डीएन लाल ने बताया कि किस प्रकार सीआरपीएफ ने बस्तर (छत्तीसगढ़) और ओड़िशा के वन क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर वनों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ केवल देश की सुरक्षा ही नहीं करती, बल्कि प्रकृति और जीवन की भी रक्षा करती है। उन्होंने देशभर में चलाये गये पौझरोपण अभियानों का उल्लेख किया और बताया कि कैसे हमारे जवान स्थानीय जनजातियों को जोड़ कर सामूहिक वृक्ष सुरक्षा और जल संरक्षण जैसे कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

पानी की खेती से हरित क्रांति की ओर

कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं भुवनाम पानी की खेती के संस्थापक रथिन भद्र ने कहा कि पौधरोपण एक औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा का संकल्प है। उन्होंने पानी की खेती की तकनीक के जरिए उलिहातू जैसे सूखा प्रभावित क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण की सफलता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम सर्विस एबभ सेल्फ की भावना से प्रेरित होकर समाज, जल, जंगल और जमीन के लिए काम कर रहे हैं।

सम्मान समारोह एवं नयी कार्यकारिणी की स्थापना

इस कार्यक्रम के अंतर्गत रोटरी क्लब की नई कार्यकारिणी की स्थापना की गयी एवं पर्यावरण, शिक्षा, नवाचार और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने मिल कर झारखंड में रेगिस्तानीकरण को रोकना, पारंपरिक एवं वैज्ञानिक पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए स्थानीय सहभागिता को प्रोत्साहित करना, रोटरी क्लब, सीआरपीएफ और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से पर्यावरणीय परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। कहा गया कि कल्पतरु केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि एक विचार है। हरित भारत का, सतत भविष्य का। सेम्बो से संथाल तक, उलिहातू से उत्तराखंड तक हमारा एक-एक पौधा हमारी ज़िम्मेदारी का प्रतीक है।।

व्यापार के साथ खेल भावना को भी आगे बढ़ायेंगे : किशोर मंत्री

● बीसीआइ प्लेटिनम 27 जुलाई को करायेगा बैडमिंटन टूर्नामेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) प्लेटिनम की बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीसीआइ प्लेटिनम के अध्यक्ष डॉ सजीत कुमार ने कहा कि बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों के आपसी सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो रही है। हमें अपने व्यापार के साथ एक आपसी संबंध को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि एक-दूसरे के सहयोग से ही अपने कारोबार को तेज गति प्रदान कर पायेंगे। बैठक में बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों के लिए 27 जुलाई को एक दिवसीय बैडमिंटन का आयोजन की घोषणा की गयी। इसका आयोजन मोरहाबादी हातमा स्थित बैडमिंटन एकेडमी में होगा।

मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि यदि हमें व्यापार को आगे बढ़ाना है, तो नेटवर्किंग बेहद जरूरी है। बीसीआइ प्लेटिनम एक ऐसा मंच है, जहां उद्यमी एक-दूसरे से जुड़ कर अपने व्यवसाय को नया आयाम दे सकते हैं। इसमें अच्छे लोग जुड़ रहे हैं, इसी का परिणाम है कि एक-दूसरे के पारस्परिक सहयोग से अच्छा व्यवसाय हर माह कर पा रहे हैं। व्यापार के साथ खेल भावना को भी आगे बढ़ाना है। एक दूसरे के प्रति विश्वास जगाना है।

बैठक में कई नये विज़िटर्स ने भी भाग लिया और संगठन की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस मंच से बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस अवसर पर निदेशक शिव कुमार सिंह, रमेश कुमार, अजय कुमार, बीसीआइ प्लेटिनम की उपाध्यक्ष सोनाली चौधरी, सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा, मोहित नारसरिया, संजय जैन, अमर बाजोरिया और जुली कुमारी समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

शांति-सद्भाव से निकला मुहर्रम का जुलूस

● 'या हुसैन' के नारों से गूंजी राजधानी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इमाम-ए-हुसैन की कुर्बानी की याद में मुहर्रम के पहलाम का जुलूस रविवार को शांति सद्भाव के साथ निकाला गया। अपने-अपने क्षेत्र से जुलूस दिन के लगभग 2 बजे निकला। सभी जुलूस अलबर्ट एक्का चौक, महावीर चौक के पास पहुंचा। जुलूस में देशभक्ति और भाईचारे की झलक दिखी। ज्यादातर जुलूस तिरंगे के साथ निकले थे। जुलूस में शामिल हर हुसैनी इस्लाम जिंदा होता है हर कर्बला के बाद....। कर्बला की अजमत को लाखों सलाम। नाना भी बेमिसाल है नवासा भी बे मिसाल। आदि नारे लगाते हुए लोग जुलूस में चल रहे थे। मुहर्रम जुलूस का नेतृत्व सेंट्रल मुहर्रम कमेटी कर रही थी। कमेटी के संरक्षक मो सईद, अध्यक्ष जावेद गद्दी, महासचिव अकिलुर रहमान, उपाध्यक्ष आफताब आलम, मो तौहीद, अय्यूब राजा खान, सह सचिव आदिल रशीद, प्रवक्ता मो इस्लाम और सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के लोग कर रहे थे।

मोहर्रम के अखाड़ों में लाठी व तलवारों से हैरतअंगेज करतब भी दिखये। धौताल अखाड़ा के नेतृत्व प्रमुख खलीफा जमशेद अली उर्फ पप्पू गद्दी, जावेद गद्दी, साहेब अली, रोजन गद्दी, अन्य कर रहे थे। इमाम बख्श अखाड़ा के नेतृत खलीफा मो मौजूद कर रहे थे। वहीं शमश नौजवान कमिटी के अंतर्गत आने वाले अखाड़ा का नेतृत्व कमेटी के संरक्षक अय्यूब राजा खान, हाजी रब्बानी, खलीफा परवेज पप्पू, जिशान, सज्जाद, राजू, और शमश नौजवान कमिटी के लोग कर रहे थे। वहीं लीलू अली अखाड़ा के नेतृत्व खलीफा मो सज्जाद, महासचिव मो शकील, संरक्षक सलाहुद्दीन संजू, मो रब्बानी कर रहे थे। वहीं मुहर्रम नवजवान कमेटी मस्जिद मोहल्ला मोरहाबादी रांची अखाड़ा का नेतृत्व मो शोएब खान, खलीफा मो हसन और उनकी टीम कर रही थी।

अखाड़ेधरियों को पिलाया शरबत

अध्यक्ष जय सिंह ने कहा के 1929 से महावीर मंडल लगातार सांप्रदायिक सौहार्द के लिए आयोजन करती रही है। एक बेहतर समाज के निर्माण के लिये महावीर मंडल तत्पर रहेगी। महावीर मंडल के महामंत्री ललित ओझा ने राजधानी सहित झारखंड वासियों को मोहर्रम सद्भावना एवं भाईचारगी से मनाने के लिए मुस्लिम समाज और प्रशासन को बधाई दी। सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकीलुर्रहमान ने बताया कि मोहर्रम हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक रहा है। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। मुहर्रम के दौरान रांची की एकता देखने लायक होती है। यहां महावीर मंडल सहित कई सामाजिक संगठनों के लोग शामिल हुए। मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि रांची में शिया सुन्नी का कोई भेदभाव नहीं है। सब एकजुटता के साथ हर पर्व में साथ रहते हैं। और ये वो शहर है जहां हिंदू मुस्लिम के नफरत भी बहुत दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। यहां की एकता और अखंडता से देश के लोगों को सबक लेना चाहिए।

जुलूस का किया गया स्वागत

रांची। विभिन्न धार्मिक संगठनों ने अखाड़ों के खलीफा और पदाधिकारियों को पगड़ी, फूल माला पहनाकर और गले लगाकर स्वागत किया। अलग-अलग क्षेत्रों से निकली जुलूस मेन रोड, चर्च रोड, उर्दू लाइब्रेरी, टैक्सी स्टैंड, अलबर्ट एक्का चौक, शहीद चौक होते हुए महावीर चौक पहुंची। वहां से अपने निर्धारित मार्ग से कर्बला चौक स्थित कर्बला पहुंचा। वहां फातिहा पढ़ने के बाद रात के समय सारे जुलूस वापस लौट गये।

पत्रकार से अभद्र व्यवहार करने वाले राशिद रजा को हिदायत

रांची। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में रविवार को अनुशासन समिति की बैठक हुई। बैठक में अनुशासन समिति के अध्यक्ष बजेंद्र सिंह, सदस्य आनदि ब्रह्म, शमशेर आलम, संयोजक अमूल्य नीरज खालखो मौजूद थे। बैठक में पूरे राज्य के विभिन्न जिलों से अब तक प्राप्त अनुशासन से जुड़े शिकायतों पर समीक्षात्मक चर्चा की गयी। साथ ही धनबाद जिले के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा के ऊपर पत्रकारों के साथ मारपीट के लगे आरोप पर भी विचार विमर्श किया गया। अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह ने बताया कि धनबाद जिले के कार्यकारी अध्यक्ष के ऊपर लगे आरोप पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश द्वारा तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गयी थी इसका विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को प्राप्त हुआ है। उपरोक्त मामले पर प्रदेश अनुशासन समिति द्वारा धनबाद जिला कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था जिसका जवाब भी हमें प्राप्त हुआ है। बैठक में जांच कमेटी द्वारा प्राप्त रिपोर्ट और कारण बताओ नोटिस का जवाब का अवलोकन कर सभी बिंदुओं पर चर्चा उपरांत प्रदेश अनुशासन समिति द्वारा राशिद रजा द्वारा प्राप्त जवाब को स्वीकृत कर लिया गया।

कांग्रेस पार्टी की तुष्टीकरण नीति के खिलाफ खड़े हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा ने रविवार को प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों में पार्टी के प्रेरणा पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती मनायी। व्यक्तित्व और कृतित्व पर गोष्ठियां आयोजित की। धनबाद महानगर जिला द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक,विचारक, शिक्षाविद और राजनेता थे।

श्री मरांडी ने कहा कि राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए डॉ मुखर्जी ने अपनी जान की बाजी लगा दी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए बलिदान देने वाले वे पहले राजनेता थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की तुष्टीकरण की नीति का डॉ मुखर्जी ने सदा विरोध किया। वे दूरद्रष्टा थे। उन्होंने एक केंद्रीय उद्योग मंत्री के रूप ने देश के विकास में अपना बड़ा योगदान दिया। सिंदरी खाद कारखाना डॉ मुखर्जी की देन है। आजाद भारत में रियासतों के एकीकरण के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मजबूती प्रदान करने में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपनी महती भूमिका निभायी। पंडित नेहरू की हठधर्मिता के कारण जम्मू कश्मीर के लिए लागू 370 धारा के प्रबल विरोधी रहे। एक देश में वे दो देश नहीं देख सकते थे।

प्रदेश कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कुशल संगठनकर्ता थे। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में लागू दो विधान, दो निशान और दो प्रधान का विरोध करते हुए उन्होंने अपनी कुर्बानी दी।

देवशयनी एकादशी पर श्याम मंदिर में भक्तों की अपार भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में रविवार को देवशयनी एकादशी के विशेष दिन के अवसर पर सुबह 5 बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्तों की भीड़ लग गयी। सुबह के प्रातः कालीन श्रृंगार के बाद श्रृंगार आरती 8:30 बजे में भक्तगण अपनी अर्जी के साथ बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते हुए दिखे। भक्तों द्वारा चढ़ाई गई अर्जियों को श्याम मंदिर के आचार्य गण एक-एक करके बाबा श्याम के समक्ष रखते हैं। 12:15 बजे की विश्राम आरती के बाद 12:30 बजे मंदिर के पट लगा दिये गये। दोपहर के विश्राम के बाद मंत्री श्यामसुंदर शर्मा के सानिध्य मे बाबा श्याम का द्वितीय अनुपम संध्या श्रंगार किया गया। कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब पीला गुलाब रजनीगंधा तुलसीदल गुलबहार फूल सॉन्ग ऑफ इंडिया मोती की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम को अद्भुत रूप से सजाया गया। मंदिर के सभी

विग्रह एवं तैल चित्रों को भी फूलों के गजरे से सजाया गया। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। अरविंद संगीता सोमानी अभिषेक सूची सरावगी रौनक श्रुति पोद्दार ने संयुक्त रूप से खाटूनरेश की दिव्या अखंड ज्योति प्रज्वलित कर अखंड ज्योति में फल पेड़ा मेवा रबड़ी एवं मगहीपान अर्पित कर बाबा के आगे अपनी अर्जी लगायी। मुख्य भजनों में हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा... श्याम दीनानाथ कहाना छोड़ दो दिनों से अगर तुम्हें प्यार नहीं है... पर भक्तजन घंटों झूमते रहे। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, पूर्व अध्यक्ष गोपाल मुरारका, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया, अनुज मोदी, सलज अग्रवाल सोनू, अशोक शर्मा, साकेत ढांढनिया, दीपक पोद्दार, वेद भूषण, जैन किशन शर्मा, दिनेश अग्रवाल, रोशन खेमका, लोकेश जालान, आशुतोष खेतान, सर्वेश अग्रवाल, तनय काठपाल आदि सभी ने बाबा के दरबार में भजनों की हाजिरी लगाकर अपने आराध्य को मनाया। एकादशी संकीर्तन में भोग लगने के बाद मंदिर में आये सभी श्याम भक्तों को निरंतर प्रसाद का वितरण किया गया। देर रात्रि आरती के साथ एकादशी संकीर्तन का समापन किया गया।

रबड़ी प्रसाद सेवा अन्नपूर्णा सरावगी, फल प्रसाद सेवा श्याम भक्त गिरीगोला सेवा मुकेश मित्तल एवं श्याम भक्त मगही पान सुभाष रौनक पोद्दार एवं मुकेश बरनवाल, पंचमेवा भोग सेवा मनोज अग्रवाल केसरिया, पेडा सेवा स्मृतिशेष कमला प्रसाद, दलानिया खुशबू गर्ग, विशेष श्रृंगार सेवा अरविंद, संगीता सोमानी, अभिषेक, सूची सरावगी, रौनक श्रुति पोद्दार, नवीन बागा सेवा डॉ उषा, अधिवक्तागण श्याम जिज्ञासा नारसरिया द्वारा निवेदित की गयी। एकादशी संकीर्तन के अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, पूर्व अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, मंत्री श्यामसुंदर शर्मा, कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया, उपमंत्री अनिल नारनौली, राजेश ढानढनिया, रतन शर्मा, वेदभूषण जैन ने दरबार में हाजिरी लगायी।

सेवा जागरूकता मंच ने किया सेवा संस्थाओं को सम्मानित

हर व्यक्ति भारतीय संस्कृति का पोषक बने : गुरुशरण प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेवा भारती झारखंड के अंतर्गत सेवा जागरूकता मंच के तत्वावधान में रविवार को रांची के बिरसा चौक स्थित सेवा निकेतन सभागार में सेवा सम्मान कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। आगत अतिथियों का स्वागत परिचय सेवा जागरूकता मंच के महासचिव वीएन पांडेय ने किया एवं संस्था की विगत क्रिया कलाप एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 5 वर्षों से सामाजिक कार्यों को गति देने में मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर सेवा जागरूकता मंच के अध्यक्ष एवं सीसीएल के पूर्व सीएमडी गोपाल सिंह ने मंच के कार्य-उद्देश्य बताते हुए कहा कि सेवा जागरूकता मंच गैर राजनीतिक सेवा संगठन है। इसकी मूल भावना निस्वार्थ सेवा कार्य है। मंच के माध्यम से ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में सहयोग करना, युवाओं को कौशल युक्त बनाना, सेवा कार्य करने वाली संस्थाओं, व्यक्तियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित एवं प्रेरित करना मुख्य उद्देश्य है। मौक पर नेतरहाट विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ प्रसाद पासवान, डॉ विजय सिंह, ब्रिज किशोर पासवान ने भी अपना महत्वपूर्ण उद्गार व्यक्त किया।

सेवा सम्मान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि वंचित, अभावग्रस्त के विकास के लिए केवल सरकारी तंत्र पर भरोसा कर के बैठने से नहीं होगा। समाज को आगे आना होगा। सेवा कार्य के लिए मन का भाव होना चाहिए। सक्षम समाज और निर्बल समाज के बीच सेवा कार्य एक सेतु है। स्वयं जागकर लोगों को सेवा के प्रति जगाना है। समाज के प्रत्येक वर्ग को भारतीय संस्कृति का पोषक बनना है।

मौके पर रांची की 12 सेवा संस्थाओं - मुक्ति सेवा संस्था, शंख फाउन्डेशन, जन सरोकार, स्तंभ संस्था, सन्मार्गम फाउंडेशन, श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, मां शारदे मंच सहित व्यक्तिगत रूप से सेवा कार्य करने वाले 24 समाजसेवियों को सेवा जागरूकता मंच के पदाधिकारियों ने मोमेंटो एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सेवा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी सेवा गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी साझा किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन मंच के सदस्य व पूर्व आइजी शंभू ठाकुर ने दिया। इस अवसर पर एचइसी के पूर्व सीएमडी अभिजीत घोष, पूर्व डीजीपी निर्मल कौर, झारखंड प्रदूषण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एके मिश्र, मेकॉन लिमिटेड के पूर्व निदेशक श्याम टोरका, एसके राय सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नयी शिक्षा नीति का किया उल्लंघन

झारखंड के चार विश्वविद्यालयों ने इंटरमीडिएट में नामांकन जारी रखा

राजभवन ने जतायी आपत्ति, भेजा नोटिस

● विनोबा भावे विवि हजारीबाग, कोल्हान विवि चाईबासा, सिदो-कान्हू मुर्मू विवि दुमका और नीलांबर-पीतांबर विवि मेदिनीनगर को दिया गया है नोटिस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के 4 विश्वविद्यालयों में इंटरमीडिएट में नामांकन जारी रखने को लेकर राजभवन ने गंभीर आपत्ति जतायी है। इस संबंध में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका और नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर को राजभवन की ओर से नोटिस जारी किया गया है। राज्यपाल सचिवालय की संयुक्त सचिव अर्चना मेहता ने सभी संबंधित विश्वविद्यालयों से यह स्पष्ट करने को कहा है कि जब नयी शिक्षा नीति (एनइपी -2020) के तहत कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद करने का निर्देश पहले ही जारी किया जा चुका है, तो फिर 2025-27 शैक्षणिक सत्र में इंटरमीडिएट में नामांकन क्यों लिया जा रहा है।

राजभवन के नोटिस के बाद विश्वविद्यालयों ने भी तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने अपने सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है। अन्य विश्वविद्यालयों ने भी कॉलेजों से जानकारी मांगी है कि किस कॉलेज में इंटर का नामांकन लिया जा रहा है और क्यों। बता दें कि नयी शिक्षा नीति 2020 के तहत, कॉलेज स्तर की शिक्षा केवल स्नातक और स्नातकोत्तर तक सीमित रहनी चाहिये, जबकि इंटर की पढ़ाई केवल प्लस टू स्कूलों या मान्यता प्राप्त इंटर कॉलेजों में होनी है। इसके बावजूद चारों विश्वविद्यालयों द्वारा इंटरमीडिएट में नामांकन लिए जाने की खबरें सामने आ रही हैं, जिसे नीति के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। राजभवन ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। पत्र में यह भी कहा गया है कि यदि इंटर में नामांकन जारी रहता है तो नयी शिक्षा नीति को लागू करने में बाधा उत्पन्न होती है, और ऐसी स्थिति में कार्रवाई भी की जा सकती है। शिक्षा विभाग ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि कॉलेजों में चल रहे इंटर सत्र 2024-26 के छात्रों को वैकल्पिक प्लस टू स्कूलों में शिफ्ट किया जायेगा। इसके लिए विभाग स्थापना स्वीकृति प्राप्त विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर चुका है।

पर्यावरण दिवस पर पासवा ने पौधरोपण अभियान शुरू किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे के दिशा-निर्देश पर झारखंड में वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के तहत पासवा द्वारा 50 लाख वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने पासवा के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को इस अभियान में जोड़ने से झारखंड में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पासवा का यह अभियान निश्चित रूप से सराहनीय है और झारखंड के पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ पासवा ने जंग प्रारंभ कर दिया है और झारखंड में 50 लाख वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों के बच्चे अपने घरों में पौधारोपण कर और विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से समाज को जागरूक करेंगे।

पासवा द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से भी पर्यावरण जागरूकता का संदेश फैलाया जायेगा। पासवा के वॉलिंटियर विशाल सिंह ने कहा कि एक वृक्ष नहीं, एक भविष्य लगाइए और झारखंड में 50 लाख पौधों का संकल्प केवल एक संख्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवनदायिनी सौगात है।

पासवा का संकल्प

- **पासवा के वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य झारखंड में पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन करना है।**
- **इस अभियान में झारखंड के 47 हजार से अधिक निजी विद्यालय भाग लेंगे और प्रत्येक विद्यालय में पौधारोपण किया जायेगा।**
- **स्कूली बच्चे अपने घरों में एक-एक वृक्ष लगाकर और विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता पेंटिंग प्रदर्शनी, स्लोगन प्रतियोगिता और लेखन प्रतियोगिता आयोजित कर समाज को जागरूकता का संदेश देंगे।**

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 07 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

टूटा तिलिस्म : बर्मिंघम में इंडिया ने 58 साल में पहली जीत दर्ज की

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया, आकाशदीप-10 विकेट, गिल-430 रन

एजेंसी

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गयी है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गयी। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम ने बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा और एजबेस्टन में तिरंगा लहरा दिया। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिये। दूसरे सत्र में बाकी बचे चार विकेट गिरे। भारत के लिए आकाश दीप ने 6, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया।

भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाये थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गयी। भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाये। कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच की दोनों पारियों में मिला कर 430 रन बनाये, जबकि आकाश दीप ने 10 विकेट झटके।

गिल बर्मिंघम में जीत दर्ज करने वाले पहले एशियाई कप्तान : भारत को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर और नए टेस्ट कप्तान गिल को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। लेकिन गिल ने हार नहीं मानी और इंग्लैंड के गढ़ कहे जाने वाले एजबेस्टन में जीत हासिल कर सीरीज में मजबूत वापसी की। गिल के नेतृत्व में भारत को पहली बार टेस्ट में जीत मिली। गिल एशिया के पहले कप्तान हैं जिन्होंने इंग्लैंड को बर्मिंघम में मात दी है।

भारत की विदेश में सबसे बड़ी टेस्ट जीत

भारत की यह विदेश में रनों के लिहाज से टेस्ट में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नॉर्थ साउंड में 318 रनों से मैच जीता था। वहीं, रनों के लिहाज से टेस्ट में ओवरऑल उसकी चौथी बड़ी जीत है। गिल को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है।

डब्ल्यूटीसी में चौथे स्थान पर पहुंचा भारत

इस जीत के साथ भारत डब्ल्यूटीसी के नए चक्र (2025-27) की अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। दो मैचों में पहली जीत के साथ उसके खाते में 12 अंक हो गए हैं और अंक प्रतिशत 50 का है। वहीं, इंग्लैंड इस हार के साथ 12 अंक और 50 अंक प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गया। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया 12 अंक और 100 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है जबकि श्रीलंका और बांग्लादेश क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद छठे स्थान पर मौजूद है।

महत्वपूर्ण खबरें

गृहमंत्री अमित शाह 10 जुलाई को रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होंगे

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 10 जुलाई को झारखंड की राजधानी रांची आ रहे हैं। गृहमंत्री उस दिन रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होंगे। इस मौके पर 2023 परिषद में 26वीं बैठक के लिए निर्णय लिये जायेंगे। साथ ही उस पर की गयी कार्रवाइयों की समीक्षा करने के साथ उस पर चर्चा भी करेंगे।

इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के विद्यार्थियों का लगा लीगल एड कैंप

रांची (आजाद सिपाही)। इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, रांची यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने रविवार को जगन्नाथपुर धुर्वा में लीगल एड कैंप का आयोजन किया, जो 3 दिवसीय फॉलो अप प्रोग्राम का आखिरी दिन था। इस कैंप में विद्यार्थियों ने जरूरतमंदों को उचित कानूनी सलाह और सहायता प्रदान की। कैंप में मुख्य रूप से भू-दान की भूमि का विवाद, तलाक, घरेलू हिंसा आदि के मामले आये, जिसमें विद्यार्थियों ने जरूरतमंदों को उचित कार्यवाही की सलाह देते हुए भविष्य में कोर्ट में भी सहायता देने का आश्वासन दिया। यह कार्यक्रम पूर्व में 1 जून से 7 तक किये गये लीगल एड कैंप का फॉलो अप प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य गांव में जाकर जरूरतमंदों को उचित कानूनी सलाह और सहायता प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में अम्बेश चौबे, आर्यन, संजुक्ता, प्रकृति, स्वीकृति, सृष्टी ने अपना भरपूर योगदान देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

डोरंडा कॉलेज की एनएसएस इकाई ने नामकुम पंचायत में शिविर लगाया

रांची (आजाद सिपाही)। डोरंडा कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के पांचवें दिन नामकुम पंचायत के खिजरी गांव में ग्रामीण बच्चों के बीच चित्र, निबंध, नृत्य, खेलकूद आदि प्रतियोगितायें करायी गयी। सभी प्रतियोगितायें कार्यक्रम पदाधिकारीगण प्रो कंचन मुंडा, डॉ एमलिन केरकेट्टा, डॉ अलका, दिव्या तिग्गा की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस वॉलिंटियर्स अविनाश, जमील, रौनक, अंश, विपुल, अनुभव शामिल थे।

एकता बलिदान और इंसानियत की मिसाल है मुहर्रम : देवेंद्रनाथ महतो

रांची (आजाद सिपाही)। इस्लामिक कैलेंडर प्रथम महीने मोहर्रम को रांची में भव्य तरीके से मनाया गया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने महीने के आज 10वें दिन आसुरा मनाया। जेएलकेएम संगठन के बैनर से मेन रोड टैक्सी स्टैंड में भव्य स्टेज सजाया गया। मुख्य अतिथि संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो शामिल होकर विभिन्न जुलूस के खलीफा को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। बेहतर करतब दिखाने वाले को मोमेंटो से प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि मुहर्रम एकता बलिदान और इंसानियत की मिसाल है। मौके पर स्अल्पसंख्यक केंद्रीय अध्यक्ष आजाद हुसैन अंसारी, नौशाद आलम, अयूब अली, इरशाद आलम, अजहरुद्दीन आलम, मुदस्सिर नवाज, मोहसिन अंसारी, शाहिद अंसारी, संजय महतो मौजूद रहे।

बीआइटीटी पॉलिटेक्निक के छात्रों ने तैयार किया हाइड्रोलिक लिफ्ट का कार्यशील मॉडल

रांची (आजाद सिपाही)। बीआइटीटी पॉलिटेक्निक, रांची में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जुड़ गयी है। संस्थान के मैकेनिकल ब्रांच (द्वितीय वर्ष) के छात्रों ने हाइड्रोलिक सिस्टम पर आधारित वर्किंग मॉडल ऑफ हाइड्रोलिक लिफ्ट का सफल निर्माण किया है। इस नवाचार में छात्रों विकास कुमार प्रजापति, नयन कुमार गोरेन, कुमार राज, हरिओम, और प्रियांशु कुमार ने सिद्धांत और व्यवहारिक ज्ञान का समन्वय करते हुए एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जो कम लागत में उच्च दक्षता के साथ कार्य करता है। यह मॉडल द्रव दाब (हाइड्रोलिक प्रेशर) के सिद्धांत पर आधारित है और इसे औद्योगिक तथा शैक्षणिक दोनों उद्देश्यों के लिए उपयोगी बनाया गया है। इस उपलब्धि पर संस्थान के प्रभारी प्राचार्य कृष्णा कुमार महली ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल हमारे छात्रों की तकनीकी समझ और नवाचार क्षमता का परिचायक है। बीआईटीटी की चेयरपर्सन डॉ वंदना कुमारी एवं बीआइटीजी के चेयरमैन डॉ रंजीत कुमार ने छात्रों को बधाई दी। इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षकगण विनय कुमार सिंह (एडिशनल ग्रुप डायरेक्टर), अमित कुमार सिंह (रजिस्ट्रार), राहुल कुमार, दीपक कुमार, महावीर प्रसाद, अमित वशिष्ठ, मनीष कुमार, ज्योति शंकर, एके सिन्हा, सुरेंद्र सिंह, राम इश्वर राय, नेहा रानी, महावीर प्रसाद महतो, राजीव कुमार सिंह उपस्थित थे।

करमा परियोजना में चाल धंसने की घटना की जांच में उजागर हुई लापरवाही

कुजू जीएम, सिक्योरिटी इंचार्ज, सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/रामगढ़। सीसीएल कुजू प्रक्षेत्र में करमा परियोजना में चाल धंसने की घटना की जांच जिला प्रशासन द्वारा करायी गयी। इस जांच में यह स्पष्ट हो गया कि सीसीएल के पदाधिकारियों की लापरवाही की वजह से कोयला का अवैध खनन हो रहा था। इस दौरान चाल धंसा और चार ग्रामीणों की मौत हो गयी। सीसीएल अपने प्रक्षेत्र की सुरक्षा करने में ना सिर्फ नाकामयाब रहा, बल्कि उसके द्वारा लापरवाही भी बरती गयी। इस मामले में मांडू अंचल अधिकारी विमल कुमार सिंह के बयान पर कुजू जीएम, सिक्योरिटी इंचार्ज, सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कुजू ओपी में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि करमा सीसीएल प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट पदाधिकारी, प्रबंधक, महाप्रबंधक, सुरक्षा पदाधिकारी और सुरक्षाकर्मी के द्वारा मानकों का अनुपालन नहीं करने और करवाने में लापरवाही बरतने के कारण घटना घटित हुई है।

15 घंटे की वार्ता के बाद सीसीएल आश्रितों को दो-दो लाख देने पर सहमत

कुजू (आजाद सिपाही)। सीसीएल करमा कोलियरी की खुली खदान में अवैध कोयला खनन के दौरान चाल धंसने की घटना में मारे गये चार मजदूरों का शव के साथ पीओ कार्यालय गेट के सामने चल रहा धरना प्रदर्शन अंततः 15 घंटे बाद रात दो बजे समाप्त हुआ। एसडीएम अनुराग तिवारी और सीसीएल जीएम राजीव कुमार सिन्हा की अगुवाई में जारी वार्ता के दौरान घटना में मारे गये चारों मजदूरों के आश्रित परिवार को दो लाख रुपया की सहायता राशि और एक-एक आश्रित को छह माह के अंदर परियोजना के आउटसोर्सिंग में योग्यता के आधार पर वैकल्पिक रोजगार मुहैया कराने के आश्वासन के बाद सहमति बनी, जिसमें सहायता राशि के तौर पर मिलने वाले दो लाख में से एक लाख 70 हजार रुपये सीसीएल प्रबंधन की ओर से मुहैया कराया जायेगा, जबकि बाकी का तीस हजार रुपये प्रखंड प्रशासन की ओर से पारिवारिक पेंशन लाभ के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। प्रबंधन और ग्रामीणों की आपसी सहमति बाद कुजू पुलिस द्वारा तीनों शव को अपने कब्जे में

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इधर, रविवार को चारों शवों का अंतिम संस्कार अपने अपने रीति रिवाज के साथ किया गया है। वार्ता में प्रशासन व प्रबंधन की ओर से एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, सीओ विमल कुमार सिंह, पीओ रामेश्वर मुंडा, कोलियरी मैनेजर संजय सिंह, कार्मिक प्रबंधक अविनाश श्रीवास्तव, ग्रामीणों की ओर से जेएलकेएम समर्थक रूपा महतो, रवि कुमार महतो, लीलावती देवी, प्रभुदयाल महतो, पनेश्वर कुमार, झामुमो से मोहरलाल महतो, मुखिया खगेश्वर महतो, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, विवेक गुप्ता, भाजपा नेता संजय शाह, राजद नेता ललन यादव, जदयू नेता जगदीश महतो, राजू बेदिया, बुधन मांझी शामिल रहे।

चार की हुई थी मौत

कुजू ओपी में दर्ज प्राथमिकी 160/25 में कहा गया है कि जांच दल करमा स्थित सीसीएल प्रोजेक्ट ग्रामसुगिया, टोला महुआटुंगरी पहुंचा, तो पाया कि खदान में ग्रामीणों की भीड़ है। पुछताछ करने पर पता चला कि कुछ ग्रामीण कोयले का अवैध उत्खनन कर रहे थे। इस दौरान उपर से चाल गिर जाने के कारण मो इम्तियाज अंसारी, वकिल करमाली, निर्मल मुंडा, रामेश्वर मांझी की मृत्यु हो गयी है।

सावन में हर सोमवारी को अलग-अलग तरीकों से पहाड़ी बाबा की भव्य संध्या महाआरती होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के पहाड़ी मंदिर के प्रांगण में रविवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि हर साल की भांति इस साल भी रांची पहाड़ी बाबा की श्रावण के हर सोमवारी अलग-अलग तरीकों से भव्य संध्या महाआरती पहाड़ी बाबा के मुख्य द्वार पर की जायेगी।

आयोजक नंद किशोर सिंह चंदेल ने कहा कि यह लगातार चौथा वर्ष है जब पहाड़ी बाबा की श्रवण महीने में हर सोमवारी संध्या महाआरती पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर भव्य तरीकों से आयोजित होगी। इस बैठक में संध्या देवी, गीता देवी, सविता देवी, अमूल्य सिंह, विनय सिंह, टी के मुखर्जी, धनराज कुमार, जितेंद्र यादव, धीरज यादव, अमित राय, अविनाश कुमार, सागर कुमार सिंह, विकास सिंह, बिट्टू सिंह, प्रसिद्ध ओझा, सूर्यकांत सिंह, विक्रांत कुमार सिंह, सकलदीप सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कोकर दुर्गा पूजा समिति की बैठक में चंचल चटर्जी को पुनः अध्यक्ष चुना गया

रांची (आजाद सिपाही)। कोकर दुर्गा पूजा समिति की बैठक रविवार को एचबी रोड स्थित चंचल कांप्लेक्स में हुई। यह बैठक चंचल चटर्जी की अध्यक्षता में हुई। सर्व समिति से पुरानी कमेटी को भंग करके नयी कमेटी का गठन किया गया। इसमें चंचल चटर्जी को पुनः अध्यक्ष बनाया गया। कोकर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष चंचल चटर्जी ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी हम दुर्गा पुजा का आयोजन बडे भव्य तरीके से करेंगे। इस बैठक में मुख्य संरक्षक राजेश जायसवाल, कार्यकारणी अध्यक्ष नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष सानू सरकार और सभी पदाधिकारी हरि जयसवाल, धर्मेंद्र चौधरी, विक्की सिंह, सम्राट चटर्जी, गुड्डू सोनी, उत्तम दुबे, कुमार कौशल, संतोष शर्मा, अजय जायसवाल, शुभम सिंह और रोहित सिंह इत्यादि उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रोहित सिंह ने दी।

चामा गांव में खस्सी फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने विजेता चीता इलेवन खलारी को दिया खिताब

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के चामा पानी महुआ गांव में आयोजित जय सरना क्लब द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच चीता इलेवन खलारी बनाम पीएमपी मड़माडू रातू दोनों टीमों के बीच रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले में दोनों टीम शून्य शून्य पर रही, जिसका फैसला पेनल्टी शूटआउट में किया गया। इसमें चीता इलेवन खलारी ने 5/4 से टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। समापन मैच की शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल में किक मारकर की। उन्होंने कहा कि जय सरना क्लब चामा द्वारा आयोजित टूर्नामेंट क्षेत्र में फुटबॉल क्रान्ति लाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। टूर्नामेंट के विजेता और उपविजेता टीम को सन्नी टोप्पो ने अपने हाथों से सम्मानित करके पुरस्कृत किया। विजेता टीम को एक बड़ा खस्सी व इक्कीस हजार नकद और उपविजेता टीम को एक खस्सी एवं ग्यारह हजार नकद के साथ ट्रॉफी दिया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में अध्यक्ष सूरज देव मुंडा, उपाध्यक्ष लालू उरांव, सचिव कालेश्वर गंझू, कोषाध्यक्ष अजय उरांव, संरक्षक विश्वनाथ भगत मुखिया चामा पंचायत, दुखना उरांव मुखिया ताला पंचायत, बुधराम भगत, अरविंद सिंह बिजूपाड़ा मंडलअध्यक्ष, जमुना उरांव, वीरेंद्र उरांव, विष्णु उरांव, नंदलाल साहू,अनिल भगत, छोटू मुंडा, रामजीत भगत, अविनाश उरांव, राकेश भगत, कृष्णा उरांव, जगदीश भगत, धर्मेन्द्र उरांव, सूरज मुंडा, विश्वकर्मा मुंडा, अनिल उरांव, पुनई उरांव, सचिन शाही और गणेश उरांव आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डीपीएस रांची के छात्र शुभान शर्मा सम्मानित

रांची (आजाद सिपाही)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची मेधावी छात्र शुभान शर्मा ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (यूजी) 2025 में शानदार सफलता हासिल की है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा हाल ही में घोषित परिणामों में बताया गया कि देशभर से केवल 17 छात्रों ने तीन अलग-अलग विषयों में शत-प्रतिशत (100 पर्सेंटाइल) अंक प्राप्त किए हैं। इन चुनिंदा छात्रों में शुभान का नाम शामिल होना स्कूल के लिए अत्यंत गर्व की बात है। शुभान शर्मा ने इतिहास, पॉलिटिकल साइंस और समाजशास्त्र में 100 पर्सेंटाइल तथा अंग्रेजी में 99.99 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त कर सराहनीय प्रदर्शन किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि के उपलक्ष्य में उन्हें विद्यालय की प्राचार्य डॉ. जया चौहान द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. जया चौहान ने कहा कि शुभान की लगन, अनुशासन और सीखने की ललक सराहनीय है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

नाम परिवर्तन

मैं, इशिका सिंह, पिता श्री रोशन सिंह और माता श्रीमती बेबी सिंह, निवासी न्यू कॉलोनी, दुधीमाटी, कोडरमा, झारखंड। मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम कशिश भारती है, जबकि मेरे विद्यालय के दस्तावेजों और 10वीं की मार्कशीट पर मेरा नाम इशिका सिंह है। अब से मैं अपने सभी आधिकारिक दस्तावेजों और लेन–देन में इशिका सिंह नाम का उपयोग करूंगी और इसी नाम से जानी जाऊंगी। सभी संबंधित विभागों और व्यक्तियों से अनुरोध है कि मेरे नाम को इशिका सिंह के रूप में अद्यतन करें।

इशिका सिंह
निवासीः न्यू कॉलोनी, दुधीमाटी, कोडरमा, झारखंड

AFFIDAVIT

As per affidavit Series No. 23-24/ W1 11616 Dated : 05/07/2025 I, SUNIL YADAV, S/o Lalan Roy, Resident of Namkum khatal, Namkum, Ranchi, Jharkhand do hereby solemnly affirm and declare as follows:

1. That my name is SUNIL YADAV, which is mentioned in my Adhar Card, being Adhar No. is 3662 7929 2242.
2. That is my Driving Licence, being D.L. No. JH01 20070019960 my name is written as SUNIL KUMAR YADAV.
3. That SUNIL YADAV and SUNIL KUMAR YADAV is same and one person i.e. my name.
4. That my actual and correct name is SUNIL YADAV.
5. That I swear this affidavit for publication in Daily Newspaper, hence this affidavit.

sworn and signed on 5th July 2005 at Ranchi.

घोषणा–पत्र

घोषणा पत्र सं:1377 दिनांक:03/07/2025 के अनुसार मैं रीता सिन्हा (आधार संख्या 3090 5938 8907) उम्र 62 वर्ष पति स्व. रविन्द्र कुमार दिवाकर, पेशा-गृहणी, धर्म-हिन्दू,राष्ट्रीयता-भारतीय, वर्तमान निवासी ग्राम-पुराना बाजार टांड, कुजू, पोस्ट-कुजू, थाना-माडू, जिला-रामगढ़ (झारखण्ड) शपथ पूर्वक बयान करती हूँ कि :-

1. यह कि मैं ग्राम-पुराना बाजार टांड, कुजू पोस्ट-कुजू थाना-मांडू जिला-रामगढ़ (झारखण्ड) निवासी हूं।
2. यह कि मेरे पति की मृत्यु वर्ष 2018 में हो गई है मेरे दो पुत्र बड़ा जितेन्द्र कुमार सिन्हा उम्र:37-वर्ष छोटा संदीप कुमार सिन्हा उम्र 36 वर्ष है मेरे दोनों पुत्र विवाहित है और हमलोग सपरिवार साथ में निवास करते आ रहे थे।
3. यह कि मेरा छोटा पुत्र एवं छोटी पुत्रवधू शादी के कुछ दिनों के बाद से ही बराबर हमलोगो सपरिवार से बिना मतलब के ही लड़ाई-झगड़ा करते रहते हैं एवं परिवार का माहौल हमेशा खराब करने की कोशिश करते हैं और समझाने-बुझाने पर मुझे घर से निकाल देने की एवं कोर्ट में झूठा केश करने की धमकी देते है और वर्तमान में कुजू में किराये के मकान में रहते हैं एवं मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु मेरा सेवा वा देखभाल, सेवा सम्मान नहीं करते हैं मेरे एवं अन्य परिवार के साथ हमेशा दुर्व्यवहार करते है जिसमें हम सभी परिवार काफी परेशान हैं एवं दोनों पति-पत्नी को मेरे प्रति थोड़ा सा भी मान- सम्मान प्रतिष्ठा नहीं है मेरी बातों का हमेशा अनदेखा करते रहते इसलिए मैं अपने पुत्र और पुत्रवधु की चल एवं अचल सम्पति से बेदखल कर रही हूं।
4. यह कि आज दिनाक 03.07.2025 से मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु के इस तरह के व्यवहार को देखते हुये मेरा कोई भी संबंध या रिस्ता नाता अब अपने छोटे पुत्र एवं पुत्रवधु के साथ नहीं रहा ना ही आगे भविष्य में रहेगा तथा आज तिथि से उन दोनों के कर्टयों के निर्वहन से मुक्त करते हैं तथा मैं भी अपने को पुत्र के प्रति अपने कर्तव्यों से मुक्त करती हुं ।
5. यह कि आज दिनांक से मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु का कोई रिस्ता नाता एवं सम्बंध मेरे तथा मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से नहीं रहेगा ना ही खान पान रहेगा ना ही मेरे किसी तरह की कोई सम्बंध होगा और मेरे सुख-दुख, जीवन-मरण, बर-बिमारियों में हमारे पुत्र एवं पुत्रवधु को कोई सहभागिता नहीं रहेगी एवं मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु मेरे जीवन से कोई वास्ता नहीं रखेगा तथा किसी पर्व त्यौहार शादी-विवाह या किसी प्रकार के पारिवारीक उत्सव में मेरे घर एवं मेरे परिवार के अन्य सदस्यों के यहाँ आना-जाना, खाना-पीना में शामिल नहीं होगें, ना ही शामिल होने का अधिकार होगा।
6. यह कि मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु के द्वारा किये जाने वाले किसी भी कार्य से हमलोगों का तथा हमारे परिवार के सदस्यों का कोई मतलब या नाता नहीं होगा एवं कोई सरोकार नहीं रहेगा एवं मेरे व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ पारिवारिक समाजिक आर्थिक जीवन में अपने मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु की हस्तक्षेप नहीं होगी तथा मेरे घर में आने-जाने, रहने प्रवेश करने, खाने-पीने में पुर्णतः बंदिश रहेगा और एक माता के हैसियत के तौर पर हमारे हक हकियत अधिकार वाली चल-अचल सम्पति पर दावा दखल करने में मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु का पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा।
7. यह कि मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु के द्वारा किसी भी प्रकार की कोई विधि विरुद्ध कार्यों में संलिप्ता पायी जाती हैं या गैर कानूनी कार्यों को अंजाम दिया जाता है या कोई अपराधिक घटना कारित किया जाता है तो उसकी पूर्ण जिम्मेवारी मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु का होगा जिसमें मेरे एवं अन्य परिवार के किसी भी सदस्य कि जिम्मेवारी नहीं होगा।
8. यह कि इस बेदखली घोषणा पत्र पर में स्व-विवेक से अपने हित-अहित को सोच-समझ कर दस्तावेज तैयार की हुं।
9. यह कि इस घोषणा पत्र में वर्णित सभी तथ्य एवं विवरण मेरे कथनानुसार लिखी गयी है जो सही एवं सत्य है।
10. यह कि इस घोषणा पत्र में उल्लेखित सभी बातों को सही एवं सत्य पाकर मैं गवाहनों के समक्ष अपना हस्ताक्षर अगूठा निशान बनाया ताकि समय पर काम आवे।

नकली दवाओं का धंधा

भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निर्माता होने के कारण विश्व की फार्मेसी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं, परंतु अब इनमें मिलावट का धंधा शुरू हो गया है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) के अनुसार भारत में बनी 25 प्रतिशत दवाएं नकली या घटिया हैं। बुखार, शूगर, ब्लड-प्रैशर व पेन-किलर और कैंसर तक की घटिया या नकली दवाएं बाजार में कई प्रसिद्ध स्वदेशी एवं विदेशी कंपनियों के नाम से बेची जा रही हैं। पिछले कुछ महीनों में पकड़ी गयी नकली दवाओं के चंद उदाहरण इस प्रकार से हैं : 4 जून को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर की नकली दवाएं बेचने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार करके उनसे लाखों रुपये मूल्य की कैंसर की नकली दवाएं बरामद कीं। आरोपी असली दवाओं की तुलना में बहुत कम कीमत पर नकली दवाएं बेचते थे तथा 1.5 से 2 लाख रुपये मूल्य तक कीमत वाली असली दवाओं के नाम से बनायी नकली दवाएं 50-70 हजार रुपयों में उपलब्ध करवाते थे। 7 जून को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर की नकली दवाओं की सप्लाई करने वाले गिरोह में शामिल 2 आरोपियों नवदीप और कृष्ण कुमार को गिरफ्तार करके उनसे काफी मात्रा में नकली, इंपोर्टेड, गैर-रजिस्टर्ड व नॉट फॉर सेल इन इंडिया वाली कैंसर की दवाएं बरामद कीं। 28 जून को दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने एक प्रसिद्ध दवा निर्माता कंपनी की नकली दवा बेचने वाले नैटवर्क का भंडाफोड़ करके बड़ी मात्रा में कोलैस्ट्रोल को नियंत्रित करने वाली नकली दवाएं जब्त कीं। 28 जून को ही देहरादून में ब्रांडेड एवं प्रतिष्ठिद्दत दवाइयों की कंपनी की दवाओं के नाम से नकली दवाइयां बनाने वाले गिरोह के सरगना संतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया। 28 जून को ही हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले की 33, सिरमौर की 9 और ऊना जिले की 3 दवा बनाने वाली कंपनियों के सैंपल फेल होने की जानकारी दी गयी। उल्लेखनीय है कि देश में जुलाई, 2024 से जून, 2025 के बीच दवाओं के कुल 1324 सैम्पल फेल हुए हैं, जिनमें हिमाचल का आंकड़ा 373 है। 29 जून को हरिद्वार में पुलिस ने छापेमारी करके ब्रांडेड दवा कंपनियों के नाम पर नकली दवाएं बनाने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 30 जून को भिवाड़ी में नकली दवाएं बनाने और कई राज्यों में बेचने के आरोप में नवीन बंसल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। नकली दवाओं के ये निर्माता और विक्रेता न सिर्फ धन के लालच में लोगों की जान को खतरे में डाल रहे हैं, बल्कि दूसरे देशों में भारत की बदनामी का कारण भी बन रहे हैं।

नकली दवाओं के ये निर्माता और विक्रेता न सिर्फ धन के लालच में लोगों की जान को खतरे में डाल रहे हैं, बल्कि दूसरे देशों में भारत की बदनामी का कारण भी बन रहे हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

पुलिस स्टेशनों और मालखानों में ये वाहन वर्षों तक सड़ते रहते हैं, जिससे न केवल जगह की कमी होती है, बल्कि यह व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर करता है। भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 102 के तहत पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने का अधिकार है, जो अपराध से संबंधित हों। इन वाहनों को मालखाने या पुलिस स्टेशन के परिसर में रखा जाता है, जब तक कि मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। हालांकि, सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया अक्सर लंबी चलती है।

पुलिस स्टेशनों में सड़ते वाहनों की समस्या

रजनीश कपूर

भारत में अपराधों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में वाहन अक्सर महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। कार, मोटरसाइकिल, ट्रक या अन्य साधन अपराध के दृश्य का एक अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। पुलिस द्वारा इन वाहनों को जब्त कर लिया जाता है और साक्ष्य के रूप में अदालत में पेश किया जाता है।

हालांकि, इन जब्त वाहनों का प्रबंधन और रखरखाव एक ऐसी समस्या बन चुका है, जो न केवल पुलिस प्रशासन के लिए सिरदर्द है, बल्कि पर्यावरण, संसाधनों और सामाजिक दृष्टिकोण से भी एक गंभीर चुनौती बन गया है। पुलिस स्टेशनों और मालखानों में ये वाहन वर्षों तक सड़ते रहते हैं, जिससे न केवल जगह की कमी होती है, बल्कि यह व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर करता है। भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 102 के तहत पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने का अधिकार है, जो अपराध से संबंधित हों। इन वाहनों को मालखाने या पुलिस स्टेशन के परिसर में रखा जाता है, जब तक कि मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती।

हालांकि, सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया अक्सर लंबी चलती है। कई मामलों में, सुनवाई में वर्षों लग जाते हैं और इस दौरान जब्त वाहन पुलिस स्टेशनों में खड़े रहते हैं।

बारिश, धूप और धूल के संपर्क में रहने के कारण ये वाहन खराब हो जाते हैं और धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक इससे भारत को हर साल लगभग 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो जाता है

कई मामलों में, ये वाहन उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति होते हैं, जो शायद निर्दोष हों या जिनके खिलाफ कोई ठोस सबूत न मिले। उदाहरण के लिए, एक ऑटो-रिक्शा चालक या टैक्सी ड्राइवर के लिए उसका वाहन उसकी आजीविका का मुख्य साधन होता है। जब ऐसे वाहन लंबे समय तक पुलिस हिरासत में रहते हैं, तो मालिक की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। यह सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है, क्योंकि अधिकांश प्रभावित लोग निम्न या मध्यम वर्ग से होते हैं। इसके अलावा, पुलिस स्टेशनों के बाहर खड़े वाहन अक्सर आस-पास के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। ये वाहन सड़कों को अवरुद्ध करते हैं, पार्किंग की समस्या पैदा करते हैं और कई बार असामाजिक तत्वों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं। ऐसा देखा गया है कि वाहनों के महत्वपूर्ण हिस्से, जैसे बैटरी, टायर या इंजन के पुर्जे गायब हो जाते हैं। यह न केवल भ्रष्टाचार को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ हो रही है, जो न्यायिक प्रक्रिया को कमजोर करता है।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण से, सड़ते वाहनों को रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाना चाहिए।

इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। पहला कदम यह हो सकता है कि वाहनों की जब्ती और रिहाई की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाये। प्रत्येक जब्त वाहन का रिकॉर्ड एक केंद्रीकृत डाटाबेस में दर्ज किया जाना चाहिए, जिसमें वाहन की स्थिति, जब्ती की तारीख और मामले की प्रगति की जानकारी हो।

इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। पहला कदम यह हो सकता है कि वाहनों की जब्ती और रिहाई की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाये। प्रत्येक जब्त वाहन का रिकॉर्ड एक केंद्रीकृत डाटाबेस में दर्ज किया जाना चाहिए, जिसमें वाहन की स्थिति, जब्ती की तारीख और मामले की प्रगति की जानकारी हो। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि वाहन अनावश्यक रूप से लंबे समय तक हिरासत में न रहे। दूसरा, फोरेंसिक जांच की प्रक्रिया को और तेज करना होगा। सरकार को क्षेत्रीय स्तर पर फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की स्थापना करनी चाहिए, ताकि जांच जल्दी पूरी हो सके। इसके साथ ही डिजिटल साक्ष्य, जैसे वाहन की तस्वीरें और 3डी स्कैन को अदालतों में स्वीकार करने की नीति बनानी चाहिए। इससे भौतिक वाहन को लंबे समय तक रखने की आवश्यकता कम होगी। जब वाहन साक्ष्य के रूप में उपयोग के लिए आवश्यक न हों, तो उनकी नीलामी या वैकल्पिक उपयोग की प्रक्रिया को तेज करना होगा। इसके अलावा, कुछ मामलों में जब्त वाहनों को सरकारी इस्तेमाल, जैसे पुलिस या आपातकालीन सेवाओं के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, बशर्ते वे कार्यशील स्थिति में हों।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण से, सड़ते वाहनों को रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाना चाहिए। इससे न केवल पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि यह आर्थिक अवसर भी पैदा करेगा। इसके साथ ही, इन वाहनों को सुरक्षित रखने की दृष्टि से हर जिले के स्तर पर एक बड़ा मालखाना होना चाहिए।

केवल एक समग्र दृष्टिकोण ही इस समस्या को जड़ से खत्म कर सकता है, जिससे यह भी सुनिश्चित होगा कि अपराध में शामिल वाहन न केवल न्याय प्रक्रिया में सहायक हों, बल्कि समाज और पर्यावरण पर भी बोझ न बनें।

कोल्हान की खबरें

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा मंत्री से मिला झामुमो का प्रतिनिधिमंडल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता प्रहलाद लोहरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से मुलाकात की।गौरतलब है कुछ दिन पूर्व झामुमो कार्यालय में मास्टर जी के द्वारा भुइयांडीह बस्ती स्थित नव प्राथमिक विद्यालय बाबुडिह लाल भट्ठा की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा गया था।रविवार को प्रहलाद लोहरा ने मंत्री रामदास सोरेन को स्कूल की समस्याओं से अवगत कराया।उन्होंने बताया विगत कई वर्षों से उक्त सरकारी विद्यालय में पढ़ाई अच्छी तरह से संचालित हो रही है, लेकिन कक्षाओं के लिए कमरे की संख्या अपर्याप्त है और शिक्षकों की भी कमी है। इस पर मंत्री श्री सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया बच्चों के भविष्य से कोई समझौता नहीं होगा और उनकी मांग को उचित मानते हुए जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री रामदास सोरेन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा भुइयांडीह बस्ती समेत पूरे पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के बस्तीवासियों को इस पहल से बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर नव प्राथमिक विद्यालय बाबुडिह लाल भट्ठा के अध्यक्ष सोनाराम सुन्डी,विद्यालय प्रभारी सत्यनारायण साव, जन प्रतिनिधि नन्द किशोर सिंह,विद्यालय के सदस्य खुशबू बोदरा और राधा लेयागी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस में चुनाव के लिए नामांकन समाप्त, वोटिंग 15 जुलाई से 15 अगस्त तक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव राकेश साहू ने पूर्वी सिंहभूम जिला युवा कांग्रेस चुनाव हेतु अपनी टीम के 27 सदस्यों का नामांकन कराया। जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए कंचन देवी और राहुल कुमार, घाटशिला विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए राहुल नाग, घाटशिला प्रखंड अध्यक्ष के लिए सुब्रतो पाल और साकची प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए रोहित शर्मा ने नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर पूर्व छात्र नेता परविंदर सिंह मौजूद रहे। राकेश साहू ने कहा वे स्वयं चुनाव में भाग नहीं ले रहे, लेकिन कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के प्रति अपनी निष्ठा के तहत जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक योग्य युवाओं को चुनाव में उतारा है। उन्होंने कहा सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को भी युवा कांग्रेस चुनाव में नई ऊर्जा और नए चेहरों को आगे लाना चाहिए। ताकि संगठन के साथ राहुल गांधी के हाथ मजबूत हों सके।वैसे नामांकन प्रक्रिया रविवार 6 जुलाई की शाम 5 बजे समाप्त हो गई। अब सदस्यता अभियान और वोटिंग की प्रक्रिया 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगी।

अर्जुन मुंडा ने टाटा-कांड्रा सरायकेला-चाईबासा टोल रोड की बदहाली पर जतायी नाराजगी

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। राज्य के पूर्व सीएम सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कोल्हान की लाइफ लाइन कहे जाने वाली टाटा-कांड्रा सरायकेला-चाईबासा टोल रोड की जर्जर हालत को लेकर नाराजगी जताई।रविवार को पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने चाईबासा मार्ग पर टोल प्लाजा पहुंचकर मैनेजर से वस्तुस्थिति की जानकारी ली। टोल प्रबंधन ने बताया जर्जर सड़क को लेकर जेआरडीसीएल को कई बार पत्राचार किया गया,लेकिन मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। बरसात में हालात और बदतर हो गए हैं और दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। पूर्व सीएम ने टोल मैनेजर से शिकायत की कॉपी मंगवाई और सवाल उठाया जब सड़क की मरम्मत ही नहीं हो रही तो आम जनता से टोल क्यों वसूला जा रहा। उन्होंने कहा इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया जाएगा। बताया जारहा है टोल रोड की जर्जर हालत से स्थानीय लोगो की परेशानी काफी बढ़ गई है। लगातार हो रही बारिश से गढ़े में जल जमाव के कारण सड़क दुर्घटना हो रही। हालांकि डीसी ने भी जेआरडीसीएल को सड़क मरम्मत के निर्देश दे चुके हैं। इसके अलावा जनकल्याण मोर्चा ने भी अनुमंडल न्यायालय में जनहित याचिका दायर की है। इसके बावजूद जिम्मेदार एजेंसी की लापरवाही जारी है।

यात्री वैन पलटने से 28 लोग घायल, कई गंभीर

चाईबासा/ सरायकेला (आजाद सिपाही)। पश्चिम सिंहभूम के पांड्रशाली ओपी थाना क्षेत्र के थोलको के पास यात्री भेंन पलटने से श्राद्ध कर्म में शामिल होने जा रहे 28 लोग बुरी तरह घायल हो गये। रविवार को सड़क दुर्घटना में घायल लोगो को स्थानीय लोग व पुलिस की सहयोग से तत्काल सरायकेला सदर अस्पताल लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार हादसे में 28 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 20 की हालत गंभीर बतायी जा रही है। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद जमशेदपुर रेफर कर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सभी लोग कुलुपटांगा गांव के रहने वाले हैं और श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने चाईबासा जा रहे थे।

भूतनाथ मंदिर में नि:शुल्क कांवर यात्रा का पंजीयन शुरू

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। सोनारी स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर में आगामी 25 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की नि:शुल्क कांवर यात्रा के लिए पंजीयन जोर-शोर से जारी है।रविवार को पंजीयन के दौरान शिव भक्तों ने हाथों में पोस्टर लेकर ह्यबोल बमह्ण के नारे लगाए।ह्यपहले आओ पहले पाओह्ण के आधार पर हो रहे पंजीयन में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। 18 वर्ष से कम और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का पंजीयन में रोक है। मौके पर मंदिर समिति ने सेवा संघ के संस्थापक विकास सिंह को अंगवस्त्र और पुष्पहार देकर स्वागत किया। विकास सिंह ने कहा 25 जुलाई से शुरू होने वाली यह यात्रा आठ दिनों तक चलेगी। करीब 1000 कांवरिए ट्रेन, गाड़ी और बसों से सुल्तानगंज जाएंगे, जहां उत्तर वाहिनी गंगा से जल लेकर पैदल बाबा नगरी प्रस्थान करेंगे।यात्रा मार्ग में धर्मशाला, टेंट, नाश्ता व भोजन की व्यवस्था की गई है। विकास सिंह ने श्रद्धालुओं से टॉर्च और थैला साथ रखने की अपील की।इस अवसर पर आशुतोष सिंह, कृष्णा सिंह, अरविंद महतो समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

टाटा स्टील ने वन महोत्सव पर किया पौधरोपण

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाटा स्टील ने वन महोत्सव 2025 के अवसर पर स्थानीय पत्रकारों के सहयोग से आईएसडब्ल्यूपी सी2 क्वार्टर के पास पौधारोपण अभियान चलाया। रविवार को अभियान में टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट कॉरपोरेट सर्विसेज डीबी सुन्दरा रामम ने पत्रकारों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। मौके पर उन्होंने कहा प्रकृति संरक्षण सभी नागरिकों और संस्थानों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर टाटा मेन हॉस्पिटल की जनरल मैनेजर मेडिकल सर्विसेज डॉ. विनीता सिंह और टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी समेत टाटा स्टील के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।अभियान के दौरान करीब 300 पौधे लगाए गए, जिससे हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरणीय जागरूकता को मजबूत करने का संदेश दिया गया। ग्रीनोवेशन स्टील और सस्टेनेबिलिटी मेल है इस पहल के तहत यह प्रयास पर्यावरणीय जिम्मेदारी को दर्शाता है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 124वीं जयंती पर साकची जैन भवन में भाजपा जमशेदपुर महानगर की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह, सांसद विद्युत वरण महतो,विधायक पूर्णिमा साहू, प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले समेत कई वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। मौके पर मुख्य वक्ता बालमुकुंद सहाय ने कहा डॉ मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, विचारधारा और बलिदान की मिसाल है। उन्होंने कश्मीर से परमिट सिस्टम हटाने और धारा 370 के उन्मूलन के लिए जीवन समर्पित किया। सांसद विद्युत वरण महतो और विधायक पूर्णिमा साहू ने भी डॉ. मुखर्जी के योगदान को याद करते हुए कहा उनके विचारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है।कार्यक्रम की अध्यक्षता बबुआ सिंह और संचालन संजीव सिंह ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरायकेला उपायुक्त ने गंजिया बैराज का किया औचक निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

गम्हरिया। सरायकेला डीसी नितिश कुमार सिंह ने गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत गंजिया बैराज का औचक निरीक्षण करते हुए सिंचाई परियोजना की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की।मौके पर डीसी ने डीप एरिगेशन प्रणाली से अधिकाधिक ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़कर किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। वही गंजिया बैराज क्षेत्र को संभावित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए संशोधित प्रस्ताव शीघ्र जिला मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने किसानों से संवाद कर पारंपरिक फसलों के साथ-साथ फल, फूल एवं सब्जियों की वाणिज्यिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया।उन्होंने आश्वासन दिया किसानों की उपज को उचित बाजार और लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए जिला प्रशासन ठोस कदम उठाएगा। भंडारण सुविधा सुदृढ़ करने के लिए कोल्ड स्टोरेज निर्माण की योजना पर भी काम किया जाएगा।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी गम्हरिया अभय कुमार द्विवेदी, सहायक अभियंता खरकई डिवीजन समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर का प्रथम जीर्णोद्धार वार्षिकोत्सव आज

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। लौहनगरी जमशेदपुर के केवल टाउन स्थित श्री श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर) का प्रथम जीर्णोद्धार वार्षिकोत्सव सोमवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जायेगा। सुबह 9 बजे से पूजन कार्य की शुरूआत विनोद पांडेय समेत 10 पुरोहित मिलकर कराएंगे।रविवार को जानकारी देते हुए मंदिर जीर्णोद्धार ट्रस्ट के संयोजक विधायक सरयू राय ने बताया जीर्णोद्धार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सभी देवी-देवताओं के समक्ष विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मोहर्रम आकर्षक ताजिया ने खींचा लोगों का ध्यान

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड क्षेत्रों में इस्लाम धर्म का महत्वपूर्ण त्योहार मोहर्रम रविवार को शांतिपूर्ण व आपसी भाईचारा के साथ संम्पन्न हो गया। प्रखंड के रारो, लवाही, जरही सहित अन्य इलाका में पारंपरिक तरीके से मोहर्रम की धूम रही। जबकि डंडई प्रखंड मुख्यालय के मेलानिया ढोडा में ताजिया मिलनी स्थल पर मिलनी को लेकर बड़े तादात में लोगों का भीड़ देखी गयी। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के बच्चे, बूढ़े, नौजवान व महिलाएं लोगों ने डीजे के साथ या हुसैन या अली के नारा लगाते हुए ताजिया के साथ मिलनी स्थल पर पहुंचे थे। उक्त मिलनी स्तर पर रारो, बैरियादामर, डंडई, बैलाझखडा, लवाही, गयाडीही ताजिया शामिल था। इसके पूर्व मुस्लिम समुदाय के द्वारा अपने अपने गांव में एक से बढ़कर एक ताजिया व इस्लामिक झंडा निकाला व चौक चौराहों पर लाठी-डंडा तलवार से एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज कालाबाजी का प्रदर्शन किया।वही मिलनी ढोंढा स्थान पर दूसरे गांवो से आये बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगो ने अपने अपने ताजिया को मिलान कराया। वहीं ताजिया मिलान के दौरान ऐतिहासिक ताजमहल, जमा मस्जिद का आकर्षक ताजिया देखने को मिला। वहीं रारो गांव में तैयार किये गये ताजिया की आकर्षक डिजाइन और बारीक कलाकारी ने लोगों को खासा प्रभावित किया। थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गयी थी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

भवनाथपुर में 'या हसन या हुसैन' के नारों के साथ मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में हजरत इनाम और इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मुहर्रम का पर्व पूरी श्रद्धा और शांति के साथ मनाया गया। अरसली उत्तरी, चौरासी, मकरी, पंडरिया और चपरी समेत विभिन्न गांवों में ताजिया, सिफाड़ और तिरंगा झंडा के साथ जुलूस निकाले गए। या हसना या हुसैन के नारों के साथ जुलूस में शामिल समुदाय के लोगों ने गम और सम्मान का इजहार किया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, मकरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि धनंजय साह, झामुमो जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम, मकरी के पूर्व मुखिया अब्दुला अंसारी, रीता देवी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अरविंद्र यादव, कुंदन ठाकुर, महताब आलम, जयराम, उल्फत अंसारी, शमशेर अंसारी, राजेंद्र पासवान, विजय रावत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनसंघ संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जयंती जिला कार्यालय में मनाया। कार्यक्रम के दौरान जनसंघ संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें जामुन नीम सहित अन्य कई फलदार वृक्ष लगाये गये। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने किया।

मौके पर कार्यक्रम प्रभारी प्रेम सिंह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देशहित में अपना पुरा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया था। देश जब आजाद हुआ तो जब पहली बार सरकार बनी तो उसमें कैबिनेट मंत्री भी रहे। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि देश में दो निशान दो विधान दो प्रधान नहीं चलेगा। जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है उन्होंने जम्मू कश्मीर को भारत से जोड़े रखने में अहम भूमिका निभाई थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ जुड़कर खुद को राष्ट्र के पुर्ननिर्माण में लग गए थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा गढ़वा जिला प्रभारी बिपिन बिहारी सिंह, लातेहार प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा, भाजपा नेता बिनय चौबे, विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष संजय ठाकुर, जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे, टिंकू गुप्ता, धनंजय गौड़, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता, अनशाद बाबु, अशोक विश्वकर्मा सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

रंका में मोहर्रम हुसैन के मातम के साथ संपन्न

रंका (आजाद सिपाही)। इमाम हुसैन, हसन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाये जाने वाला सिया मुसलमानों का त्योहार मुहर्रम अनुमंडल मुख्यालय सहित संपूर्ण थाना क्षेत्र में या हुसैन या अली के मातम के साथ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कंचनपुर अंजुमन कमेटी के सदर सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जैनुल्लाह अंसारी नेतृत्व में सर्वधर्म समभाव से ओतप्रोत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जैनुल्लाह अंसारी ने जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि देवेन्द्र नाथ तिवारी , राहुल तिवारी, मां दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष प्रेमशंकर तिवारी, भोला ठाकुर, मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार, बीडीसी शंकर राम आदि को गुलाबी गमछा पगड़ी बांध कर सम्मानित किया।

मोहर्रम पर्व को लेकर निकाला गया जुलूस

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। शहादत की याद में मुहर्रम पर्व को लेकर रविवार को मुख्यालय सहित विभिन्न गांवों में शांतिपूर्ण जुलूस निकाली गयी। जुलूस में फैजुल इस्लाम कमेटी विशुनपुरा, पतिहारी, पिपरी कला फैजुल मुशलमीन कमेटी, मधुरी अंजुमन कमेटी अमहर एवं नवाडीह, पतहरिया कमिटी द्वारा ताजिया जुलूस निकाली गयी। जुलूस में जिलापरिषद सदस्य शंभूराम चंद्रवंशी, ऐनुल अंसारी, मुन्ना अंसारी, लतीफ अंसारी, आलम बाबू, हसमत अंसारी, यासीन अंसारी, उलफत अंसारी, मुबारक अंसारी सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

शांतिपूर्ण तरीके मनाया गया मोहर्रम का पर्व

केतार (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में हसन और हुसैन की याद में मनाया जाना वाला पर्व मुहर्रम शांति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया गया। वहीं प्रखंड क्षेत्र के बेलाबार, नवाडीह, केतार, पाचा डूमर में भव्य तरीके से ताजिया जुलूस निकाला गया। विभिन्न गांव के ताजियाओं से मिलते हुए जुलूस कर्बला मैदान के पास पहुंचा। वहां विभिन्न हथियारों के साथ पारंपरिक युद्ध शैली का जीवंत प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के सदर शमीम अंसारी, मुखिया मूंगा साह, बीडीसी प्रतिनिधि इम्तेयाज अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम, समाजसेवी पंकज सिंह, पूर्व मुखिया अनील कुमार पासवान, मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, विमलेश पासवान, बबलू सिंह, छोटन सिंह,राजू सिंह, मेराजुद्दीन अंसारी, असीम अंसारी, अल्ताफ अंसारी समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य जन, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

मोहर्रम पर्व शांति और सौहार्द के साथ संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को मातम का पर्व मुहर्रम पहलाम शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कांडी, ढबरिया, सड़की, नैनाबार और पखनाहा से निकले ताजिया जुलूस का भव्य मिलान प्रखंड मुख्यालय में किया गया। वहीं हरिहरपुर, बत्तो खुर्द में भी तजिया का भव्य जुलुश निकला। इस अवसर पर राजकीयकृत जमा दो उच्च विद्यालय के खेल मैदान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी सह युवा समाजसेवी विकास दुबे थे। कार्यक्रम की शोभा जिला पार्षद प्रतिनिधि दिनेश कुमार, कांडी मुखिया विजय राम, कृषक मित्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष इमामुद्दीन खान, युवा समाजसेवी सह सड़की सदर बाबू खान, व पतरिया मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार की उपस्थिति ने बढ़ाई। प्रदर्शन के आधार पर सड़की को प्रथम, कांडी को द्वितीय और ढबरिया की कमेटी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को पंचायत समिति सदस्य ममता देवी के सौजन्य से शील्ड प्रदान की गयी।

मुहर्रम पर्व के अवसर पर कांडी अंचलाधिकारी राकेश सहाय ने प्रखंड क्षेत्र के सभी कर्बला का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी अविनाश राज ने बताया कि मुहर्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और किसी भी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली।

भवनाथपुर के जिरहुला टोला में जलजमाव से ग्रामीण परेशान, स्थायी समाधान की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र के बनसानी पंचायत के जिरहुला टोला में सड़क पर जलजमाव की गंभीर समस्या ने ग्रामीणों को परेशान कर रखा है। खासकर मुकेश मेहता के घर के सामने वाली मुख्य सड़क पर लगातार पानी भरने से लोगों की दैनिक आवाजाही बाधित हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हल्की बारिश के बाद भी सड़क पर पानी जमा हो जाता है, जिससे कीचड़ और फिसलन से दुर्घटना का खतरा बना रहता है साथ ही पानी निकासी नहीं होने से पानी से दुर्गंध भी आने लगा है।समस्या को लेकर ग्रामीणों ने प्रखण्ड प्रमुख शोभा देवी से मिलकर सड़क की ऊंचाई बढ़ाने और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक सड़क ऊंची नहीं की जायेगी, तब तक पानी का जमाव यूं ही बना रहेगा और समस्या बढ़ती जायेगी।

स्थानीय ग्रामीण गोरख ठाकुर, पंकज मेहता, अशोक मेहता, मिथलेश मेहता, मनोज मेहता, सुरेंद्र मेहता, रामकुमार मेहता, कृष्ण मेहता, मुकेश मेहता, नीतीश मेहता, भारत भूषण मेहता,अजीत यादव सहित कई अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की जल्द से जल्द जल जमाव समस्या का समाधान किया जाये, ताकि आने जाने मे हो रही दिक्कत से राहत मिल सके।

प्रखंड प्रमुख शोभा देवी ने कहा कि सड़क पर जल जमाव को लेकर सीओ से पहल करने को कहा था लेकिन पदाधिकारी द्वारा कुछ नहीं किया गया। सड़क पर जल जमाव को लेकर उपायुक्त को पत्र लिखेंगे।

मेराल में ताजिया, सिपड़, दुलदुल और अखाड़ा के साथ निकला भव्य जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल । हुसैन और हसन की याद में मनाया जाने वाला पर्व मुहर्रम मेराल प्रखंड में पारंपरिक व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पहलाम के साथ रविवार की शाम में संपन्न हो गया। प्रखंड मुख्यालय में विभिन्न टोलों से ताजिया, सिपड़, दुलदुल और अखाड़ा के साथ निकला गया भव्य जुलूस का मिलनी थाना चौक पर हुआ। इस दौरान नवयुवक हसन और हुसैन की याद में जमकर मातम किया। इसके बाद जुलूस नूरी मस्जिद चरका पत्थर पहुंचा जहां युवकों ने लाठी डंडा से पारंपरिक हैरतअंगेज कर्तव्य दिखाएं। देर शाम को जुलूस कर्बला में पहुंचकर समाप्त हुआ। इसी तरह लोवादाग, बाना, हासनदाग, तीसरटेटूका, चामा, दलेली, पचफेड़ी, ओखरगाड़ा सहित अन्य गांव में भी ताजिया, सीपड अखाड़ा के साथ मातमी जुलूस निकाला गया। ओखरगाड़ा के जुलूस में गढ़वा सदर एसडीओ संजय कुमार पांडे के पहुंचने पर मुहर्रम इंतजामिया कमेटी द्वारा उन्हें पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। जुलूस के दौरान कई जगहों पर समाजसेवी लोगों तथा मुहर्रम इंतजामिया कमेटी द्वारा शरबत, ठंडा पेयजल की व्यवस्था किया गया। प्रखंड मुख्यालय के जुलूस में मुख्य रूप से कारी कमालुद्दीन, अतहर अली, मौलाना यासीन, जफिर अंसारी, जहुर रंगसाज, महबूब अंसारी, नेजाम खान, असलम, मकसूद, सलीम, मुख्तार, कलाम अहमद, लतीफ अंसारी, सहित हजारों की संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे शामिल थे।

मेराल के बैगा का आकस्मिक निधन

मृतक की फाइल फोटो।

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के प्रसिद्ध मां शायर देवी धाम के पुजारी महावीर सिंह के पिता और मेराल के बैगा गोविंद सिंह का असामयिक निधन रविवार को दोपहर दो बजे हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही देवी धाम संचालन समिति के पदाधिकारीयों, धार्मिक श्रद्धालुओं, स्थानीय लोग उनके मेराल पुरानी बाजार स्थित घर पहुंच कर गहरा दुःख व्यक्त किया तथा परिजनों को ढांढस बंधाया। बता दें कि सरल स्वभाव के धनी गोविंद सिंह एकीकृत मेराल के पारंपरिक बैग थे जो गांव के आस्था का केंद्र डिहवार बाबा का भक्त और पुजारी थे। उनका अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा।

भवनाथपुर सब्जी बाजार में चोरी की घटना, दो लोग बने शिकार

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। रविवार को भवनाथपुर सब्जी बाजार में खरीदारी के दौरान अज्ञात पॉकेट मारो ने दो लोगों को अपना शिकार बना लिया। घटना के शिकार बने धनीमंडरा निवासी विजय कांत चौबे सब्जी खरीदने बाजार पहुंचे थे। भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोर ने उनके जेब से 6300 रुपये उड़ा लिये। चोरी की घटना का उन्हें तत्काल पता नहीं चला, लेकिन जब उन्होंने पैसे निकालने के लिए जेब टटोली, तो वह खाली थी। इसी प्रकार की एक अन्य घटना में बाजार में सब्जी खरीद रही एक महिला के पास से भी 1700 रुपये चोरी हो गये। महिला ने बताया कि बाजार में अचानक किसी ने उन्हें टक्कर मारी, जिसके बाद जब उन्होंने अपना पर्स देखा, तो उसमें से पैसे गायब थे। दोनों घटनाएं बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती हैं। भवनाथपुर सब्जी बाजार में सप्ताह में रविवार और बुधवार को को विशेष भीड़ होती है। समाचार लिखे जाने तक इस घटना को लेकर किसी भी प्रकार का आवेदन स्थानीय थाना में नही दिया गया है।

'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। भंडरिया जिला सहकारिता विभाग के निर्देश पर प्रखंड के लैंपस, पैक्स व भंडरिया प्रखंड स्तरीय कृषक उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड मे पिछले एक जुलाई से 6 जुलाई तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। इसी के तहत रविवार को भंडरिया प्रखंड स्तरीय कृषक उत्पादक सहकारी समिति कार्यालय परिसर में 'एक पेड मां के नाम' कार्यक्रम आयोजित कर समिति के सदस्यों एंव किसानों के द्वारा अनेकों प्रकार के फलदार, छायादार व इमारती लकडियों के पौधे लगाया गया तथा उसे सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित एफपीओ के कार्यकारिणी सदस्य अशोक प्रसाद केशरी व बीरेंद्र सिंह ने कहा कि एक पेड मां के नाम अभियान बहुत ही सकारात्मक पहल है। जिस प्रकार से आज प्रदुषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है वह हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में हर एक व्यक्ति को चाहिए कि वह कम से कम एक पौधा अवश्य लगायें और उसकी देखभाल भी करें। मौके पर अध्यक्ष देवानंद, उपाध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा, चंद्रशेखर सिंह सीइओ आलोक मुण्डा, सोनिया देवी, संतरा कुवंर खुशदिल कच्छप, तिलसफोर कच्छप आदि उपस्थित थे।

तीन महीने से राशन वितरण नहीं, ग्रामीणों में आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददताा

कांडी। प्रखंड क्षेत्र के पतरिया पंचायत अंतर्गत सड़की गांव में जनवितरण प्रणाली के डीलर प्रवेश बैठा द्वारा जून, जुलाई और अगस्त महीने का राशन वितरण अब तक लाभुकों के बीच नहीं किया गया है, जिससे गांव में आक्रोश का माहौल है। लाभुकों ने आरोप लगाया है कि डीलर ने दो महीने का अंगूठा भी लगवा लिया, फिर भी उन्हें राशन नहीं मिला। कार्डधारी अवधेश लाल, कमलेश कुमार सिन्हा, जूही सिन्हा, राजनाथ राम, हरिद्वार राम, राम नरेश पाण्डेय, सुरेश साव, नरेश साव, नरेश बैठा, जोखन राम व नंदु गुप्ता ने बताया कि तीन महीने से राशन नहीं मिला है, जबकि दो महीने का अंगूठा डीलर ने ले लिया है। इतना ही नहीं, एक महीने का चना दाल भी अब तक नहीं

प्रखंड कार्यालय कांडी।

बांटा गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि डीलर द्वारा तीनों महीनों का राशन कालाबाजारी कर दिया गया है। गोदाम प्रभारी राजू सिंह ने जानकारी दी कि 15 जून से पहले जून और जुलाई का राशन डीलर को भेज दिया गया था, जबकि 4 जुलाई को अगस्त का राशन भी पहुंचा दिया गया। केंद्र सरकार के निर्देश अनुसार तीनों महीनों का राशन एक साथ वितरण होना था, लेकिन अब तक वितरण नहीं किया गया। इस संबंध में डीलर प्रवेश बैठा ने कहा कि ₹मुझे 4 जुलाई को राशन मिला है। मैं कुछ दिनों से बीमार था, इस कारण वितरण नहीं कर सका। सोमवार से राशन वितरण शुरू कर दूंगा।₹ जविप्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष बृज मोहन मिश्रा ने इसे डीलर की बड़ी लापरवाही और मनमानी बताया। उन्होंने कहा कि 'राशन उठाव के बाद भी वितरण न करना गंभीर चूक है।'

पतरिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि 'यदि सोमवार से राशन वितरण शुरू नहीं किया गया तो संबंधित डीलर पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।' बीडीओ सह एमओ राकेश सहाय ने कहा कि अगर लाभुकों को राशन नहीं मिला है तो यह गंभीर मामला है। डीलर की भूमिका की जांच की जायेगी। यह गुनाह क्षम्य नहीं है, दोषी पर कार्रवाई होगी।

श्री रामलला मंदिर में पौधरोपण किया गया

आजाद सिपाहीसंवाददाता

गढ़वा। श्री रामलला मंदिर समिति और पर्यावरण परिवार गढ़वा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को श्री रामल्ला मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 50 से अधिक फलदार और छायादार पौधे लगाये गये।

पांच एकड़ भूभाग में फैले मंदिर परिसर में पीपल, बरगद, जामुन अमरूद, अर्जुन, आम, अशोक आदि के पौधे लगाये गये। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण का सीधा लगाव जीवन से है। पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। मंदिर समिति प्रत्येक वर्ष पौधारोपण का कार्य करती है। पेड़ पौधों से पूरा परिसर हराभरा दिख रहा है। वहीं यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पौधा लगाने की प्रेरणा भी मिलती है। सचिव धनंजय सिंह ने कहा कि आज का पौधारोपण कार्यक्रम पर्यावरण परिवार गढ़वा से सौजन्य से किया गया। पर्यावरण परिवार के संयोजक नितिन तिवारी ने पौधे उपलब्ध कराये थे। पर्यावरण परिवार के कई सदस्यों ने पौधारोपण में अग्रणीय भूमिका निभायी। इसके पूर्व भी पर्यावरण परिवार ने मंदिर परिसर में पौधारोपण किया था। आज वे पौधे वृक्ष का रूप धारण कर चुके हैं।

इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय, उपाध्यक्ष नंद कुमार गुप्ता, सुदर्शन सिंह, कोषाध्यक्ष धनंजय गोंड उर्फ डबल जी, विवाह प्रमुख किशोर सिंह, कार्यालय प्रमुख धनंजय ठाकुर, संरक्षक दिलीप कमलापुरी, श्यामा पांडेय, राजीव चौबे, पूनम कांस्यकर, पीके झा, पर्यावरण परिवार के अमित शुक्ला, गौतम ऋषि, बिपिन तिवारी, मुनमुन ऋषि, धर्मेंद्र उपाध्याय, मुस्कान आदि शामिल थे।

भाजपा कार्यालय खूंटी में मनायी गयी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

शिक्षा के अद्भुत संगम थे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी : ओमप्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। भाजपा के जिला कार्यालय में शनिवार को संगठन के प्रणेता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जब देश आजाद हुआ, तो अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल हुए। नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच हुए समझौते के पश्चात छह अप्रैल 1950 को उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। उस समय देश में पूंजीवाद और सामंतवाद दो ही विचारधारा चलती थी। डॉ मुखर्जी को लगा देश में राष्ट्रवाद का भी विचार चलना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक गुरु गोलवलकर से परामर्श लेकर डॉ मुखर्जी ने 21 अक्टूबर 1951 को राष्ट्रीय जनसंघ की स्थापना की। डॉ मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। संसद में अपने भाषण में उन्होंनें धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। डॉ मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिए 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। जेल में उनकी मृत्यु ने देश को हिलाकर रख दिया और परमिट सिस्टम समाप्त हो गया। उन्होंने कश्मीर को लेकर एक नारा दिया था, 'नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान' अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर से हटाने का संकल्प को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया। उन्होंने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शिक्षा का अद्भुत संगम थे। विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जटा शंकर पांडेय ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जनम संपन्न परिवार में जन्म हुआ था। हिन्दू महासभा के बैनर तले उन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संजय साहू ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष मदन मोहन गोप ने किया। कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत फलदार पौधा रोपण किया। जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम, जिला महामंत्री संजय साहू, जिला कोषाध्यक्ष प्रियांक भगत, जिला मीडिया सह प्रभारी महावीर राम, कर्रा मंडल अध्यक्ष कलिंदर राम, युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित साहू, कार्यालय मंत्री राजेश महतो, रूकमिला सारू, विनोद जयसवाल, राजू साहू, राजेश नाग, शशांक, सनिका सहित अनेक कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित थे।

डॉ मुखर्जी के विचार और उनका बलिदान सदैव हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा: सिन्नी

खलारी (आजाद सिपाही)। भाजपा खलारी मंडल की ओर से खलारी गुलजारबाग में जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल उपाध्यक्ष सन्नी सामड ने की। इस अवसर पर डॉ मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। भाजपा नेताओं ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने 'एक देश, एक निशान, एक विधान' के ध्येय को लेकर देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका विचार और बलिदान सदैव हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। सिन्नी समाड ने कहा कि एक देश, एक विधान के लिए डा मुखर्जी का बलिदान अमर रहेगा। रामसूरत यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार किया है। हमें उनके बताये रास्ते पर चलकर भारत को और मजबूत बनाना है। कार्यक्रम में जिप सदस्य सरस्वती देवी, भरत रजत, दिलीप पासवान, कुलदीप लोहार, प्रमोद प्रजापति, पंसस किरण देवी, राजेंद्र रजक, मुकेश कुमार सिंह, रंथु साहु समेत कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने युवक को बैल चोरी के आरोप में पकड़ा, थाना में मामला दर्ज

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के तुता पंचायत के डुमटांड़ में रविवार को ग्रामीणों ने एक युवक को बैल चोरी के आरोप में धर दबोचा। सूचना मिलते ही ईचागढ़ पुलिस गांव पहुंचे और ग्रामीणों के कब्जे से उसे मुक्त कर मामला दर्ज किया गया। पुलिस को वह अपना नाम रतन सिंह मुणं बताया। बताया जा रहा है कि डुमटांड़ के 7 पशुपालक किसानों का गाय, बछड़ा व बैल कुल 11 मवेशियों को गांव के ही रतन सिंह मुंडा एवं भीम सिंह मुंडा ने बुधवार को चोरी कर बंगाल के पशु व्यवसायियों को बेचा। पूर्व सांसद प्रतिनिधि विश्वनाथ उरांव ने बताया कि गाय, बैल सहित 11 मवेशियों का चोरी हो जाने पर पशुपालक किसानों ने पशु बाजार एवं बंगाल के पशु व्यवसायियों का घरों में देखा गया, तो एक सींदरी एवं 10 मवेशी रसुलडीह में देखा गया। उन्होंने कहा कि पुछताछ से पता चला कि 80 हजार रुपये में मवेशियों को रतन सिंह मुंडा द्वारा बेचा गया है। उन्होंने कहा कि रतन सिंह मुंडा गांव आने का सुचना मिलते ही ग्रामीणों ने घेर कर उसे दबोच लिया एवं ईचागढ़ पुलिस को कारवाई हेतु सौंप दिया गया। वहीं थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे ने बताया कि रतन सिंह मुंडा एवं भीम सिंह मुंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है एवं घटना के संबंध में पुछताछ किया जा रहा है।

अकीदत के साथ मनाया गया मुहर्रम

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ एवं कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र में अकीदत के साथ मुहर्रम पर्व मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के द्वारा रविवार को झांकी निकाली गयी एवं शाम को हजरत इमाम हुसैन एवं उनके छोटे बेटे हजरत अली असगर के याद में मातम मनाया। ईचागढ़ के आमड़ा व वनडीह तथा कुकड़ू प्रखंड के चौड़ा में जुलूस के साथ मातम भी मनाया गया। मौके पर ईचागढ बीडीओ एकता वर्मा,थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे, एसआई गुलसन भगत, विमलेश महतो, तिरूलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार सहित पुलिस प्रशासन उपस्थित थे।

रौनियार वैश्य समिति खूंटी की बैठक

खूंटी (आजाद सिपाही)। रौनियार वैश्य समिति खूंटी जिला की बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष राज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समिति के विकास कार्यों पर चर्चा की गयी तथा रौनियार समाज के विवाह योग्य बालक-बालिकाओं की सूची तैयार करने का निर्णय लिया गया। साथ ही एक वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा, ताकि वैवाहिक कारक्रम को सुलभ बनाया जा सके। बैठक में जिला समिति का विस्तार किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष के रूप में रामा साहू मुरहू , रणजीत प्रसाद गुप्ता मुरहू और प्रदीप कुमार गुप्ता मुरहू को बनाया गया। संगठन मंत्री के रूप में विकास कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, राजेश गुप्ता, हीरालाल गुप्ता और मनोज कुमार गुप्ता गुड्डू, मंत्री शशि भूषण गुप्ता, गोपाल गुप्ता बनाये गये। इनके अलावा कार्यकारिणी सदस्य भरत कुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता बबलू, रमेश गुप्ता को शामिल किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रावण महीने की प्रथम सोमवारी को महादेव मंडा में श्रृंगार पूजन पूरे समाज के तरफ से भव्य रूप में किया जाएगा। बैठक में मुरहू के दिलीप गुप्ता, अशोक गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने किया।

सीआरपीएफ की घुरती रथयात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

खूंटी (आजाद सिपाही)। सीआरपीएफ 94 बटालियन खूंटी द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का समापन शनिवार को घूरती रथ के साथ धूमधाम से हो गया। 10 दिनों के बाद भगवान जगन्नाथ सीआरपीएफ के मंदिर में फिर से विराजमान हो गये। घूरती रथ यात्रा शनिवार को मिश्रा टोली खूंटी स्थित दुर्गा मंदिर से शुरू होकर नेताजी चौक, भगत सिंह चौक, बाजार टांड़ होते हुए 94 बटालियन परिसर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठान के साथ भगवान श्री जगन्नाथ जी को पुनः विराजमान किया गया। घुरती रथ यात्रा में स्थानीय लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। रथयात्रा के उपरांत लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर विनोद कुमार कमांडेंट 94 बटालियन सीआरपीएफ, जयप्रकाश सिंह उप कमांडेंट, डॉ विनय कुमार यादव चिकित्सा अधिकारी सूबेदार मेजर जीडी संजीव कुमार निरीक्षक जीडी अजीत कुमार ठाकुर के अलावा 94 बटालियन सीआरपीएफ के अन्य अधिकारी, जवान और स्थानीय नागरिकों की पूर्ण भागीदारी रही।

तोरपा में खुला इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी का शोरूम

खूंटी (आजाद सिपाही)। महंगाई व पर्यावरण को देखते हुए इन दिनों ईवी की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसको देखते हुए रविवार को तोरपा में भी स्कूटी शोरूम का उद्घाटन किया गया। संचालक एमपी सिंह ने बतायां कि हम दुनिया की सबसे सस्ती स्कूटी लेकर आयें है। इसमें एक बार के फूल चार्ज में साठ किलोमीटर तक स्कूटी चलेगी। चाबी के अलावा रिमोट व चीप सिस्टम भी है। वैक गियर चार्जर पोइंट डिस ब्रेक स्कूटी में मौजूद है। यह कई रेंगों में उपलब्ध है। बजाज कार्ड के माध्यम से फाईनेंस की भी सुविधा ग्राहको को दी जायेगी। साथ में ईलेक्ट्रोनिक ई रिक्शा का भी रेंज रखा गया है।

सिविल सोसाइटी खलारी-डकरा के शिविर में 61 लोगों ने किया रक्तदान

खलारी (आजाद सिपाही)। रक्तदान के क्षेत्र में सिविल सोसायटी खलारी-डकरा के लोग अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं जिससे सीख लेने की जरूरत है। उक्त बातें एनके एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने कही। वे रविवार को डकरा अस्पताल में रक्तदान शिविर के उदघाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति एसा उत्साह प्रशंसनीय है और सभी रक्तदाता साधुवाद के पात्र हैं। रांची के सदर अस्पताल में इलाजरत थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सहायतार्थ यह 26वां शिविर सिविल सोसायटी खलारी-डकरा द्वारा लगाया गया था। इसके पहले महाप्रबंधक ने फीता खोलकर शिविर का उद्घाटन किया एवं उपवास में रहते हुए स्वयं रक्तदान कर लोगों को इसके लिए प्रेरित किया। शिविर में कुल 61 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में एनके प्रबंधन, जॉय माइनिंग, सीआईएसएफ, खलारी इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो, सीओ प्रणव अंबष्ट, बीडीओ संतोष कुमार सिंह, श्रमिक नेता विनय सिंह मानकी, प्रेम कुमार, हरेंद्र सिंह, कृष्णा चैहान, व्यवसायी संघ के सुशील अग्रवाल, शत्रुंजय सिंह, बलबीर सिंह आदि ने सहयोग किया। इस अवसर पर अवसर पर डा.प्रभा, भीमसेन प्रसाद, भरत रजक, रामकुमार, डब्लू, नितेश कुमार, अनुज कुमार, पंकज चैहान, राम सिंह, अजय, संतोष, विकास, विक्की आदि मौजूद थे।

मुरहू प्रखंड कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन, अजय बने अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर संगठन सृजन अभियान 2025 के तहत संगठन को कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में मुरहू प्रखंड कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन किया गया जिसमें सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष ने माला पहनाकर कर एवं नियुक्ति पत्र दे कर उनका स्वागत किया। प्रखंड समिति के नये पदाधिकारी इस प्रकार हैं प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार साहू, उपाध्यक्ष नेल्सन तिड़ू और, पीलुस बोदरा, महासचिव दाऊद कंडीर, करमेला सोय मुरूम, अंजु कुमारी, बिहारी राम, फिरोज खान, नामजन पूर्ति, इमानुएल नाग, विपिन मांझी, अंथोनी ओडेया, मंडल अध्यक्ष मुरहू पूर्वी बिनसाय मुंडा, मुरहू पश्चिमी आदित्य गंझू। मौके पर जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कांग्रेस की विचारधारा को नवनियुक्त पदाधिकारियों को बताया और संगठन को मजबूती प्रदान करने पर बल दिया और कहा कि कांग्रेस ही ऐसा संगठन है, जो सभी वर्गों को लेकर चलती है। आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो ने भी संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने और दिन रात संगठन के लिए काम करने की बात कही। पूर्व प्रखंड अध्यक्ष पौलुस पूर्ति के कार्यों को देखते हुए उन्हें जिला कमेटी में शामिल किया गया। मौके पर जिला ट्रेनिंग कॉऑर्डिनेटर अंजनी रंजन, प्रदेश सहकारिता विभाग के महासचिव नईमुद्दीन खां, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि मुरहू धर्मदास कंडीर, तलहा खां, अशोक महतो, सोनू, विमल आदि उपस्थित थे।

इमाम हुसैन की शहादत को याद कर लोगों ने मनाया मातम

पिपरवार मे तिरंगे के साथ निकाला गया मुहर्रम का मातमी और तजिया जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाको में मुहर्रम का त्योहार आपसी भाईचारगी व सादगी के साथ मनाया गया। इस मौके पर कोयलांचल के कई इलाको मे मुहर्रम का ताजिया और मातमी जुलूस निकाला गया। कोयलांचल के राय मदरसा से रविवार की दोपहर तिरंगे के साथ ताजिया जुलूस निकाला गया, जो पुरे क्षेत्र का भ्रमण किया। जुलूस राय बाजार होते हुए पुरानीराय पहुंचा, जहां राय और पुरानीराय अखाड़ा का मिलान हुआ। जुलूस में शामिल सभी लोगों ने हजरत ईमाम हुसैन की याद में मातम मनाया। इलाके का भ्रमण करने के बाद जुलुश राय बाजार पहुंचा, जहां खेल प्रतियोगिता का आगाज किया गया। इस मौके पर जुलफीकार अली, मुमताज अहमद, राजु खान, साबिर अंसारी, राजा खान, शहनावाज आलम, सादिक अंसारी, इरफान आलम, सोएब आलम, गुडडु अंसारी, पप्पू खान, अब्दाल अंसारी, महताब आलम, नासिर अंसारी, आमिर खान, सहित कई लोग मौजुद थे। इधर पिपरवार क्षेत्र के न्यु मंगरदाहा और कल्याणपूर मे भी मुहर्रम का मातमी जुलुश निकाला गया। जुलूश मे शामिल लोगो ने इमाम हुसैन के नारे लगाये।

खलारी में मुहर्रम का निकला मातमी जुलूस

खलारी में लाठी खेल का उद्घाटन करते अतिथि।

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी क्षेत्र में मुहर्रम का मातमी जुलूस निकाला गया। खलारी बैंक चैक पर इंसाफ की जंग में शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन साहेब व उनके समर्थकों की याद में निकाले गये जुलूस में क्षेत्र के कई अखाड़ो के लोग अपने-अपने निशान के साथ एकत्र हुए। अखाड़े की टीमें सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी द्वारा आयोजित शस्त्र एवं लाठी खेल प्रतियोगिता में भाग लिए। प्रतियोगिता का उद्घाटन खलारी थाना प्रभारी पुनि जयदीप टाप्पो व डॉ इरशाद ने फीता काटकर व लाठी भांजकर किया। जेहलीटांड़ से आया एकमात्र ताजिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। महिलाओं ने ताजिया पर सिरनी फातिया कराया। कमेटी द्वारा सभी प्रतिभागी टीम को छोटा-बड़ा डेग देकर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में हुटाप मोड़, छापरटोला, भूतनगर, मस्जिद मोहल्ला, जेहलीटांड, जी टाइप व खलारी बाजारटांड़ की टीमों ने भाग लिया। मंच संचालन कमेटी के सचिव इम्तियाज अंसारी व खेल का संचालन परवेज आलम ने किया। इस अवसर पर डा इरशाद, इकबाल अंसारी, इस्लाम अंसारी, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद बशीर, साबीर अंसारी, सुल्तान अंसारी, अब्दुल्ला अंसारी, जावेद अंसारी, राजा खान, खालिद अंसारी, मो मुश्ताक, असलम अंसारी, मो शहनवाज, मो जफरुद्दीन अंसारी, सलामत अंसारी, जाहिद अंसारी, परवेज अंसारी, तजमुल अंसारी, कादिर अंसारी, अनवर अंसारी, अकबर अंसारी, आमिर अंसारी, तौहीद अंसारी, सज्जाद अंसारी, इस्माइल, वाहिद, नसीम अंसारी, जहीर, सरताज, आशिक, अरशद, महफूज अंसारी सहित काफी संख्या में महिला, पुरूष व बच्चे उपस्थित थे।

जेआइआइटी एकेडमी कंप्यूटर सेंटर में दक्षता जांच परीक्षा आयोजित

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा रोड, खूंटी टोली स्थित जेआईआईटी एकेडमी कम्प्यूटर सेंटर में रविवार को छह और 12 माह का कंप्यूटर कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों की दक्षता जांच कें लिए परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेंटर संचालक बिरेंद्र नाग ने कंप्यूटर परीक्षा में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और परीक्षा की महत्ता के बारे में समझाया। निदेशिका बुलबुल आईच ने कहा कि परीक्षा लेने का मकसद यह है कि जो विद्यार्थी कमजोर हैं उनको चिह्नित करके फिर से निःशुल्क कंप्यूटर पढ़ाया जायेगा। बताया गया कि न्यूनतम शूल्क में डिप्लोमा कोर्स के बाद विद्यार्थियों के लिए और भी कई कोर्स हैं, जैसे एक वर्ष का एडवांस डिप्लोमा कोर्स, डीटीपी, प्रोग्रामिंग, कार्यालय कार्य से संबंधित, इंटरनेट, कार्यालय सहायक कोर्स, हिन्दी/अंग्रेजी टाईपिंग, फोटोशॉप, टैली आदि। हमेशा की तरह पढ़ने में इच्छुक अनाथ, असहाय, आर्थिक रुप से कमजोर एवं विकलांग विद्यार्थियों को मुफ्त में पढ़ाया जायेगा। मौके पर शिक्षिका मोनी रानी, रोजलिन, अभिनव कुमार, पूर्वी रानी, गणेश स्वांसी आदि उपस्थित थे।

12 वर्षों से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे हैं रंगारोंग गांव के तीन परिवार

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के मारंगहदा थाना अंतर्गत बिचगुटु गांव के टोला रांगरोंग के तीन परिवार पांडू मुंडा, सागू मुंडा और जागदा नाग विगत कई वर्षों से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे हैं। उनके साथ गांव वाले खाना-पीना, शादी विवाह एवं अन्य कार्यों में साथ नहीं देने का फरमान जारी किया है। ये तीनों परिवार पूरी तरह गांव में सभी तरह के सहयोग से वंचित हो चुके हैं। तीनों परिवार की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। एक तरफ गरीबी, अशिक्षा जैसी समस्याओं से परिवार जूझ रहे हैं और दूसरी तरफ सामाजिक उत्पीड़न का दंश झेल रहे है। बहिष्कृत पांडू मुंडा कहते हैं कि हमारा परिवार विगत 12 -13 वर्षों से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहा है। कारण महज धरती आबा बिरसा मुंडा के पद चिह्नों चल कर पूजा अनुष्ठानों में बलि देना व हंडिया-दारु का त्याग करना है।. जगदा नाग कहती हैं कि उनके परिवार को डायन बिसाही का आरोप लगा कर आर्थिक रूप से दंडित किया गया और जुमार्ना देने में असमर्थ होने पर सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। वह बताती है कि उनके नाम से सरकारी आवास मिला है. जब उन्होंने घर बनाना शुरू किया, तो उसे भी तोड़ दिया गया और घर बनाने से भी रोका गया। रविवार को समाज कें कुछ लोगों ने वहिष्कृत परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर सांव मदद देने का भरोसा दिया। मौके पर मथुरा कंडीर, विश्राम टूटी, राम मुंडा, बगराय मुंडा, बुधराम सिंह मुंडा, नारण सिंह टोपनो, किशुन मुंडा, मानसा मुंडा, सुगना पहन, मांगरा डोडराय, सोमा मुंडा, मधु कंडीर आदि उपस्थित थे।

रनिया में सर्प दंश से दस वर्षीय बच्चे की मौत

खूंटी (आजाद सिपाही)। रनिया थाना क्षेत्र के सोदे रायसोम गांव में रविवार को तड़कें लगभग तीन बजे सर्प दंश से दस वर्षीय बच्चे अंकित बंडिंग की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, सोदे रायसोम गांव निवासी चोयता बडिंग का पुत्र अंकित बडिंग रात को अपने माता-पिता के साथ भोजन करने के बाद जमीन पर सो रहा था। उसी दौरान रात्रि करीब एक बजे एक करैत सांप ने उसे कान पर डस लिया। परिजन तत्काल अंकित को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया लेकर पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार, अस्पताल पहुंचने तक अंकित होश में था और सामान्य बातचीत कर रहा था, लेकिन इलाज के क्रम में रविवार तड़के करीब तीन बजे उसकी मौत हो गयी। अंकित कराकेल स्थित प्राथमिक विद्यालय का छात्र था।

अशोका पीट ऑफिस और वर्कशॉप में पिपरवार संयुक्त मोर्चा ने की गेट मीटिंग

9 जुलाई को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का किया आह्वान

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा के द्वारा आगामी 9 जुलाई की हड़ताल को सफल बनाने के लिए संयुक्त अध्यक्ष मंडली के द्वारा अशोक परियोजना के पीट ऑफिस एवं वर्कशॉप कार्यालय में जोरदार गेट मीटिंग की गयी। सभा का संचालन इस्लाम अंसारी ने किया। सभा को संयुक्त मोर्चा के सभी नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि चार लेबर कोड मजदूरों को गुलामी प्रथा में धकेलने वाला काला कानून है। यह लेबर कोड पूंजीपतियों के दबाव में बनाया गया है। लोकसभा से पास कराया गया है और राज सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है कि वह इसके नियम बनाकर इसे लागू करें। इसको हमें हर हाल में रोकना होगा और इसके लिए लड़ाई की पहले कड़ी में 9 जुलाई की हड़ताल है, जिसे सफल बनाना है। इस हड़ताल को केंद्रीय संगठन,स्वतंत्र संगठन, फेडरेशन, संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार राज्य में महागठबंधन एवं झारखंड में भी जेएमएम, सीपीआई एवं विस्थापित मोर्चा का समर्थन प्राप्त है। इसलिए एकजुटता का परिचय देते हुए 9 जुलाई के हड़ताल को ऐतिहासिक हड़ताल बनाना है। सभा में रविंद्रनाथ सिंह, अरविंद शर्मा, भीम सिंह यादव, भीम प्रसाद मेहता, कासिम उर्फ मुन्ना, धनेश्वर गंझु, मोहम्मद अब्दुल्ला, केके चतुवेर्दी, अनिल कुंवर, रामू गोप, आरके सिंह, सोमर गंझू, मोहम्मद जैनुल, प्रयाग मिस्त्री, सेवक गंझु, अनीत, राजकुमार, गुरदयाल सिंह, अर्जुन गंझु, विनोद, श्याम सुंदर, साहिब राम सतनामी, रियाज, आरएन पंडित, विकास, बद्री साव, दिलीप, रमेश, नगीया देवी, गीता, सुहाडरी, गेंदिया, सीमा, पुष्पी देवी, सरिता कुमारी, लक्ष्मीनिया देवी, हैवंती देवी, शीला, लालो, हेमराज प्रजापति, सहित सैकड़ों मजदूर उपस्थित थे।

एनके एरिया की रोहिणी परियोजना में गेट मीटिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सीसीएल एनके एरिया की रोहिणी परियोजना में रविवार को संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा द्वारा गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। गेट मीटिंग की अध्यक्षता सभी ट्रेड यूनियनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। गेट मीटिंग में आगामी 09 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने की पुरजोर अपील की गयी। साथ ही, 07 जुलाई को डकरा वीआईपी क्लब में आयोजित होने वाले मजदूर कन्वेंशन में श्रमिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना काल के दौरान जब पूरा देश जीवन बचाने में संघर्षरत था, तब केंद्र सरकार ने मजदूर विरोधी एजेंडा को आगे बढ़ाते हुए पुराने 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार नये श्रम कोड ला दिये। वक्ताओं ने चेताया कि यदि यह श्रम संहिता लागू होती है, तो मजदूरों के वेतन, बोनस, काम के घंटे, और सभी मौजूदा अधिकार संकट में आ जायेंगे। जेबीसीसीआई जैसी संस्थायें समाप्त हो जायेंगी और मजदूरों की आवाज को दबा दिया जायेगा। गेट मीटिंग में प्रमुख रूप से आरकेएमयू से ललन प्रसाद सिंह, जेएमएस से डीपी सिंह और गोल्टेन प्रसाद यादव, सीएमयू से विनय सिंह मानकी और ध्वजा राम धोबी, यूसीडब्ल्यूयू से प्रेम कुमार, एनसीओईए (सीटू) से शैलेश कुमार, जेसीएमयू से रंथु उरांव, विस्थापित मोर्चा से अमृत भोगता के अलावा सुरेश साव, संजय प्रसाद, नंदू मेहता, ऋषिकेश प्रसाद, बीरेन पासवान, प्रदीप प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में मजदूरों की उपस्थिति थे।

बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) का नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल को समर्थन: इरफान

खलारी (आजाद सिपाही)। कोयला उद्योग में 09 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) का पुर्ण समर्थन रहेगा। उक्त बात यूनियन के एनके एरिया सचिव इरफान खान ने कही है। उन्होने कहा कि हमारी यूनियन इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए तैयार है। उन्होने एनके क्षेत्र के मजदूरों से हड़ताल को सफल बनाने के लिए एकजुट होने की बात कही। इरफान खान ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा चार श्रम कानून लागू किया गया तो आने वाले दिनों में मजदूर धरना-प्रदर्शन भी नहीं कर पायेंगे। केंद्र सरकार मजदूरों की आवाज को दबाने का काम करने जा रही है। वहीं केंद्र सरकार मजदूर संगठनों को भी समाप्त करने की साजिश कर रही है। उन्होने मजदूरों से आग्रह किया कि अपने हक और अधिकार के लिए 09 जुलाई को घोषित हड़ताल में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हो।

रांची संस्कार भारती की संगीत की मधुर बूंदों संग बरसात की सौगात की प्रस्तुति

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। संस्कार भारती और नाद ब्रह्म कला संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को चिरंजीवी किड्स प्ले स्कूल होंबई रांची में शास्त्रीय संगीत आधारित 'मल्हार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कलाकारों ने झरती बूंदों की रूमानी फुहारे और सुरों की बहती धारा के इस अनुपम संगम को सजीव बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कार भारती के ध्येय गीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सेवानिवृत सहायक आयुक्त नवोदय विद्यालय समिति के एपी वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में जेपी सिंह ने राग मेघ मल्हार में खयाल और राग पीलू में कजरी प्रस्तुत किया। अमरेंद्र कुमार यादव ने राग अभोगी में ख्याल और ठुमरी जिया मोरा माने ना प्रस्तुत किए। वहीं, केंद्रीय विद्यालय की संगीत शिक्षिका वीणा कुमार ने कजरी प्रस्तुत किया। संस्कार भारती रांची महानगर के संयोजक अवनींद्र सिंह ने राग मेघ मल्हार में एक ताल में निबद्ध ख्याल और कजरी बदरा बरसन लगे ना कि प्रस्तुती दी। कल्याण चक्रवर्ती ने मल्हार, सपन पाल और जेपी मंडल ने भजन गाकर लोगों को आनंदित किया। सभी कलाकारों के साथ तबले पर सपन पाल एवं नाल पर जेपी मंडल ने संगति दी। बाल कलाकार आरुष ने राग देश, अध्या ने बागेश्वरी, रश्मिका ने भजन और अन्नी ने राग भोपाली गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अध्यक्षता संस्कार भारती के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील अंकन ने किया। मौके पर रांची महानगर के अध्यक्ष रामानुज पाठक, उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद, कार्यकारिणी सदस्य कुमकुम गौड, रेणु सिन्हा, रामबिहारी सिंह, शाश्वत, अमोल निधि आदि उपस्थित थे।

बूथ 246 पर मनायी गयी डॉ श्यामा प्रसाद की जयंती

नामकुम (आजाद सिपाही)। भाजपा खिजरी मंडल के बूथ संख्या 246 रामपुर बस्ती में रविवार को मंडल कोषाध्यक्ष सह स्वतंत्रता सेनानी पोत्र समीर राय की अध्यक्षता में जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने बूथ पर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मानवता के उपासक और सिद्धांतवादी थे। मानव मात्र की सेवा को ही वे ईश्वर की सच्ची पूजा मानते थे। हमें उनके पद चिन्हों पर चलते हुए समाज की सेवा करना है। कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके सपनों को पूरा भी किया है। समीर राय ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शंकर सिंह मुंडा, संदीप मंडल, बीके राय, राजू बनर्जी, बिट्टू ने सिंह, बिरेंद्र गिरी के साथ दर्जनों कार्यक्रता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

बेड़ो के ईंटाचिल्द्री एवं चनकोपी में घुरती रथयात्रा संपन्न

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ईंटाचिल्द्री एवं चनकोपी में घुरती रथयात्रा भक्तिमय माहौल में रविवार को संपन्न हुआ। रथयात्रा को लेकर सुबह आठ बजे से ही श्रद्धालु मौसीबाड़ी पहुंचने लगे थे। यहां संध्या में पूरे विधि-विधान से भगवान जगन्नाथ के रथ पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र तीनों विग्रहों को रथारूढ़ कर भक्तों द्वारा रथ को खींचकर वापस मौसी बड़ी से मुख्य मंदिर लाया गया। यहां मुख्य मंदिर में भगवान विराजमान हुए। भगवान के आगमन पर जगन्नाथ मंदिर में खुशियां मनायी गईं। जहां ईंटा चिल्द्री में धार्मिक अनुष्ठान पंडित पंचम नारायण पांडेय और पुजारी लाल इसकलैप नाथ शाहदेव की अगुवाई में सेवईत लाल गोकुल नाथ शाहदेव और लाल मोहन नाथ शाहदेव ने पूरा किया। वहीं, चनकोपी ठाकुर बाड़ी मंदिर में पुजारी कलिंद्र मिश्रा, पुरोहित बालमुकुंद मिश्रा, रामवृक्ष मिश्रा और लाल शाहदेव की अगुवाई में धार्मिक अनुष्ठान किया गया। दोनों जगह सुबह से ही भक्तों ने पूजा अर्चना के साथ तीनों विग्रहों का दर्शन किया। साथ ही सुख शांति के लिए महाप्रभु से कामना किया। वहीं रथयात्रा को संपन्न कराने में लाल नवल किशोर, लाल सेवक नाथ शाहदेव, मनी साहू, सतीश यादव, लाल सुमन, लाल कमलेश, लाल विक्की,लाल सूरज, लाल अभिषेक,युवराज सिंह, मुखिया अनिता बाड़ा,पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, जगरनाथ उरांव, सोमरा उरांव,कलिंद्र सिंह, कलेश्वर सिंह, लाल प्रमोद, लाल सत्येंद्र, रमेश गोप, सतीश गोप, लाल अखिलेश कुमार, लाल राजेंद्र कुमार, लाल मिथलेश कुमार, लाल बिक्रम कुमार, सिकंदर सिंह, पहान सुकरा पहान, पुजार अंगनू उरांव,बिरसा उरांव रोजा उरांव, आयोजक लाल संजय नाथ शाहदेव, सतीश शाहदेव, शशिकांत शाहदेव आदि की भूमिका सराहनीय रही।

रातू के बड़काटोली में जमीन विवाद को लेकर भिड़े दो पक्ष

तीर धनुष-टांगी बसिला से हमला, उप मुखिया सहित चार महिलाएं घायल

आठ नामजद और 22 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के बड़का टोली में जमीन विवाद को लेकर रविवार को खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। उक्त घटना में उप मुखिया वीरेंद्र उरांव (37) दो युवती नेहा कुमारी (18), अंजू खलखो (18) और एक महिला अनु देवी (22) घायल हुई हैं। उप मुखिया वीरेंद्र उरांव के सिर में गंभीर चोट है। बायां कान भी कट गया है। जबकि अंजू और नेहा के सिर में गंभीर चोट आई है। वहीं, अनु देवी को अंदुरुनी चोट लगा है। सभी रातु बड़का टोली के रहने वाले है। सभी का इलाज राती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। जबकि चिकित्सको ने वीरेंद्र को बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया।

हमले में घायल उप मुखिया सहित अन्य महिलाएं।

क्या है मामला

जानकारी के मुताबिक रातू बड़का टोली निवासी शांति देवी ने उप मुखिया को सूचना दी कि गांव के ही शांति देवी के घर को उसी के चाचा बिसू उरांव एवं 20 से 22 लोगों द्वारा तोड़ा जा रहा है। सूचना मिलने पर जब वीरेंदर वहां पहुंच कर लोगों को समझाने की कोशिश किये तो बिसु एवं उसके परिजनों ने ईट पत्थर से हमला कर दिया। इसके 15 मिनट बाद दोबारा 20 से 22 अज्ञात लोगों के साथ पहुंचा और तीर धनुष एवं टांगी बसिला से हमला कर कई लोगों को घायल कर दिया। यही नहीं, नवनिर्मित मकान भी तोड़ दिया। मामले को लेकर शांति देवी ने बिशु उरांव एवं उनके परिवार के सदस्य शनि उरांव, विश्वकर्मा उरांव, दुर्गा उरांव, छोटी उरांव, अनमनी उरांव, बीना देवी, शांति उराईन और गंगी उराउन के खिलाफ नामजद एवं 22 अज्ञात लोगों के खिलाफ रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दर्जन भर महिला-पुरुष को थाना लाकर पूछताछ कर रही है।

पं दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद और अंत्योदय का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक : जैलेंद्र

गेतलसूद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। गेतलसूद में रविवार को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल का एकात्म मानववाद और अंत्योदय का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते जैलेंद्र कुमार एवं अन्य।

वे एक महान राष्ट्रवादी चिंतक, विचारक एवं कुशल संगठनकर्ता थे। उनका लक्ष्य सबका विकास करना था। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पंडित जी के आदर्श विचारों एवं सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात करने को कहा। उन्होंने कहा कि एक देश एक विधान एक निशान का कालजयी नारा देने वाले इस महापुरूष को भारतीय इतिहास में युगों-युगों तक याद किया जाएग। देश के प्रति इनका समर्पण अनुकरणीय है। उनकी मौत आज भी एक रहस्य है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 एवं अनुच्छेद 39 (ए) हटाने में इन्हीं का विचार प्रेरणास्त्रोत बना। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि कामेश्वर महतो, बिनोद चौधरी, शंकर महतो, शिवचरण महतो, काजल गोस्वामी, जगेश्वर महतो, बिगेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

नामकुम (आजाद सिपाही)। जोरार बस्ती स्थित पंडित सदन के छठ घाट किनारे रविवार को वृक्षारोपण किया गया। सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने नदियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसके स्वच्छता और संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार है। इनसे न केवल पर्यावरण संतुलित रहता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन भी सुनिश्चित होता है। रिंटू सिंह ने कहा कि हीट वेव जैसी आपदाओं से राहत पाने के लिए पौधरोपण जरुरी है। मौके पर धीरज सिन्हा, अरविंद पंडित, मनोज यादव, मनोज राउत आदि मौजूद थे।

आजसू के दर्जनों कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

कांके (आजाद सिपाही)। कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा के आवासीय कार्यालय में रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष संजर खान ने की। इस अवसर पर आजसू नेता सह कांके पश्चिम के पूर्व मुखिया अभिषेक राज हेरेंज अपने दर्जनों सहयोगी महिला-पुरुष कार्यकर्ताओं के साथ विधायक के व्यक्तित्व और कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। अभिषेक ने कहा कि वे आजसू और झामुमो दोनों दलों में लंबे समय तक रहे हैं। बावजूद इसके विधायक सुरेश बैठा ने हमेशा उनकी मदद की है। वहीं, विधायक ने कहा कि अभिषेक राज हेरेंज, मानिक तिर्की, इग्नाशियस टेटे, लक्ष्मण मुंडा, रेफा मोदक, अभिषेक राम, विक्की

नायक, प्रियंका, ज्योति जैसे युवाओं के पार्टी से जुड़ने से कांग्रेस और मजबूत होगी। वहीं, प्रखंड अध्यक्ष संजर खान ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में भी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक संख्या में जीत दिलाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने इस मौके पर रिनपास में कार्यरत समानता सिक्योरिटी एजेंसी के तहत कार्य करने वाले कांके के गार्ड और सुपरवाइजरों को कम वेतन और पीएफ राशि देने एवं बोनस डकार जाने को लेकर जोरदार आंदोलन की चेतावनी दी। मौके पर ऐनुल हक अंसारी, रीता चौधरी, गौरीशंकर महतो, बिनोद कुमार साहू, अशोक महतो सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं, विधायक सुरेश कुमार बैठा ने कांके ब्लॉक निवासी शारदा ग्लोबल स्कूल की नौवीं की छात्रा सौम्या आनंद पिता देवानंद देवेश को ताईक्वांडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर पुरस्कृत किया। सौम्या आनंद ने 23 से 25 जून तक हरिद्वार में आयोजित जूनियर नेशनल ताईक्वांडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। विधायक ने उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पेड़ से भी किसान हो सकते हैं आर्थिक रूप से समृद्ध: शिल्पी

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ (सिद्धको फेड) के सौजन्य से लापुंग प्रखंड अंतर्गत मालगो लैंप्स के रायटोली में रविवार को एक दिवसीय क्षेत्रीय लाह खेती प्रशिक्षण सह टूल किट्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की विशेष रूप से शामिल हुई। इस मौके पर सिद्धको फेड की ओर से पर 191 किसानों को लाह उत्पादन का प्रशिक्षण के साथ ही टूल किट्स दिया गया। वहीं, अपने संबोधन में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौजूदा दौर में राज्य के किसान अपने खेत से ही नहीं, बल्कि पेड़ के सहारे भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते है। लाह की खेती इस दिशा में सफल प्रयोग साबित होगा। झारखंड देश का सबसे ज्यादा लाह उत्पादन करने वाला राज्य है। लाह की कमाई से बच्चों की पढ़ाई और परिवार को गरीबी के दलदल से निकाला जा सकता है। खूंटी और लातेहार का भौगोलिक स्थिति लापुंग से मिलती जुलती है। कहा कि सिद्धको फेड गठन का उद्देश्य वनोपज को बढ़ावा देने के साथ ही उसके उचित मूल्य के लिए बाजार उपलब्ध कराना है। इस दिशा में सिद्दको फेड लगातार काम कर रहा है। लाह की मांग समय के साथ देश ही नहीं, बल्कि विदेश तक बढ़ी है। राज्य के किसान संगठित हो कर बेहतर प्रशिक्षण के साथ नई तकनीक के सहारे बेहतर गुणवत्तापूर्ण लाह का उत्पादन कर सकते है। एक पेड़ से 25 किलो तक लाह का उत्पादन किया जा सकता है। लाह के उत्पादन से जुड़ कर रोजगार के लिए गांव से होने वाले पलायन को भी रोका जा सकता है। वहीं, सिद्धको फेड के सचिव राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विभाग प्रशिक्षण और प्रसंस्करण के क्षेत्र में काम कर रहा है। लाह को कृषि का दर्जा मिलने के साथ ही इसके उत्पादन में बढ़ोत्तरी की उम्मीद और बढ़ गई है। सिद्दको फेड ने राज्य के 10 हजार किसानों को लाह की खेती का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। लाह का इस्तेमाल दवा बनाने से लेकर कॉस्मेटिक प्रोडक्ट में किया जा रहा है। किसानों के लिए ये अधिक मूल्य वाला उत्पाद है जिसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

नगड़ी में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर बैठक

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में जनप्रतिनिधियों के मौलिक अधिकारो का हनन और व्याप्त भ्रष्टाचार-कमीशनखोरी को लेकर रविवार को बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता उप प्रमुख अफसाना प्रवीण ने की। इसमें सर्वसम्मति से सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं पदाधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों को मान सम्मान नहीं दिए जाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए आंदोलन करने का निर्णय लिया। जिसकी रूपरेखा अगली बैठक में तय की जायेगी। मौके पर उप प्रमुख अफसाना प्रवीण ने बताया कि इस मौके पर पंसस एनामुल हक, सोमनाथ उरांव, रोपना उरांव, गुलरेज अंसारी, करुणा देवी, शीला देवी और पंचायत समिति प्रतिनिधि राम उरांव आदि उपास्थित थे।

समाजसेवी जैलेंद्र कुमार ने राशन उपलब्ध कराया

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। अनगड़ा प्रखंड के छोटकी गोंडाग निवासी सीताराम भोगता का पुत्र सुलेंद्र भोगता (22) का पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी, श्राद्ध में सहयोग के लिए राजेश लोहारा ने समाजसेवी जैलेंद्र कुमार से संपर्क करने की बात कही। इस पर जैलेंद्र कुमार ने कच्चा राशन उपलब्ध कराया। मौके पर पूरण भोगता, आनंद भोगता, फुलेंदर भोगता,राजेश भोगता, महेंद्र उरांव आदि उपस्थित रहे।

रातू राजमहल की ऐतिहासिक घुरती रथयात्रा एवं मेला का समापन

नौ दिनों के विश्राम के बाद भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को साथ लेकर घर लौटे भगवान जगन्नाथ

दर्शन पूजन के लिये भक्तो का लगा रहा तांता

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू/इटकी। नौ दिनों के विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर मौसीबाड़ी से मुख्य मंडी लौट आये। इसके साथ ही रविवार की शाम राजकिले की ऐतिहासिक घूरती रथ यात्रा एवं मेला का समापन हो गया। इससे पूर्व महाआरती पूजा कर प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा अनुष्ठान राजपुरोहित भोला शंकर मिश्र समेत अन्य पुजारियो ने कराया। किला मैदान में आयोजित घुरथी रथ मेले में मेलार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। मेला में आये लोगो ने आम, मिठाई

एवं घरेलू चीजो की जमकर खरीदारी की। ठेला खोमचा वाले की चांदी रही। वहीं, सीएचसी की ओर से मेले में पेयजल एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गयी थी। दूसरी ओर, पूजा व मेले में सुरक्षा की कड़े इंतजाम किये गये थे। इसकी कमान थानेदार रामनारायण सिंह ने संभाली। मेले में जगह- जगह सीसी टीवी कैमरे लगाये गये थे। इसके अलावा ड्रोन कैमरे से मेलार्थियों की निगरानी की जा रही थी। पूजा-मेला की सफलता में अजय नाथ शाहदेव, कर्नल संजय नाथ शाहदेव, कुसलेंद्र सिंह, आदित्यनाथ शाहदेव, कांग्रेस नेता व जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, पृथ्वीनाथ शाहदेव, आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव, नितेश लाल नाथ शाहदेव आदि की भूमिका सराहनीय रही। वहीं, इटकी में भी भक्तों के सैलाब के जयकारा के बीच प्रभु श्री जगन्नाथ महाप्रभु, भाई बलराम और बहन सुभद्रा सहित अन्य विग्रहों के साथ रथारूढ़ होकर रिमझिम बारिश के बीच मुख्य मंदिर में विराजे। भगवान श्री जगन्नाथ मौसीबाड़ी में नौ दिन अपनें मौसी गुडिचा मंदिर में बिश्राम किये। रविवार की सुबह सात बजे पंडितों द्वारा पूजा अर्चना और महाआरती के बाद भक्तों के दर्शन के लिए मौसीबाड़ी मंदिर का कपाट खोल दिया गया। पूरी गतिविधियों पर डीएसपी अशोक कुमार राम, दंडाधिकारी बीडीओ प्रवीण कुमार, सीओ मो अनीश और थाना प्रभारी मनीष कुमार नजर बनाये हुए थे।

देश के लिए डॉ श्यामा मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया : अनंत ओझा

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। भाजपा रांची जिला ग्रामीण के बैनर तले रविवार को जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज की अध्यक्षता में सदाबहार चौक स्थित रैवेल बैंक्वेट हॉल में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं बुके देकर किया गया। इसके बाद डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अनंत ओझा ने

कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान राष्ट्रवादी नेता, शिक्षाविद् और विचारक थे। जिन्होंने भारत की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने स्वेच्छा से अलख जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया। डॉ मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी थे। कहा कि उनका मुख्य नारा था एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगा। संसद में अपने भाषण में डॉ मुखर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अपने संकल्प को पूरा करने के लिये वे 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े थे, वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नजरबंद कर लिया गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। उनके बलिदान ने ही आगे चलकर धारा 370 हटाने की नींव रखी, जो 2019 में पूरी हुई। वहीं, पूर्व जिलाध्यक्ष नंदजी प्रसाद ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद प्रखर राष्ट्रवादी विचारक थे। वे हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित थे। उनकी दूरदर्शिता और बलिदान आज भी हम सभी कार्यकताओं के लिए पथ प्रदर्शक है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाईक व धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, पूर्व विधायक आरके पाहन, जिला उपाध्यक्ष सुधाकर चौबे, एसटी मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी रितेश उरांव, किसान मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता मनोज सिंह, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, जिला मंत्री संजीत सिंह, खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, गोपाल चौधरी आदि मौजूद रहे।

ढोल और ताशे के साथ निकला मोहर्रम का जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला मुख्यालय से सटे टोटो बस्ती में भव्य तरीके से मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। पारंपरिक अंदाज के ढोल, ताशे, ताजिया आदि के साथ यह जुलूस निकला। जुलूस टोटो बाजार से शुरू हो कर टोटो चौक तक पहुंचा। जहां लोगों ने अस्त्र शस्त्र परिचालन का प्रदर्शन किया। फिर यह जुलूस कर्बला पहुंचकर समाप्त हो गया। जुलूस में टोटो के हर मोहल्ले के लोग शामिल हुए। लोग पारंपरिक हथियारों के साथ जुलूस में शामिल हुए थे। जुलूस में शामिल लोग या अली या हुसैन के नारे लगा रहे थे। जुलूस सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की अगुवाई में निकाला गया। यह जुलूस इस वर्ष क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना रहा। हल्की-हल्की बारिश के बावजूद लोग जुलूस में जमे रहे। लोगों ने पारंपरिक अस्त्र-शास्त्र परिचालन के बेहतरीन कर्तव्य दिखाए। सेंट्रल मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष मोहम्मद जमरूद्दीन ने बताया कि मोहर्रम का जुलूस हजरत मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकाला जाता है। इमाम हुसैन को धोखे से कूफा बुलाकर उनके खानदान के सभी पुरुषों को शहीद कर दिया गया था। इसलिए इस शहादत की याद में मुस्लमान जुलूस निकालते हैं। कमेटी के सचिव नसीम खान व सरपरस्त मोहम्मद सलीम सहित कई गणमान्य लोगों की देख रेख में जुलूस संपन्न हुआ।

किंदिरकेला मस्जिद से निकला तजिया

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में रविवार को मोहर्रम पर्व धूमधाम से मनाया गया। किन्दिरकेला स्थित मस्जिद परिसर से ताजिया जुलूस निकाला गया जो मेनरोड होते मुहर्रम अखाड़ा तक गई।जहाँ जुलूस का समापन किया गया। और अस्त्र शस्त्र का खेल दिखाया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य बसंती डुंगडुग मौजूद रही। जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीओ जयवंती देवगम, एस डीपीओ नाजिर अख्तर के नेतृत्व में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था। स्थानीय समाजसेवी और प्रबुद्ध नागरिकों ने भाईचारे का संदेश देते हुए सभी को मोहर्रम की शुभकामना दी। मौके पर एसडीओ जयवंती देवगम द्वारा यह पर्व बलिदान त्याग और इंसानियत की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने सभी को मुहर्रम की बधाई दी।

अखिल भारतीय खड़िया महाडोकलो की बैठक

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कोनबीर नवाटोली स्थित संत जोसेफ उच्च विद्यालय सभागार में रविवार को अखिल भारतीय खड़िया महाडोकलो सिमड़ेगा के महासोहोर पी कुलकांत केरकेट्टा के अध्यक्षता में एक बैठक रखा गया। इस बैठक को खड़िया महासभा रांची, खड़िया विकास समिति गुमला एवं अखिल भारतीय खड़िया महाडोकलो सिमड़ेगा के द्वारा संयुक्त रूप से रखा गया था। इस बैठक में समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा खड़िया समाज के सामाजिक संगठन, शिक्षा, जनसंख्या,राजनीतिक चेतना समेत अन्य विषयों पर अपने अपने विचार को रखा गया। अपने विचार रखते हुए समाज के प्रबुद्धजनों ने इन विषयों पर गहन विचार विमर्श करते हुए इनके समस्याओं और समाधान पर भी अपने बातो को रखा।बैठक में खड़िया भाषा,संस्कार, संस्कृति की बातो को भी रखा गया।खड़िया भाषा को बचाने की पुरजोर आवाज उठायी गयी। बैठक में सिमड़ेगा गुमला ओर रांची जिला को मिलाकर एक समन्वय समिति बनाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में नागपुर परगना, तेलंगा खड़िया स्मारक समिति सिमड़ेगा,रांची महाडोकलो खड़िया समाज के प्रतिनिधि भी शामिल रहे। इस मौके पर फादर सीप्रियन कुल्लू, जिला परिषद सदस्य बसंती डूंगडुंग, रतिया इंदवार, एलिजाबेथ इंदवार, सुजीत टेटे, कुलभूषण डूंगडुंग, जॉन ऑगस्टिन टेटे,फादर किशोर केरकेट्टा, एफ्रेम बा, मतीयस कुल्लू,रायमन बा, यूजीन कुल्लू, संजय इंदवार, स्माइल सोरेंग, एग्नेस सोरेंग, रफायल कुल्लू, सुमन कुल्लू,पहलाद केरकेट्टा, अल्फोन्स डूंगडुंग, सुनील खड़िया, एमलेन कुल्लू,सुशील सोरेंग,बासुदेव भगत, डॉ चंदकिशोर केरकेट्टा, मेरी क्लोदिया सोरेंग,मंगला कुल्लू,कैप्टन अल्बर्ट बा, अजित कुल्लू समेत समाज के अनेक बुद्धिजीवी शामिल रहे।

महदनिया टोली में मोहर्रम कमेटी ने की पगड़ीपोशी

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय में रविवार को मोहर्रम पर्व मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा पूरी श्रद्धा और शांति के साथ मनाया गया। वही महदनिया टोली में मोहर्रम कमेटी द्वारा पगड़ी पोसी का कार्यक्रम किया गया। इसके उपरांत ताजिया जुलूस निकाला गया। ताजिया जुलूस महादनीया टोला से शुरू होकर थाना चौक बैंक ऑफ इंडिया शाखा के समीप तक पहुंचा जहां जुलूस का समापन किया गया। क्षेत्र में गम और शहादत की याद में मातमी धुन के साथ जुलूस निकाला गया। जो प्रखंड मुख्यालय से होते हुए विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए कर्बला तक पहुंचा। जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे साथ ही पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। स्थानीय समाजसेवी और प्रबुद्ध नागरिकों ने भाईचारे का संदेश देते हुए सभी को मोहर्रम की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व बलिदान त्याग और इंसानियत की रक्षा का प्रतीक है पूरे आयोजन में हिंदू मुस्लिम एकता के मिसाल भी देखने को मिली।

'या अली या हुसैन' के नारों से गूंजा जारी

जारी (आजाद सिपाही)। जारी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर ,कमलपुर, तिगरा, जरडा ,परसा, बरवाडी सिकरी में धूमधाम से व शांतिपूर्व तरीके से मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। वहीं मौलाना निजामुद्दीन कादरी रब्बानी ने कहा कि इमाम हुसैन की शहादत की याद में इस पर्व को मनाते है। वही गोविंदपुर में मोहर्रम का जुलूस सलातो सलाम और नातखान के साथ निकाली गयी। जिसमें छोटे-छोटे नन्हे बच्चे, बूढ़े बुजुर्ग हाथों में इस्लामिक झंडा, तलवार लेकर और नारे तकबीर अल्लाहू अकबर, या हुसैन, या अली का नारा लगाते हुए और नात शरीफ पढ़ते मौलाना निजामुद्दीन कादरी रब्बानी, सुहेल अख्तर, मौलाना नौशाद आलम फैजी के द्वारा पढ़ते पढ़ते तिगरा के करबला मैदान तक पहुंचा। जिसके बाद तलवार का खेल जीदो कुडू लोहरदगा के तलवारबाजियों का खेल देखने को मिला। इसके बाद कर्बला में फतेह खानी किया गया।

सुरक्षा को देखते हुए मजिस्ट्रेट ड्यूटी में अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता, जारी थाना प्रभारी आदित्य कुमार अपने दल बल के साथ मौजूद रहे और गतिविधियों का जायजा लेते रहे ताकि किसी तरह का अनहोनी घटना ना हो। वही मौके पर सदर जैयारुल अंसारी, सीक्रेट्री जाकिर खान, मंसूर खान, लालखान, नईम खान, साजिद अंसारी, हलीम कुरैशी, मैनू खान, रशीद पठान सहित हजारों मुस्लिम धमार्लंबियों के लोग मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश से गिरा किसान का घर, लगायी मदद की गुहार

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड थाना क्षेत्र के ग्राम कुदरा डोंगरीटोली निवासी अनिल उरांव पिता स्व मोंडो उरांव का कच्चा मकान शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण गिर गया। जिससे घर में रखे अलमारी, बक्सा, पलंग कुर्सी टेबल, गैस चूल्हा, बर्तन, धान चावल, खाने पीने की चीजों सहित घरेलू सामान दबकर क्षतिग्रस्त हो गया है। घर के गिर जाने से किसान अनिल उरांव को लाखों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंची है। इसकी सूचना उन्होंने पंचायत के मुखिया को दे दी है। अनिल उरांव का कहना है कि वह एक गरीब किसान है और उसके परिवार में कुल छह सदस्य स्वयं, उसकी पत्नी और चार छोटे छोटे बच्चे हैं। साथ ही चार पांच मवेशी भी है। घर के गिर जाने से उनके रहने तथा मवेशियों को रखने का कोई जगह नहीं है जिससे उनके सामने एक विकट परिस्थिति खड़ी हो गयी है। उनके आय का एक मात्र जरिया कृषि ही है। किसान ने कहा कि इस बार लगातार हो रही बारिश से खेती भी हो पायेगी या नहीं इसकी चिंता सता रही है। उन्होंने इस संकट की घड़ी में प्रशासन से मदद की गुहार लगायी है।

भारी बारिश से किसान के घर में पानी भरा

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला शहर से सटे नदी टोली में लगातार हो रहे भारी बारिश के कारण महावीर राम और अशोक राम के घर में पानी घुस गया। घर में पानी घुसने से घर के लोग रात भर परेशान रहे। घर में घुसे पानी को बाल्टी से बाहर निकलते रहे। उनका घर नदी से सटा हुआ है लगातार वर्षा की वजह से घर में पानी घुस गया। जिसके कारण बच्चे बाल्टी लेकर घर के पानी को बाहर निकलते रहे। वही चौमिन खाकर पूरा परिवार जागकर रात गुजारी। उन्हें डर था कि पानी की तेज बहाव में घर बह ना जाए। रविवार की सुबह 10 बजे महावीर राम और अशोक राम ने बताया आवास को लेकर कई बार शिविरों में आवेदन जमा किया गया लेकिन आवास नहीं मिला।

तीन साल से मवेशियों के साथ गोहार में रह रहा दंपति, वृद्धा पेंशन भी है बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड के जरडा पंचायत के भीखम पुर गांव में 2022 में गुलरिया लकड़ा के घर को जंगली हाथियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था साथ ही घर के अनाज को भी चट कर दिया था। गुलरिया लकड़ा के द्वारा वन विभाग को मुआवजा के लिए आवेदन भी दिया गया था। वन विभाग की ओर से मात्र 11000 रुपया मुआवजा राशि मिला। उन पैसों से वह घर का क्षतिग्रस्त हुआ अनाज व अन्य सामान खरीदा। लेकिन क्षतिग्रस्त घर के मरम्मती के लिए विभाग ने कोई पहल नहीं किया ना ही राशि उपलब्ध करायी। उसका घर ध्वस्त होकर जमीन दोह हो गया। आवास के लिए वह दर-दर भटकता रहा। एक साल पूर्व डुमरी थाना में जनता दरबार शिविर का आयोजन किया गया था। जहां आवास के लिए उसने आवेदन भी दिया था लेकिन उसके आवेदन पर आज तक कार्रवाई नहीं हुई। बेघर होने के बाद गुलरिया और उसकी पत्नी फ्लोरेंस लकड़ा दूसरों के घरों में रहते हैं लेकिन उन लोगों के द्वारा भी पिछले वर्ष उन्हें घर से निकाल दिया गया और वे दोनों जिनके घर में रहते हैं वहां नौकर बनकर काम करते हैं। साथ ही गोहार घर जहां मवेशियों को रखा जाता है उनके साथ रहने को मजबूर हैं। वे बैल बकरी के साथ रहते और सोते हैं। जिस गोहार घर में रहते हैं वह घर भी जर्जर है दीवार टूटी-फूटी है साथ ही बरसात के दिनों में पानी के टपकने से कीचड़ में सोने को मजबूर हैं। पति दिनभर उनके मवेशियों को चराता है तब दो जून की रोटी दोनों को खाने के लिए मिलती है। वर्तमान में दोनों चार्लेश टोप्पो के घर में गौशाला में रह रहे हैं। वहीं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा गरीबों के आवास को लेकर योजनाएं चलायी जा रही है लेकिन विडंबना है कि गुलरिया जैसे लोगों को आवास का लाभ नहीं मिल रहा है। उनके आवेदन पर भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गयी। झारखंड सरकार द्वारा गरीबों के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलायी जा रही है लेकिन योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही दिखाई दे रहा है। जमीनी स्तर पर जिन्हें इन योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए वे इनसे मरहूम है। इसका जीता जागता उदाहरण गुलरिया लकड़ा और फ्लोरेंस लकड़ा है। वृद्धा पेंशन के लिए भी कई बार कार्यालय व जनता दरबार में आवेदन दे चुके हैं लेकिन इनका वृद्धा पेंशन कार्ड बना ही नहीं। इन्हें वृद्धा पेंशन नहीं मिलता है।

श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर एसडीओ ने टांगीनाथ धाम का किया निरीक्षण

गुमला (आजाद सिपाही)। उपायुक्त गुमला प्रेरणा दीक्षित के निर्देशानुसार रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी चैनपुर ने श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर टांगीनाथ धाम, डुमरी का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला कमिटी के साथ बैठक भी की। मेले के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन हेतु विधि-व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीओ ने श्रावणी मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, पार्किंग एवं बैरिकेटिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, मंदिर परिसर सहित संपूर्ण क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई कराने, सीसीटीवी कैमरों को क्रियाशील रखने एवं वॉलेंटियर्स की तैनाती सुनिश्चित करते हुए उनका पहचान पत्र निर्गत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मेले की भीड़ को देखते हुए आवश्यकता अनुसार पुलिस बल एवं महिला पुलिस बल की तैनाती की जायेगी।

पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ घुरती रथयात्रा संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड मुख्यालय में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ समापन हुआ। रविवार की शाम घूरती रथ के साथ रथ पूजा का समापन शांतिपूर्ण और भक्तिपूर्ण माहौल में किया गया। समापन कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। रथ को घाघरा थाना चौक दुर्गा मंदिर मंदिर मौसी बाड़ी से वापस लाया गया और भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व माता सुभद्रा की प्रतिमाओं को विधिवत चांदनी चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर में स्थापित किया गया। भक्ति संगीत, भजन और कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया। स्थानीय समिति और ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। प्रशासन एवं पुलिस बल की मौजूदगी रही।

भाई की डांट से नाराज युवती ने खाया डीएपी

गुमला (आजाद सिपाही)। घाघरा थाना क्षेत्र के खपिया गांव निवासी 18 वर्षीय सुशांति कुमारी ने रविवार दिन के 11 बजे डीएपी नामक उर्वरक खा लिया। हालत खराब होने पर परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा ले गये जहां से उसे गुमला रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक युवती के बड़े भाई ने किसी बात को लेकर उसे डांट लगायी। इसी बात से नाराज युवती ने खेती कार्य के लिए घर में रखे डीएपी को खा लिया। हालांकि भाई ने किस बात को लेकर डांट लगायी पता नहीं चल पाया। सदर अस्पताल में इलाज के बाद युवती की स्थिति सामान्य है।

अंबोवा में धूमधाम से निकला जुलूस

गुमला (आजाद सिपाही)। मोहर्रम सेंट्रल कमेटी सदर सलमान अंसारी के अध्यक्षता में अंबोवा में बहुत धूमधाम से मोहर्रम का जुलूस निकाला। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस जिला अध्यक्ष चैतू उरांव, विशिष्ट अतिथि फिरोज आलम और गुमला थाना के कुछ प्रशासन थे। गांव के सदर मकबूल सेकरेट्री यासीन अंसारी साहब और मुहर्रम कमेटी के मोजाहिर जी इदुल साकिर मंसूब अंताज जकील सदाम अकील आफताब सद्दाम नजमुदिन कैसर मंजूर समशेर मकसूल अफरोज जुनैद नवसाद और अन्य साथी थे।

20 को झारखंड चैंबर की बैठक

गुमला (आजाद सिपाही)। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की 11वीं कार्यकारिणी की बैठक इस बार साहिबगंज में होगी। जिसमें झारखंड चैंबर अध्यक्ष सहित उनकी टीम और सभी क्षेत्रीय उपाध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। यह बैठक 20 जुलाई को प्रस्तावित है। दक्षिणी छोटानागपुर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने उक्त बैठक में शामिल होने की सहमति प्रदान की है। वे 19 जुलाई को रात की ट्रेन से वहां जायेंगे और 20 जुलाई को बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में अपने क्षेत्र से जुड़ी व्यवसायिक समस्याओं को प्रमुखता से रखा जायेगा।

स्पोर्ट्स

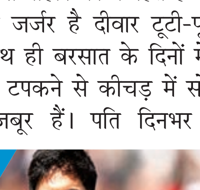

गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर। शुभमन गिल ने पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 8 छक्के लगाये।

शुभमन एक टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय

एजेंसी

बर्मिंघम। बर्मिंघम टेस्ट जीतने के लिए भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया। शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन भारत से शुभमन गिल ने 161 रन बनाये। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाये थे, इसी के साथ वे एक टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। टीम इंडिया ने टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 1014 रन बनाए। टेस्ट इतिहास में भारत ने पहली बार ही एक मैच में हजार रन का आंकड़ा पार किया।

शुभमन एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान : शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बना दिए। यह किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन हैं। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे।

शुभमन 400 रन बनाने वाले पहले भारतीय : शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 344 रन बनाए थे। तब गावस्कर ने पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाया था। गिल एक पारी में शतक और दूसरी में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे ही खिलाड़ी बने।

शुभमन 1 टेस्ट में दूसरे हाईएस्ट स्कोरर : शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड से महज 27 रन दूर रह गए। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ग्राहम गूच के नाम है। जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ ही 456 रन बनाए थे। शुभमन टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के 5वें ही प्लेयर बने।

रजद पदक जीतने पर ताशा झा को मिला सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। एकलव्य शूंटिंग क्लब रांची में आज एक कार्यक्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला की कक्षा द्वादश की छात्रा ताशा झा को 19-06-2025 से 22-06-2025 तक टिकैत उमराव शूटिंग रेंज, खेलगांव में आयोजित ओपन रांची इंटर क्लब शूटिंग चैंपियनशिप में 25 मीटर 22 ओपन साइट राइफल स्टैंडिंग महिला वर्ग में रजत पदक जीतने पर पुरस्कृत किया गया। एकलव्य शूंटिंग क्लब के संचालक सह कोच गोविंदा कुमार ने ताशा को चैंपियनशिप में फायरिंग स्पर्धा का सिल्वर मेडल प्रदान करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा उसे लगातार मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है और निरंतर मेहनत ही सफलता की ओर हमें ले जाती है। उन्होंने बताया कि उनके क्लब के बहुत सारे बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रहे हैं। इस अवसर पर कई खिलाड़ी एवं अभिभावक उपस्थित थे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय राष्ट्रीय चेतना के दीप्तिमान नक्षत्र की तरह थे: बाबूलाल मरांडी

डॉ मुखर्जी ने देश के सम्मान, गरिमा और गौरव की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति तक दे दी : सांसद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिला भाजपा कार्यालय में रविवार को भाजपा के प्रेरणापुंज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचार पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता पार्टी के धनबाद महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड भाजपा के अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद ढुल्लू महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल,चंद्रशेखर सिंह, सत्येंद्र कुमार, राजकुमार अग्रवाल, रमेश राही, प्रियंका पाल आदि मौजूद रहे, जिन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। वहीं, आज के संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन मानस प्रसून एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री धनेश्वर महतो ने किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक शिक्षाविद के साथ भारतीय राष्ट्रीय चेतना के दीप्तिमान नक्षत्र, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले विलक्षण व्यक्तित्व की जीवन यात्रा एक गंभीर और प्रेरक आख्यान है। उनके जीवन से भारतीय राजनीति के एक ऐसे अध्याय को उजागर होती है, जो समर्पण, त्याग, बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा की मिशाल बनकर आज भी स्मरणीय एवं सभी के लिए अनुकरणीय है। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी अपने निर्भीक स्वभाव के कारण 'बंगाल का बाघ' कहे जाते थे, जिन्होंने कोलकाता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायपालिका को ऊंचाइयां प्रदान की। भारत की एकता एवं अखंडता के लिए बलिदान देने वाले डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन रात कार्य कर रहे हैं। श्रधेय डॉ मुखर्जी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विरोध में लिया गया साहसिक रुख अंततः पांच अगस्त 2019 को साकार हुआ। जिसके लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे सपूत की जन्म जयंती मना रहे है जिन्होंने शिक्षा राजनीति और राष्ट्र सेवा को एक सूत्र में पिरोकर अपना संपूर्ण जीवन भारत माता के चरणों में अर्पित कर दिया था। वहीं, सांसद ढुल्लू महतो ने डॉ मुखर्जी के अप्रतिम योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने देश के सम्मान, गरिमा और गौरव की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों का विरोध किया और मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। कश्मीर में बिना परमिट प्रवेश करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 23 जून 1953 को जेल में उनकी रहस्यम मृत्यु हो गई थी। संगोष्ठी में उपस्थित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को उनके विचार का अनुसरण करते हुए उनके बताये मार्ग एवम नीतियों पे चलने का आहवान किया। वहीं, विधायक राज सिन्हा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। कहा कि, वह कश्मीर से धारा 370 हटाने और एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के पक्षधर थे। नेहरू के नेतृत्व में तत्कालीन सरकार की तुष्टिकरण की नीतियों के विरोध में केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने जनसंघ की स्थापना की और पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। वही संगठन आज भाजपा के रूप में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है।

आस्तिक पालिवार गिरोह का शूटर धनबाद से हुआ गिरफ्तार

हथियार, कारतूस और बाइक बरामद, व्यवसायियों से रंगदारी की थी योजना

- झारखंड और बंगाल में कई रंगदारी एवं लूट की वारदातों में रहा है शामिल
- हाल ही में पश्चिम बंगाल के अलीपुर जेल से रिहा होकर आया था बाहर
- धनबाद के व्यापारियों से रंगदारी वसूलने का मिला था काम

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान शाहिल के रूप में हुई है। वह देवघर का रहने वाला है। उसके पास से एक हथियार, सात जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और एक बाइक बरामद की गई है। जानकारी के मुताबिक धनबाद एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि खुदिया नदी पुल के पास एक संदिग्ध युवक हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना पर एसएसपी ने विशेष टीम गठित कर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने खुदिया नदी पुल के पास से शाहिल को पकड़ लिया। सिटी एसपी के अनुसार, शाहिल आस्तिक पालीवार गिरोह का सदस्य है। वह झारखंड और बंगाल में कई रंगदारी और लूट की वारदातों में शामिल रहा है। हाल ही में वह पश्चिम बंगाल के अलीपुर जेल से रिहा हुआ था। पूछताछ में शाहिल ने खुलासा किया कि आस्तिक पालीवार गिरोह से वह जुड़ा हुआ था और धनबाद के व्यवसायियों से रंगदारी वसूलने का काम सौंपा था। उसे गोली चलाकर व्यवसायियों को डराने-धमकाने की जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस की सक्रियता से वारदात को अंजाम देने से पहले ही आरोपी पकड़ा गया।

अधिक वर्षा से धान की रोपाई में हो सकता है विलंब : बैजनाथ

कसमार/बेरमो (आजाद सिपाही)। कसमार अंचल क्षेत्रों में 15 दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण खेतों में काफी पानी जमा हो गया है। जिस कारण धान फसल के लिए किसान बिहन (बिचड़े) नहीं दे पा रहे हैं। बतातें चलें कि धान फसल के लिए बिहन की तैयारी अमूमन दो प्रकार से की जाती है। पहली धुरिया यानी धूल वाली मिट्टी में बिहन डालना और दूसरी लेवा यानी गीली मिट्टी में बिहन डालना। धुरिया बिहन खेत में डालने का उपयुक्त समय 15 जून तक या मानसून आने के पूर्व तक होता है। पर मानसून की देरी को देखते हुए किसान कुछ वर्षों से जून के आखिरी सप्ताह से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक बिहन खेत में डालते आ रहे हैं। पर इस वर्ष मानसून ने किसानों को चकमा दे दिया और सप्ताह दिन पहले ही आ गया।

धनबाद में आकाशीय बिजली गिरने से बच्ची की मौत, एक महिला गंभीर

बकरी चराने के दौरान बच्ची के उपर ही हो गया वज्रपात

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। भागाबांध क्षेत्र में रविवार की दोपहर बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आने से एक बच्ची की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक इस दिन दोपहर 12 बजे बच्ची एवं एक महिला खेत में बकरी चरा रही। तभी बारिश शुरू हो गयी। इसी बीच तेज गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिनकी चपेट में आकर 12 वर्षीय एवं उसके पास में ही काम कर रही एक महिला बुरी तरह झुलस गई। हादसे के बाद परिजन तुरंत बच्ची को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल महिला का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

अस्पताल में मौजूद मृतका के परिजन एवं स्थानीय लोग।

चाचा के साथ रह रही थी बच्ची

स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक बच्ची अपने पिता के निधन के बाद चाचा के साथ रह रही थी। वह पढ़ाई के साथ घर के काम में भी मदद करती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि मौसम विभाग की चेतावनी के बाद भी ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी है। इस वजह से ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।

अपने कर्तव्यों का अच्छे से पालन करें अधिकारी : डीसी

डीसी ने किया जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन ने मुहर्रम को लेकर रविवार को वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के साथ जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी से तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। सबसे पहले डीसी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक बैंक मोड़ के करबला रोड स्थित करबला पहुंचे। यहां धनबाद करबला वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों से मिलकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद सभी पांडरपाला और वहां से भूली पहुंचे। वहां से बिनोद बिहारी चौक, शक्ति महतो चौक, तेतुलमारी, जोगता, अंगार पथरा होते हुए कतरास के पंचगढ़ी पहुंचे। यहां पदाधिकारियों ने दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ तैयारी की समीक्षा की। कतरास में मुहर्रम कमेटी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर उपायुक्त का स्वागत किया। इसके बाद सभी छाताबाद, लोयाबाद, पुटकी, केंदुआडीह होते हुए झरिया पहुंचे। झरिया से इंदिरा चौक, हनुमान गढ़ी, भागा, फुसबंगला, जियलगोरा, पाथरडीह, लोदना मोड़, जोरापोखर, सुदामडीह, चासनाला, सिंदरी, बलियापुर, कलियासोल, कालुबथान, पंचेत, चिरकुंडा, गलफरबाड़ी, मुगमा, मैथन, निरसा बाजार, गोविंदपुर, सरायढेला स्टील गेट होते हुए धनबाद पहुंचे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान डीसी ने दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर मौजूद रहकर कर्तव्य का अच्छे से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही अखाड़ा समितियों को जुलूस निकालते समय निर्धारित मार्ग का प्रयोग करने और जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में दिए गए निदेर्शों का पालन करने का अनुरोध किया। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। कहा कि जिले में सभी जगह पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद हैं। प्रशासन ने शातिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराने के लिए मुकम्मल तैयारी की है। सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है। इस मौके पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, प्रभारी एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, एसडीपीओ निरसा रजत मणिक बाखला, एसडीपीओ बाघमारा पुरषोत्तम कुमार सिंह, संबंधित प्रखंड के बीडीओ, संबंधित अंचल के सीओ और थाना प्रभारी आदि मौजूद रहे।

48 घंटे बाद करगली घाट से बरामद हुआ युवक का शव

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। सुदामडीह थाना अंतर्गत दामोदर नदी के मोहलबनी विरसा पुल से शुक्रवार की शाम नदी में कूदे मोहाल बस्ती अमलाबाद निवासी विशाल बनर्जी (35) का शव रविवार को 48 घंटे बाद घटनास्थल से 15 किलोमीटर दूर मछुआरों एवं गोताखोरों ने दामोदर नदी संथालडीह एवं पश्चिम बंगाल सीमा क्षेत्र के करगली घाट से बरामद कर लिया गया है। शव मिलने की खबर सुनकर पिता नेबो बनर्जी, मां कैम्पा बनर्जी, पत्नी चम्पा बनर्जी, बहन मीना कुमारी, पुत्र सार्थक कुमार के धैर्य का बांध टूट गया और सभी दहाड़ मारकर रोने लगे। जानकारी के मुताबिक अमलाबाद ओपी के मोहाल बस्ती निवासी नेबो बनर्जी का एकलौता पुत्र विशाल बनर्जी अपनी पत्नी के साथ झगड़ा कर घर से शुक्रवार की शाम को निकला था। विरसा पुल पर अपनी बाईक खड़ी कर किसी से बातचीत की और बाईक की डिक्की में अपना मोबाईल रखने के बाद पुल से नदी में छलांग लगा दिया। वह ओडिशा के किसी निजी कम्पनी में कार्यरत था। जो एक सप्ताह पूर्व

बिपतरिणी पूजा में अपने घर आया था। पिता का कहना है कि शुक्रवार को हम गांव के मंदिर शादी में शामिल होने गए थे। जिसके बाद विशाल का अपने पत्नी चम्पा के साथ बकझक होने की खबर मिली थी। पर हमारे आने के पहले वह बाईक लेकर घर से निकल गया था। आने पर खबर मिली कि वह दामोदर नदी पुल से कूद पड़ा है। इधर, मोहाल पूर्वी पंचायत के मुखिया शीतल कुमार सिंह ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की दामोदर नदी में डूबकर मौत होने की दर्जनों घटनाएं हो चुकी है। पर पुलिस प्रशासन अभी तक सतर्क नहीं हुई है।

निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

झरिया (आजाद सिपाही)। भगतडीह प्रेम नगर बस्ती में नवनिर्मित शिव मंदिर की तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाला गया। मंदिर प्रांगण से शुरू हुई कलश यात्रा झरिया राजा तालाब पहुंची। कलश यात्रा के आगे आगे मनमोहक झांकी एवं 111 महिलाएं सिर पर कलश लिए थी। पंडितों द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच राजा तालाब में महिलाएं जल भरकर वापस मंदिर पहुंची? कलश यात्रा में शामिल भक्तों के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

जयरामपुर में केबल लूट की घटना से गहराया जलसंकट

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जयरामपुर कोलियरी के पांच नंबर पीट में शनिवार की रात को पंप घर पर अपराधियों के दल ने धावा बोलकर लगभग 25 फीट केबल लूट लिया और फरार हो गए। केबल लूट की घटना के बाद जयरामपुर क्षेत्र में जलसंकट गहरा गया है। मामले की गंभीरता से लेते हुए ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से अलकडीहा ओपी पुलिस पूछताछ कर रही है। बताते चलें कि पिछले एक सप्ताह से मोटर पंप की खराबी के चलते पूरे जयरामपुर क्षेत्र में जलापूर्ति ठप है। जिससे लोग बेहद परेशान हैं। स्थानीय लोगों के आंदोलन से बाध्य होकर प्रबंधन ने रविवार से पांच नंबर में अतिरिक्त मोटर पंप लगाकर जलापूर्ति कराने की योजना थी। पंप घर एवं बंद क्षेत्रीय कार्यालय की सुरक्षा को लेकर प्रबंधन द्वारा यहां रात में सुरक्षाकर्मियों को लगाया जाता है।

धनबाद में ईंट-गिट्टी के विवाद में महिला पर हमला, अस्पताल में भर्ती

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद (आजाद सिपाही)। सरायढेला थाना क्षेत्र के कोला कुसमा वीआईपी कॉलोनी में ईंट और गिट्टी के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कॉलोनी की गली नंबर दो में रहने वाली गीता देवी पर उनके पड़ोसियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घायल अवस्था में गीता देवी को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस बाबत गीता देवी ने बताया कि कुछ दिन पहले पड़ोसियों ने उनके घर के सामने ईंट और गिट्टी डाल दिया था। तब उन्होंने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर पड़ोसी रंजिश में आ गए और अचानक उनके घर में घुसकर हमला कर दिया।

पति और बेटी के साथ भी की मारपीट

गीता देवी के अलावा उनके पति संजय कुमार वर्मा और बेटी स्नेहा वर्मा को भी हमलावरों ने नहीं छोड़ा। सभी को लाठी-डंडों से पीटा गया। गीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही सरायढेला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभाला और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। साथ ही पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उधर, इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि हमलावर किस तरह से घर में घुसकर हमला कर रहे हैं। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। उधर, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष है। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पीड़िता गीता देवी ने भी पुलिस से हमलावरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

बोकारो में अकीदत के साथ मना मुहर्रम

'या अली या हुसैन' के नारों के साथ निकाला गया ताजिया जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो में अकीदत और भाईचारा के साथ रविवार को परंपरागत ढंग से मुहर्रम का पर्व मनाया गया। विभिन्न थाना क्षेत्रों के मुस्लिम बहुल इलाकों से दर्जनों ताजिया जुलूस निकाले गए। इस दौरान अखाड़ा दलों के युवकों एवं बच्चों ने लाठी, डंडा, तलवार जैसे परंपरागत हथियारों से अनूठे एवं हैरतअंगेज करतब दिखाए। माराफारी थानांतर्गत आजादनगर, सिवनडीह, मखदुमपुर, डुमरो, इस्लामपुर सहित कई अन्य क्षेत्रों से ताजिया जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और शहादत को याद करते हुए 'या अली' 'या हुसैन' के नारे लगाए। यह जुलूस उकरीद की ओर से आने वाले ताजिया जुलूस से मिलने के बाद वापसी में आजाद नगर स्थित कर्बला मैदान पहुंचा जहां परम्परा के मुताबिक फातिया पढ़ा गया। वहीं, चास थाना एवं पिंडराजोरा थाना क्षेत्रों में भी मुस्लिम बहुल इलाकों से ताजिया जुलूस निकले गए। इस दौरान अन्य समुदाय के लोगों ने भी आपसी भाईचारा दिखाई। कई जगहों पर सामाजिक संगठनों की ओर से जुलूस में शामिल लोगों के लिए शरबत आदि का प्रबंध किया गया था।

इधर, शहर के सिवनडीह, आजादनगर मखदुमपुर इस्लामपुर डुमरो में विशाल ताजिया जुलूस निकाला गया। डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश के आलोक में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएसपी हेडक्वार्टर अनिमेष गुप्ता के नेतृत्व में माराफारी थाना प्रभारी मोहम्मद आजाद खान, पुलिस और अतिरिक्त विशेष दस्ता के साथ मौके पर मौजूद थे। ड्रोन कैमरों से भी चप्पे चप्पे की निगरानी की जा रही थी।

महाराष्ट्र में भाषा विवाद के मुद्दे पर राज ठाकरे की पार्टी पर भड़की भाजपा

पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछा अब भाषा पूछ कर किये जा रहे हमले

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा बनाने के विरोध में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक मंच पर आने को लेकर भाजपा ने बड़ा हमला किया है। राज्य के मंत्री आशीष शेलार ने रविवार को कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया, वहीं राज्य में भाषाई आधार पर लोगों पर हमले किये जा रहे हैं, जो निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा मराठी लोगों के सम्मान की रक्षा करेगी और गैर-मराठी बाशिंदों की भी हिफाजत करेगी। भाजपा नेता ने कहा, मराठी हमारे लिए

कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। हाल में सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए एक वीडियो में राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ता राज्य की राजधानी मुंबई के भयंदर इलाके में एक दुकानदार की पिटाई करते हुए देखे जा सकते हैं, क्योंकि उसने कथित तौर पर मराठी में बात करने से इनकार कर दिया था। बाद में पुलिस ने मनसे के सात सदस्यों को हिरासत में लिया और उन्हें नोटिस थमाये जाने के बाद छोड़ा गया। भाजपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने मराठी में बात न करने पर 'हिंदुओं' को निशाना बनाये जाने पर आपत्ति जतायी थी, जबकि उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता प्रताप सरनाइक ने कहा कि मराठी पर मनसे का एकाधिकार नहीं है।

पहलगाम में पूछा गया धर्म, अब यहां...

मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा हिंदी भाषी लोगों पर कथित हमले के बारे में पूछे जाने पर शेलार ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले में, लोगों को गोली मारने से पहले उनका धर्म पूछा गया था। यहां लोगों पर उनकी भाषा के आधार पर हमला किया जा रहा है। यह निराशाजनक है। मंत्री ने किसी का नाम लिये बिना कहा कि राज्य देख रहा है कि कैसे ये नेता अन्य हिंदुओं की पिटाई का आनंद ले रहे हैं। शनिवार को मुंबई के वर्ली इलाके में निवेशक सुशील केडिया के कार्यालय पर हमला करने के आरोप में पांच मनसे समर्थकों को गिरफ्तार किया गया। केडिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, मराठी न सीखने के बारे में लिखते हुए राज ठाकरे को चेतवावनी दी थी कि 'क्या करना है बोल' जिसके बाद यह हमला किया गया। हमले के कुछ घंटों बाद केडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट के लिए माफी मांगी और दावा किया कि उन्होंने जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया दी थी और ठाकरे की प्रशंसा भी की थी।

दिल्ली से गुरुग्राम के बीच जमीन के नीचे बनेगी सड़क टनल से 15 मिनट में पूरा होगा 30 किमी का सफर

आजाद सिपाही संवाददाता

दिल्ली। केंद्र सरकार दिल्ली से गुरुग्राम तक टनल रोड बनाने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि इसके लिए अध्ययन शुरू कर दिया गया है। जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू किया जा सकता है। ट्रैफिक जाम दिल्ली की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। जाम ना केवल दिल्ली में बल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले कई शहरों में यही समस्या है। अब केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उनकी सरकरा दिल्ली से लेकर गुरुग्राम तक टनल सड़क बनाने की योजना पर काम कर रही है। जल्दी ही इसके काम की शुरूआत हो सकती है। **कहां से कहां तक बनेगी टनल वाली सड़क** नितिन गडकरी ने बताया कि यह सड़क दिल्ली से लेकर गुरुग्राम तक जाएगी। सरकार यह योजना इसलिए ला रही है क्योंकि दिल्ली से गुरुग्राम तक जाने और आने में बहुत समय बर्बाद होता है। गडकरी ने बताया कि यह टनल दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम से लेकर गुरुग्राम तक बनाई जाएगी। इससे यात्रियों का काफी समय बचेगा। **कितना समय खर्च होगा** इस बहुप्रतीक्षित योजना को लेकर जानकारी देते हुए नितिन गडकरी ने बताया कि दिल्ली से गुरुग्राम तक टनल रोड बन जाने के बाद यात्रा में खर्च होने वाला समय काफी बच जायेगा। गडकरी ने बताया कि अभी दिल्ली से गुरुग्राम तक जाने के लिए 1 घंटे का समय लगता है, लेकिन यह टनल बन जाने के बाद दोनों के बीच की दूरी 15 मिनट में तय कर सकेंगे। जो दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम से शुरू होकर गुरुग्राम तक जायेगी। गडकरी ने बताया कि परिवहन मंत्रालय के पास दिल्ली के लिए 30-40 हजार करोड़ रुपए का बजट है। उन्होंने कहा कि इस टनल को बनाने का उद्देश्य यात्रा में लगने वाले समय को कम करना और दिल्ली-गुरुग्राम के बीच ट्रैफिक कम करना है। इसके अलावा दिल्ली से वायु प्रदूषण को कम करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

तकनीक और लोगों के हित को बनायें सहकारी क्षेत्र की कार्य संस्कृति: अमित शाह

आणंद (गुजरात) (आजाद सिपाही)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से अपील की कि वे पारदर्शिता, तकनीक का उपयोग और सदस्यों के हित को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनायें, ताकि सफलता हासिल की जा सके। वह आणंद में अमूल डेयरी परिसर में सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, तकनीक और सदस्यों (किसानों और सहकारी संस्थाओं) को प्राथमिकता देना आवश्यक है। तकनीक के बिना सहकारिता की समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अपने कार्य के केंद्र में लोगों के हितों को रखना भी बहुत जरूरी है। शाह ने सहकारिता से इन तीन सिद्धांतों को अपनी कार्य संस्कृति में आत्मसात करने और जम्मू-कश्मीर से कामाख्या और देश के हर गांव तक फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस समारोह के दौरान शुरू की गयी दस पहलों से एक मजबूत ब्रांड का निर्माण होगा, जैसा कि अमूल है। इनमें गुजरात में एक नमक सहकारी संस्था की स्थापना भी शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी क्षेत्र में दो लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसी) का पंजीकरण, देश के पहले राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय 'त्रिभुवन' की स्थापना और डेयरी क्षेत्र में तीन नये राष्ट्रीय सहकारी संस्थानों का गठन किया गया है। शाह ने क्षेत्र को आगे बढ़ने के लिए पांच 'पी'— 'पीपुल्स' (लोग), 'पीएसी' (प्राथमिक सहकारी समितियां), 'प्लेटफॉर्म' (डिजिटल जैसे मंच), 'पॉलिसी' (नीति) और 'प्रोसपेरिटी' (समृद्धि)— को अपनाने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि चार साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 'सहकारिता से समृद्धि' के मंत्र के साथ सहकारिता मंत्रालय की नींव रखी थी, जिससे इस प्रणाली को नया जीवन मिला। उन्होंने बताया कि इन चार वर्षों में केंद्र सरकार ने इन पांच 'पी' के आधार पर 60 से अधिक पहलें शुरू की हैं।

पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ से सरकारी बंगला जल्द खाली कराने के लिए पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पूर्व चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ अपने सरकारी बंगले (5, कृष्ण मेनन मार्ग) में तय समय सीमा से ज्यादा रह गये हैं। अब सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि पूर्व सीजेआइ से उनका बंगला जल्द खाली कराया जाये, ताकि हम उसे कोर्ट के हाउसिंग पूल में शामिल किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई को मिलाकर 33 जज हैं। सुप्रीम कोर्ट

में जजों की स्वीकृत संख्या 34 है। शीर्ष कोर्ट के चार जजों को अभी तक सरकारी बंगला नहीं मिला है। तीन जज सुप्रीम कोर्ट के ट्रांजिट अपार्टमेंट में, जबकि एक जज स्टेट गेस्ट हाउस में रह रहे हैं। शीर्ष अदालत ने जल्द से जल्द 5, कृष्ण मेनन मार्ग बंगला लौटाये जाने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास और नगरीय मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखा।

बेटियों को खास सुविधाओं वाले घर की जरूरत: चंद्रचूड़

बंगला खाली न कर पाने को लेकर पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ ने कहा, ऐसा निजी कारणों के चलते हुआ। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन को इस बारे में जानकारी दी थी। मैं सरकारी बंगले में समय सीमा से ज्यादा नहीं रहना चाहता था, लेकिन मेरी बेटियों को कुछ खास सुविधाओं वाले घर की जरूरत है। इस साल फरवरी से मैं लगातार घूम रहा हूं। मैंने सर्विस अपार्टमेंट और होटल भी देखे, लेकिन वहां जाया नहीं जा सकता। पूर्व सीजेआइ ने यह भी बताया, मैंने 28 अप्रैल को तब चीफ जस्टिस रहे संजीव खन्ना को लिखित में जानकारी दी थी कि मैं उपयुक्त घर की तलाश कर रहा हूं। मुझे 30 जून तक इसी बंगले में अनुमति दें, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला।

पटना में उद्योगपति गोपाल खेमका का अंतिम संस्कार

पटना (आजाद सिपाही)। बिहार के जाने-माने उद्योगपति गोपाल खेमका का रविवार को गुलबी घाट पर अंतिम संस्कार हो गया। उनके छोटे बेटे ने गौरव खेमका ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम विदाई के वक्त घाट पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां मौजूद सभी की आंखें नम थीं। इससे पहले उनकी बेटी उनसे लिपट कर फफक पड़ीं। वह स्कॉटलैंड से दोपहर को पटना पहुंचीं। उनके आने के बाद ही अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई। इधर राम गुलाम चौक स्थित उनके आवास पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बिहार के बड़े -बड़े व्यवसायी उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। कई राजनेता भी पहुंचे। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

एसटीएफ टीम कर रही छापेमारी : गोपाल खेमका हत्याकांड में पटना पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में भी लिया है। सूत्र बता रहे हैं कि सुपारी देकर हत्या करवायी गयी है। इसकी लिए पेशेवर शूटर बुलाये गये थे। आइजी जितेंद्र राणा ने कहा कि एसटीएफ टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**